MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 31 अक्टूबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-298

कौन जात के हो?

95 साल बाद जातिगत जनगणना 10 जनवरी से

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश में जनगणना का दूसरा चरण 25 जनवरी 2027 से शुरू होकर 28 फरवरी तक चलेगा। इस बार जनगणना के दौरान लोगों से कुल 40 सवाल पूछे जाएंगे। जनगणना के तहत घरों की गिनती का पहला चरण जून 2026 में पूरा हो चुका है। इस बार की सबसे बड़ी खासियत यह है कि 95 साल बाद यानी 1931 के बाद पहली बार देश में जाति आधारित गणना भी की जाएगी।

मणिपुर, गोवा, उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड को छोड़कर देश के बाकी हिस्सों में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जनगणना होगी। इन पांच राज्यों में वर्ष 2027 की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। वहीं, बर्फबारी वाले क्षेत्रों लद्दाख, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में भी इस दौरान जनगणना नहीं होगी।

सरकार की अधिसूचना के अनुसार, 10 से 24 जनवरी 2027 तक नागरिक स्वयं जनगणना पोर्टल पर अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। यह देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी। इसकी संदर्भ तिथि (रेफरेंस डेट) 1 मार्च 2027 की रात 12 बजे निर्धारित की गई है।

इन राज्यों और क्षेत्रों में जनवरी-फरवरी में नहीं होगी जनगणना

मणिपुर में स्थिति सामान्य नहीं: मणिपुर में जातीय हिंसा के कारण हालात अभी सामान्य नहीं हुए हैं। इसलिए वहां जन-गणना को अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया है।

पांच चुनावी राज्य: गोवा, उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और मणिपुर में वर्ष 2027 की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। ऐसे में जनगणना का अधिकांश कर्मचारी चुनावी कार्यों में व्यस्त रहेगा।

बर्फबारी वाले क्षेत्र: जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के बर्फबारी प्रभावित इलाकों, जैसे लाहौल-स्पीति और किन्नौर के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सर्दियों के दौरान रास्ते बंद हो जाते हैं। इसलिए इन क्षेत्रों में सितंबर-अक्टूबर में जनगणना कराई जा सकती है।

तीन चरणों में पूरी होगी प्रक्रिया

गृह मंत्रालय के अधीन भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त कार्यालय की ओर से जनगणना अधिनियम 1948 की धारा 3 के तहत आदेश जारी किया गया है। इस काम में करीब 30 लाख प्रगणक और पर्यवेक्षक लगाए जाएंगे, जो टैबलेट और मोबाइल ऐप के माध्यम से आंकड़े एकत्र करेंगे।

जनगणना की प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी होगी। पहले चरण में नागरिक चाहें तो स्वयं ऑनलाइन जानकारी भर सकेंगे। इसके बाद प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी का सत्यापन और संग्रह करेंगे। अंत में पांच दिन का पुनरीक्षण चरण चलेगा, ताकि कोई भी व्यक्ति जनगणना से छूट न जाए।

11,718 करोड़ रुपये का बजट मंजूर

केंद्र सरकार ने जनगणना 2027 के लिए 11,718.24 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी है। पूरी जनगणना केंद्र सरकार के समन्वय से होगी, जबकि राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारें इसके क्रियान्वयन में सहयोग करेंगी। जनगणना 2027 देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी। इसमें आंकड़े डिजिटल माध्यम से दर्ज किए जाएंगे। नागरिकों को स्वयं अपनी जानकारी देने यानी स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) का विकल्प भी मिलेगा। इसकी कानूनी प्रक्रिया जनगणना अधिनियम 1948 और जनगणना नियम 1990 के तहत पूरी की जाएगी। केंद्र सरकार के अनुसार, जनगणना के दौरान नागरिकों की ओर से दी गई व्यक्तिगत जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। जनगणना अधिनियम की धारा 15 के तहत इस जानकारी को सार्वजनिक नहीं किया जा सकता।

इसे आरटीआई के तहत भी उपलब्ध नहीं कराया जा सकता और न ही किसी अदालत में सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि जनगणना पहले वर्ष 2021 में होनी थी, लेकिन कोरोना महामारी के कारण इसे टाल दिया गया था।

हेलिकॉप्टर क्रैश, 6 मरे

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के चमोली जिले में बदरीनाथ धाम से फाटा जा रहा एक हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। चमोली पुलिस की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, हेलिकॉप्टर में सवार पायलट समेत सभी छह लोगों की मौत हो गई है। यह हादसा जोशीमठ के पास हाथी पहाड़ के पीछे चायी गांव के इलाके में हुआ। हेलिकॉप्टर ट्रांस भारत कंपनी का बताया जा रहा है। हेलिकॉप्टर की लोकेशन अचानक गायब होने के बाद उसकी तलाश शुरू की गई थी। स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन की टीमें खोज एवं बचाव अभियान में जुटी थीं। तलाशी अभियान में दो अन्य हेलिकॉप्टर भी लगाए गए थे, लेकिन खराब मौसम के कारण दुर्घटनाग्रस्त हेलिकॉप्टर की सही लोकेशन का पता लगाने में मुश्किल आ रही थी। बाद में चमोली पुलिस ने हेलिकॉप्टर में सवार सभी छह लोगों की मौत की पुष्टि की।

पायलट समेत छह लोग थे सवार

उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूसीएडीए) की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, हेलिकॉप्टर में पायलट कैप्टन हिमांशु समेत कुल छह लोग सवार थे। यात्रियों की सूची में प्रताप, अरुण, शंकर गौड़ा, सुधीर के. और एच.एस. नटराज के नाम दर्ज हैं।

घने बादलों से बचाव अभियान में परेशानी

हादसे की सूचना वाले इलाके में लगातार बारिश हो रही थी और घने बादल छाए हुए थे। इससे दृश्यता काफी कम हो गई थी। ऐसे में बचाव दलों को हेलिकॉप्टर की लोकेशन तलाशने में परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रशासन की टीमें बदरीनाथ और जोशीमठ के बीच के इलाके में खोज अभियान चला रही थीं। हेलिकॉप्टर में कितने लोग सवार थे और उनकी स्थिति क्या थी, इसे लेकर शुरुआती दौर में जानकारी सामने नहीं आई थी। प्रशासन की टीमें मलबे का पता लगाने और बचाव अभियान को आगे बढ़ाने में जुटी थीं।

जोशीमठ के उपजिलाधिकारी चंद्रशेखर वशिष्ठ ने बताया कि हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिली थी, जिसकी पुष्टि कराई जा रही थी। उन्होंने कहा कि इलाके में कुछ संदिग्ध चीजें दिखाई दी थीं, जिससे हेलिकॉप्टर दुर्घटना की आशंका जताई गई। सेना, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीमें मौके पर पहुंच रही थीं। उपजिलाधिकारी ने बताया कि वह स्वयं भी घटनास्थल के लिए रवाना हो रहे थे। मौके से और जानकारी मिलने के बाद स्थिति स्पष्ट होने की बात कही गई थी।

घायलों को एयरलिफ्ट कर बेहतर इलाज देने के निर्देश

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जोशीमठ के पास चायी गांव में हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने की दुर्भाग्यपूर्ण सूचना मिली है। जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन विभाग और एसडीआरएफ की टीमें मिलकर बचाव अभियान चला रही हैं। उन्होंने कहा कि वह पूरे घटनाक्रम पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। मुख्यमंत्री ने गंभीर रूप से घायलों को तुरंत हवाई मार्ग से बेहतर इलाज के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र पहुंचाने के निर्देश दिए थे। उन्होंने यात्रियों के सकुशल होने की कामना भी की थी। यूसीएडीए के मुताबिक, ट्रांस भारत एविएशन प्राइवेट लिमिटेड का हेलिकॉप्टर वीटी-एचसीएक्स बदरीनाथ से दे-हरादून के सहस्रधारा के लिए रवाना हुआ था।

▶8पर

खौफनाक हादसा

बेकाबू इन्नोवा कई बार पलटी

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में तेज रफ्तार कार का खौफनाक हादसा सामने आया है। रंगारेड्डी जिले के शमशाबाद मंडल स्थित नरकुड़ा गांव के पास एक टोयोटा इनोवा क्रिस्टा अचानक अनियंत्रित होकर कई बार पलट गई और सड़क किनारे स्थित एक मकान की चारदीवारी से जा टकराई। हादसे का पूरा घटनाक्रम इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गया। सामने आए वीडियो में कार की रफ्तार और दुर्घटना की गंभीरता साफ दिखाई दे रही है। पुलिस के मुताबिक, दुर्घटना गुरुवार 29 अक्टूबर को दोपहर करीब 3:45 बजे हुई। इनोवा क्रिस्टा शमशाबाद से नरकुड़ा की ओर जा रही थी। इसी दौरान चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और कार सड़क किनारे स्थित एक मकान की चारदीवारी से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार कई बार पलट गई। हादसे में वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और मकान की दीवार का एक हिस्सा भी टूट गया। पुलिस ने कार चालक की पहचान नरकुड़ा निवासी पांडू के रूप में की है। इस दुर्घटना में पांडू को चोटें आईं। बताया गया है कि हादसे के कुछ देर बाद वह घटनास्थल से चला गया। हालांकि, उसकी चोटों की गंभीरता और उसे इलाज के लिए कहां ले जाया गया, इस बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। ▶8पर

बेजुबान चूहे से क्रूरता

रस्सी से बाँध आग लगा दी

झांसी, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के झांसी से एक बेजुबान जीव के साथ क्रूरता का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां कुछ युवकों पर एक जिंदा चूहे को रस्सी से बांधकर उस पर पेट्रोल जैसा ज्वलनशील पदार्थ छिड़कने और आग लगाने का आरोप है। इस घटना का करीब 47 सेकंड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में चूहा आग की लपटों के बीच छटपटाता दिखाई दे रहा है, जबकि मौके पर मौजूद युवक उसे बचाने के बजाय वीडियो बनाते नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा यह वीडियो झांसी के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित ओरछा गेट की कसाई मंडी इलाके का बताया जा रहा है। वीडियो में एक छोटे चूहे को रस्सी के सहारे लोहे के गेट पर लटकाया गया है। इसके बाद उस पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी जाती है।

आग की चपेट में आने के बाद चूहा खुद को बचाने के लिए छटपटाता रहता है। इसी दौरान रस्सी टूटने पर वह इधर-उधर भागता दिखाई देता है। आरोप है कि वहां मौजूद युवक उसे बचाने की कोशिश करने के बजाय पूरी घटना को कैमरे में रिकॉर्ड करते रहे। इस घटना ने बेजुबान जीवों के प्रति संवेदनशीलता को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ▶8पर

उमर से बगावत

फेरबदल से नाराज 15 विधायक

जम्मू, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर की सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस में कैबिनेट फेरबदल के बाद अंदरूनी खींचतान बढ़ती नजर आ रही है। सूत्रों के मुताबिक, कैबिनेट फेरबदल से नाराज नेशनल कॉन्फ्रेंस और निर्दलीय विधायकों समेत 15 से अधिक विधायकों ने श्रीनगर में बैठक की। इन विधायकों ने आगे की राजनीतिक रणनीति पर चर्चा की और हालिया कैबिनेट फेरबदल को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की।

सूत्रों के अनुसार, नाराज विधायकों की यह बैठक लोलाब के विधायक कैसर जमशीद के श्रीनगर स्थित आवास पर हुई। बैठक में नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ विधायक मुबारक गुल और अब्दुल मजीद लर्मी भी शामिल हुए। बैठक में मौजूद विधायकों ने हाल में हुए कैबिनेट फेरबदल को लेकर अपनी निराशा व्यक्त की।

सूत्रों के मुताबिक, नाराज विधायक उन मंत्रियों को हटाने की मांग कर रहे हैं, जिन्होंने अपने पद पर दो साल पूरे कर लिए हैं। विधायकों ने बैठक में इसी मुद्दे को लेकर आगे की राजनीतिक रणनीति पर भी चर्चा की। इस बीच श्रीनगर में देर रात एक और राजनीतिक हलचल सामने आई। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने नवनियुक्त मंत्री अली मोहम्मद सागर को पार्टी के महासचिव पद पर बने रहने का आदेश दिया है। ▶8पर

जी-20 में विद्रोह

रूबियो ने रद्द किया फोटो सेशन

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका में जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के पहले ही दिन विवाद खड़ा हो गया। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को सामूहिक फोटो सत्र रद्द करना पड़ा। दरअसल, कई यूरोपीय देशों ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ तस्वीर खिंचाने पर आपत्ति जताई थी। कुछ देशों ने यहां तक चेतावनी दी कि यदि उन्हें लावरोव के साथ फोटो खिंचवानी पड़ी तो वे इस सत्र से बाहर हो जाएंगे। इसके बाद अमेरिका ने फोटो सत्र रद्द करने का फैसला किया।

अटलांटा में शुक्रवार को शुरू हुई इस बैठक में जी-20 के प्रमुख देशों के वरिष्ठ राजनयिक हिस्सा ले रहे हैं। आमतौर पर ऐसी बैठकों की शुरुआत सभी विदेश मंत्रियों के सामूहिक फोटो सत्र से होती है। लेकिन इस बार रूस की मौजूदगी ने पश्चिमी देशों के बीच मतभेद उजागर कर दिए।दो अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, मार्को रुबियो ने विवाद को बैठक के बाकी एजेंडे पर हावी होने से रोकने के लिए फोटो सत्र रद्द करने का फैसला किया। अधिकारियों ने मामले की संवेदनशीलता के चलते अपनी पहचान सार्वजनिक नहीं की।दरअसल, यूक्रेन पर रूस के हमले और उसके बाद मॉस्को पर लगाए गए पश्चिमी प्रतिबंधों के चलते सर्गेई लावरोव की उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सदस्य देशों की यात्राएं बेहद सीमित रही हैं। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 20^0

फिर होंगे इजराइल चुनाव?

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजरायल में चुनाव परिणाम आने के बाद देश की अगली संसद यानी नेसेट की तस्वीर साफ हो गई है, लेकिन अभी यह तय नहीं हो पाया है कि अगला प्रधानमंत्री कौन होगा। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनके प्रमुख प्रतिद्वंद्वी तथा पूर्व सैन्य प्रमुख गादी आइजेनकोट, दोनों में से किसी के खेमे को भी स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। अब सरकार बनाने के लिए राजनीतिक दलों के बीच अहम बातचीत का दौर शुरू होगा।

इजरायल की 120 सदस्यीय संसद में सरकार बनाने के लिए कम से कम 61 सांसदों का समर्थन जरूरी है। नेतन्याहू की लिकुड पार्टी को 53 सीटें और आइजेनकोट की यशार पार्टी को 48 सीटें मिली हैं। इस चुनाव में अरब नेतृत्व वाली पार्टियों ने ऐतिहासिक रूप से 19 सीटें हासिल की हैं। ऐसे में सरकार गठन की प्रक्रिया में उनकी भूमिका निर्णायक हो सकती है।

हालांकि, किसी भी गठबंधन को बहुमत तक पहुंचाने के लिए दलों को अपने पुराने रुख और वादों से समझौता करना पड़ सकता है। यदि ऐसा नहीं हुआ तो अगले साल की शुरुआत में फिर से चुनाव कराने की नौबत आ सकती है। तब तक नेतन्याहू की सरकार कार्यवाहक सरकार के रूप में काम करती रहेगी।संख्या के लिहाज से आइजेनकोट के लिए अरब नेतृत्व वाली पार्टियों के साथ गठबंधन बनाना सबसे सीधा रास्ता दिखाई देता है। ऐसा होने पर नेतन्याहू के विरोध में 67 सीटों का गठबंधन तैयार हो सकता है। ये पार्टियां औपचारिक रूप से सरकार में शामिल हुए बिना भी अल्पमत सरकार को समर्थन दे सकती हैं। ▶8पर

बाप रे ऐसा जवाब! मरते दम तक जन सेवा : मोदी

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को संकल्प व्यक्त किया कि वह अपनी आखिरी सांस तक भारत की जनता की सेवा करते रहेंगे। प्रधानमंत्री का यह बयान ऐसे समय आया है, जब कुछ दिन पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक कार्यक्रम में कहा था कि मोदी का बाप भी जाएगा। इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में काफी हंगामा हुआ था।

प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर आरोप लगाया कि जब देश किसी संकट का सामना करता है तो कुछ लोग खुश होते हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच विपक्ष खाद और रसोई गैस की उपलब्धता को लेकर लोगों के बीच घबराहट फैला रहा है। मोदी ने कहा कि किसान, युवा और महिलाएं विकसित भारत के निर्माण की दिशा में काम कर रहे हैं, लेकिन अफसोस की बात है कि कुछ लोगों को देश की यह तरक्की रास नहीं आ रही है।प्रधानमंत्री गुजरात के बनासकांठा जिले के भिलडी कस्बे में भारत बोवाइन ब्रीडिंग एंड रिसर्च सेंटर का उद्घाटन करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने 14,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया और उनकी आधारशिला भी रखी।

जनसभा में प्रधानमंत्री ने कहा, जीवन के अंतिम क्षण तक मैं जनता की सेवा में ही जुटा रहूंगा।इस मौके पर उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त भी जारी की। इस योजना के तहत पात्र किसानों को सालाना 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है।

भिलडी में आयोजित प्रधानमंत्री की रैली में आयोजकों ने दर्शकों के बैठने के लिए कुर्सियों की जगह चारपाइयां बिछाई थीं। मोदी ने इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि यह शायद अब तक का सबसे बड़ा चारपाई आयोजन हो सकता है। प्रधानमंत्री ने बिना किसी का नाम लिए कहा, कुछ लोग ऐसे हैं जो देश को मुसीबत में देखना चाहते हैं, उन्हें तब खुशी मिलती है जब देश किसी कठिन दौर से गुजर रहा होता है। ▶8पर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अंतरिक्ष में चीन की बढ़ती ताकत से अमेरिका की चिंता बढ़ी

खुफिया एजेंसी ने जारी की गुप्त स्पेसप्लेन की तस्वीर

वाशिंगटन

अमेरिकी रक्षा खुफिया एजेंसी (डीआईए) ने अपनी ताजा रिपोर्ट चैलेंजेस टू सिक्योरिटी इन स्पेस में चीन के एक गुप्त रीयूजेबल स्पेसप्लेन की पहली स्पष्ट सैटेलाइट तस्वीर जारी की है, जिसने वाशिंगटन के सुरक्षा रणनीतिकारों के बीच हलचल बढ़ा दी है। मैक्सार टेक्नोलाजीज द्वारा खींची गई यह तस्वीर दर्शाती है कि चीन पृथ्वी की कक्षा में अपनी सैन्य क्षमताओं को बेहद तेजी से बढ़ा रहा है, और यह रहस्यमय स्पेसक्राफ्ट अमेरिकी स्पेस फोर्स के एक्स-37बी विमान जैसा प्रतीत होता है।

अब तक बीजिंग के इस गुप्त अंतरिक्ष कार्यक्रम की गतिविधियों को लेकर भारी गोपनीयता बरती जा रही थी, लेकिन इस खुलासे ने वैश्विक स्तर पर नई चर्चा छेड़ दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के पास वर्तमान में 510 से ज्यादा जासूसी सैटेलाइट्स मौजूद हैं, जिनकी संख्या 2018 के मुकाबले तीन गुना बढ़ चुकी है। इस हाई-रिजाल्यूशन तस्वीर में एक छोटा, शटल जैसा स्पेसक्राफ्ट नजर आ रहा है, जिसके छोटे पंख, दो वर्टिकल टेल और बीच में एक खुला पेलोड बे दिखाई दे रहा है। इसके पिछले हिस्से के दोनों तरफ सोलर पैनल्स लगाए गए हैं।

डीआईए का कहना है कि अंतरिक्ष में रीयूजेबल गतिविधियों के लिए ऐसे स्पेसप्लेन सबसे अहम क्षमता होते हैं, क्योंकि ये कक्षा में जाकर किसी भी वस्तु को स्थापित करने और विभिन्न परीक्षण पूरे करने के बाद सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लौटने की काबिलियत रखते हैं। हालांकि अमेरिकी एजेंसी ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि यह क्राफ्ट चीन के शैनलांग या तेंगयुन माडल्स में से कौन सा है।

अमेरिकी थिंक टैंक और रक्षा एजेंसियां इस विमान की दिशा बदलने और युद्धाभ्यास करने की क्षमता को लेकर सबसे अधिक सतर्क हैं। सामान्य सैटेलाइट्स अंतरिक्ष में तेजी से अपनी दिशा बदलने में सक्षम नहीं होते, लेकिन यह स्पेसप्लेन कक्षा में घूमते हुए खुफिया जानकारी जुटाने और अन्य स्पेसक्राफ्ट्स के करीब जाकर आपरेशन चलाने में सक्षम है।

हालांकि तस्वीरों में इसके किसी हथियार ले जाने या आक्रामक मिशन चलाने के प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं मिले हैं, फिर भी इसकी रणनीतिक क्षमताएं अमेरिका के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई हैं। चीन ने साल 2020 से अब तक अपने रीयूजेबल स्पेसप्लेन के चार ज्ञात आर्बिटल मिशन पूरे किए हैं।

इसका तीसरा मिशन 14 दिसंबर 2023 से 6 सितंबर 2024 तक चला था, जिसमें इसने अंतरिक्ष में कई छोटी वस्तुएं भी छोड़ी थीं। इसके बाद चीन ने 7 फरवरी 2026 को अपना चौथा मिशन शुरू किया था, और यह स्पेसक्राफ्ट अब भी अंतरिक्ष की कक्षा में लगातार चक्कर लगा रहा है, जिस पर अमेरिकी एजेंसियां पैनी नजर बनाए हुए हैं। अंतरिक्ष में चीन की लगातार बढ़ती सैन्य ताकत और ऐसे रहस्यमय विमानों की तैनाती ने भविष्य के सुरक्षा समीकरणों को लेकर अमेरिका की चिंताएं काफी बढ़ा दी हैं।

न्यूज ब्रीफ

चीन के गुलाम पाकिस्तान ने ताइवान के लिए हवाई क्षेत्र बंद किया, भारत ने ताइवान के प्रति एक सकारात्मक रुख दिखाया

कराची। पाकिस्तान ने फिर चीन के प्रति अपनी वफादरी बताकर ताइवान की एयरलाइंस के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद किया है। यह कदम चीन की वन चाइना पालिसी के समर्थन में उठाया गया है, जिसके कारण दुनिया भर में पाकिस्तान की आलोचना हो रही है। ठीक इसके विपरीत, भारत ने मुद्दे पर अपनी स्वतंत्र और दृढ़ नीति का प्रदर्शन कर ताइवान के प्रति एक सकारात्मक रुख अपनाया है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान ने ताइवान की प्रमुख विमानन कंपनियों को अपने हवाई क्षेत्र से गुजरने की अनुमति देना बंद कर दिया है, जिससे यूरोप जाने वाली उनकी उड़ानों को रास्ता बदलना पड़ा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इस खबर की पुष्टि कर कहा कि देश का विमानन विभाग वन चाइना पालिसी का पालन करता है और केवल चीन की मुख्य भूमि (मेनलैंड चाइना) की एयरलाइंस को ही पाकिस्तान के ऊपर से उड़ान भरने की अनुमति देता है। बताया जा रहा है कि ताइवान की प्रमुख विमान कंपनियों ने करीब 25 अक्टूबर से ही पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल बंद किया था, और अब एशिया और यूरोप के बीच संचालित उनकी दर्जन भर से अधिक उड़ानें रूस के ऊपर से होकर गुजर रही हैं।

फिनलैंड में खुलेगा दुनिया का पहला परमाणु कचरा भंडार, गहराई में सालों तक सुरक्षित रहेगा रेडियोधर्मी कचरा

हेलसिंकी। फिनलैंड दुनिया का पहला ऐसा देश बनने जा रहा है, जहां इस्तेमाल हो चुके परमाणु ईंधन को स्थायी रूप से जमीन के नीचे सुरक्षित रखने की व्यवस्था की गई है। देश के ओनकालो केंद्र को हाल ही में संचालन का लाइसेंस मिलने के बाद इस परियोजना को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। हालांकि, परमाणु कचरे के दीर्घकालिक भंडारण को लेकर सुरक्षा और पर्यावरण संबंधी चुनौतियां भी बनी हुई हैं। केंद्र को कई परीक्षणों और तकनीकी जांच से गुजरना पड़ा, जिसके बाद संचालन की अनुमति दी गई। दुनिया के अधिकांश देशों में इस्तेमाल हो चुके परमाणु ईंधन के लिए अब तक स्थायी भंडारण की व्यवस्था नहीं है। इस आमतौर पर विशेष अस्थायी केंद्रों में रखा जाता है। फिनलैंड में ओनकालो परियोजना की शुरुआत करीब 22 साल पहले हुई थी। इस केंद्र में देश के पांच परमाणु रिएक्टरों से निकलने वाले इस्तेमाल किए गए ईंधन को सुरक्षित रखने की क्षमता होगी। इसकी कुल भंडारण क्षमता लगभग 6,500 टन यूरेनियम है। परमाणु कचरे को सुरक्षित रखने के लिए बहुस्तरीय व्यवस्था तैयार की गई है।

अब इंसानों के शव को विघटित कर जैविक खाद में किया जाएगा तब्दील, न्यू साउथ वेल्स ऐसा कानून बनाने वाला आस्ट्रेलिया का पहला राज्य बना

सिडनी। पारंपरिक अंतिम संस्कार पद्धतियों से पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को देखते हुए आस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स राज्य ने एक क्रांतिकारी और ऐतिहासिक कानून पास किया है। इस कानून के तहत अब इंसान की मृत्यु के बाद उसके शरीर को जलाने या मिट्टी में दफनाने के बजाय प्राकृतिक रूप से विघटित करके पोषक तत्वों से भरपूर जैविक खाद में तब्दील किया जा सकेगा। इस प्रक्रिया को वैज्ञानिक और तकनीकी भाषा में ह्यूमन कंपोस्टिंग या टेरामेशन या नेचुरल आर्गेनिक रिडक्शन कहा जाता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक न्यू साउथ वेल्स ऐसा कानून बनाने वाला आस्ट्रेलिया का पहला राज्य बन गया है। हालांकि, इसके लिए जरुरी बुनियादी ढांचे, वैज्ञानिक दिशा-निर्देशों और विशेष सुविधाओं को विकसित करने में समय लगेगा और उम्मीद है कि यह सेवा 2029 तक आम जनता के लिए उपलब्ध हो जाएगी। ह्यूमन कंपोस्टिंग की पूरी प्रक्रिया अत्यंत वैज्ञानिक और नियंत्रित परिस्थितियों में पूरी की जाती है। सबसे पहले मृत शरीर को किसी प्राकृतिक और बायोडिग्रेडेबल कपड़े में लपेटा जाता है। इसके बाद शव को एक विशेष रूप से डिजाइन किए गए बेलनाकार स्टील के पात्र में रखा जाता है। इस पात्र के अंदर लकड़ी के बुरादे, सूखे भूसे, छाल और अल्फाल्फा जैसी जैविक सामग्रियों की एक मोटी परत बिछाई जाती है। ये सामग्रियां पात्र के अंदर सही मात्रा में नमी, कार्बन और नाइट्रोजन का संतुलन बनाए रखने में मदद करती हैं। इसके बाद पात्र को सील कर दिया जाता है और अंदर का तापमान प्राकृतिक रूप से सूक्ष्मजीवों की गतिविधियों के कारण 55 से 70 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ाया जाता है। यह उच्च तापमान शरीर के ऊतकों को तेजी से गलाने के साथ-साथ सभी प्रकार के हानिकारक कीटाणुओं, वायरस और बीमारियों को नष्ट कर देता है। रिपोर्ट के मुताबिक दो से तीन महीने के अंदर संपूर्ण मानव शरीर, जिसमें मांसपेशियां और अंग शामिल हैं।

घर में इस्तेमाल होने वाली आम चीजें भी हो सकती है सेहत की दुश्मन

जिनेवा

क्या आप जानते हैं कि आपके घर में इस्तेमाल होने वाली आम चीजें भी सेहत के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकती हैं दीवारों का पुराना पेंट, बच्चों के खिलौने, कास्मेटिक्स, गहने और यहां तक कि कुछ बर्तन भी सीसा नामक जहरीली धातु के संपर्क में आने का कारण बन सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) भी लंबे समय से सीसे के संपर्क से होने वाले नुकसान को लेकर चिंता जता चुका है। इसका खतरा इसलिए भी अधिक है क्योंकि कई बार इसके संपर्क में आने पर तुरंत कोई लक्षण दिखाई नहीं देते, जिससे इस अदृश्य दुश्मन को पहचानना और उससे बचना मुश्किल हो जाता है।

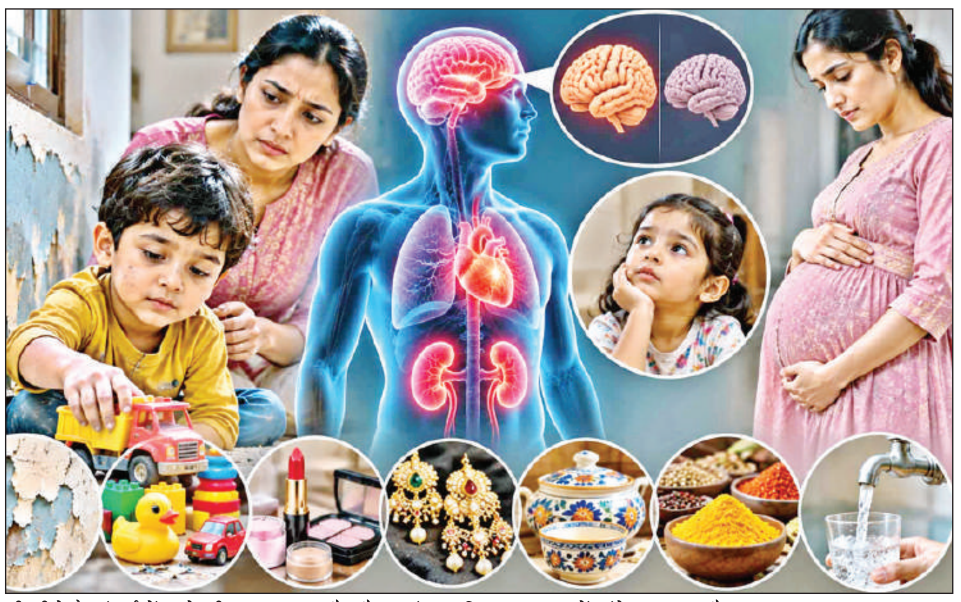

सीसा एक अत्यंत जहरीली धातु है, जिसका उपयोग पहले कई प्रकार के उत्पादों में बड़े पैमाने पर किया जाता था। हालांकि अब इसके उपयोग पर कई प्रतिबंध लग गए हैं, लेकिन आज भी कुछ उत्पादों और हमारे पर्यावरण में इसके मौजूद होने का खतरा बना हुआ है। पुराने पेंट से निकलने वाली धूल, दूषित मिट्टी और पानी इसके प्रमुख संभावित स्रोत हो सकते हैं। इसके अलावा, कुछ सिरेमिक बर्तन, बच्चों के खिलौने, सस्ते या नकली गहने और कुछ कास्मेटिक्स भी सीसे के संपर्क में आने की वजह बन सकते हैं। चिंताजनक बात यह है कि कुछ मसालों और पारंपरिक दवाओं में भी मिलावट या संदूषण के कारण सीसा पाया जा सकता है, जो अनजाने में ही हमारे शरीर में पहुंच सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, सीसे का संपर्क दुनिया भर में स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा है, जिससे हर साल लाखों लोगों की सेहत प्रभावित होती है।

सीसे का संपर्क हर उम्र के व्यक्ति को नुकसान पहुंचा सकता है, लेकिन छोटे बच्चों के लिए यह विशेष रूप से खतरनाक है। इस उम्र में उनका दिमाग और तंत्रिका तंत्र तेजी से विकसित हो रहा होता है, और सीसे के संपर्क से उनकी सीखने की क्षमता, मानसिक विकास और व्यवहार पर बहुत बुरा असर पड़ सकता है। यह बच्चों में बौद्धिक अक्षमता का कारण बन सकता है और यहां तक कि कम मात्रा में लंबे समय तक संपर्क भी उनके लिए बेहद नुकसानदेह साबित हो सकता है। छोटे बच्चे अक्सर जमीन पर खेलते हैं और हर चीज को छूने के बाद अपने हाथ मुंह में डाल लेते हैं। यदि उनके हाथों पर सीसे से दूषित धूल या मिट्टी लगी हो, तो यह आसानी से उनके शरीर में पहुंच सकती है। इतना ही नहीं, गर्भावस्था के दौरान सीसे का संपर्क गर्भवती महिला और गर्भस्थ शिशु दोनों के लिए भी बेहद हानिकारक हो सकता है, जिससे जन्म के समय बच्चे का वजन कम होने या समय से पहले जन्म का खतरा बढ़ जाता है। यह खतरा केवल बच्चों तक ही सीमित नहीं है। लंबे समय तक सीसे के संपर्क में रहने से वयस्कों में गुर्दे (किडनी) और दिल से संबंधित समस्याओं का जोखिम बढ़ सकता है, साथ ही यह उच्च रक्तचाप और प्रजनन क्षमता को भी प्रभावित कर सकता है।

सीसा शरीर के लगभग सभी अंगों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है, जिसमें तंत्रिका तंत्र, पाचन तंत्र और रक्त निर्माण प्रणाली भी शामिल है। इस गंभीर खतरे से बचाव के लिए हमें कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाने होंगे। सबसे पहले, अपने घर में नियमित रूप से सफाई करें और धूल हटाने के लिए सूखे कपड़े के बजाय हमेशा गीले कपड़े या पोछे का इस्तेमाल करें, ताकि सीसे युक्त धूल हवा में न फैले। अगर आपके घर में पुराना पेंट है, तो उसे खुद खुरचने से बचें, क्योंकि इससे दूषित धूल बड़े पैमाने पर फैल सकती है; इसके लिए पेशेवर मदद लें। बच्चों को टूटे हुए या ऐसे खिलौनों से दूर रखें जो सुरक्षा मानकों पर खरे न उतरते हों। यदि आपको अपने पीने के पानी के दूषित होने की आशंका हो, तो उसकी जांच अवश्य करवाएं।

बोस्निया में यूरोपीय संघ शांति मिशन के दौरान इटली का हेलीकाप्टर क्रैश, चार सैन्यकर्मी शहीद

सारायेवो (बोस्निया और हर्जेगोविना)

बोस्निया में यूरोपीय संघ शांति मिशन के दौरान इटली का हेलीकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में चार सैन्यकर्मियों का सर्वोच्च बलिदान हो गया। यूरोपीय संघ बल ने बताया कि बोस्निया और हर्जेगोविना में नियमित प्रशिक्षण के दौरान यह चिनूक सैन्य हेलीकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में चार सैन्य कर्मियों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए।

बोस्निया और हर्जेगोविना के बंजा लुका से प्रकाशित सर्बो-क्रोशियाई भाषा के दैनिक समाचार पत्र ग्लास सर्पस्के की रिपोर्ट के अनुसार, यह हवाई हादसा ब्रको के पास गोरिस सेक्टर में हुआ। हादसे में वीरगति को प्राप्त होने वाले बहादुरों में दो इटली की आर्म्ड फोर्सेज और दो इटैलियन मिलिट्री रेडक्रास के के सदस्य हैं। 11 घायलों में से दो को तुजला मेडिकल सेंटर रेफर किया गया है। नौ का ब्रको में इलाज चल रहा है।

यूरोपीय संघ बल ने आधिकारिक बयान में कहा कि इस घटना में घायल सभी लोगों की हालत अभी स्थिर है। बल ने इस दुर्घटना की प्रकृति को देखते हुए सभी से भ्रामक जानकारी फैलाने से बचने की अपील की है। यूरोपीय संघ बल ने शहीद सैनिकों के परिवारों, दोस्तों और रिश्तेदारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

यूरीपीय संघ बल के जनसंपर्क कार्यालय के बयान में कहा कि हादसे की सूचना मिलते ही बोस्निया और हर्जेगोविना की स्थानीय आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं और बल की संपर्क एवं निगरानी टीम के सदस्य तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। पीड़ितों को ब्रको के चिकित्सा केंद्रों में पहुंचाया। इस घटना में कोई आम नागरिक घायल नहीं हुआ है और न ही नागरिकों के बुनियादी ढांचे, संपत्ति या वाहनों को कोई नुकसान पहुंचा है।

इटली सरकार ने देश के चिंतित सैन्य परिवारों में से पीड़ित परिवारों को उनके सदस्यों के नाम बता दिए हैं। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने एक्स पोस्ट में इस हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने पीड़ितों, उनके रिश्तेदारों और इस क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए तैनात सभी कर्मियों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने इटली सरकार की ओर से अपना समर्थन और एकजुटता भी जाहिर की।

कार्बन डाइआक्साइड की वृद्धि से गहराया वैश्विक जलवायु संकट

वाशिंगटन। पृथ्वी के वायुमंडल में कार्बन डाइआक्साइड गैस के बढ़ने की रफ्तार 1960 के दशक की तुलना में अब तीन गुना तेज हो चुकी है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की एक वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 में कार्बन डाइआक्साइड, मीथेन और नाइट्रस आक्साइड जैसी प्रमुख ग्रीनहाउस गैसों की सांद्रता अब तक के सर्वोच्च रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि मानव जनित गतिविधियों से उत्पन्न इन जहरीली गैसों का प्रतिकूल प्रभाव किसी एक या दो साल तक नहीं, बल्कि आने वाली कई सदियों तक वायुमंडल में बना रह सकता है। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में वायुमंडल में कार्बन डाइआक्साइड की सघनता 426.8 पार्ट्स प्रति मिलियन (पीपीएम) दर्ज की गई, जबकि मीथेन और नाइट्रस आक्साइड की मात्रा भी अपने रिकार्ड स्तर पर रही। पिछले 11 वर्षों की अवधि को पृथ्वी के इतिहास में अब तक का सबसे गर्म काल माना गया है और आगे भी तापमान बढ़ने का यह सिलसिला जारी रहने की आशंका व्यक्त की गई है। ग्रीनहाउस गैसों की इस बेतहाशा वृद्धि के कारण वैश्विक तापमान में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है, जिससे भीषण सूखा, विनाशकारी बाढ़, समुद्री तूफान और प्रचंड गर्मी जैसी प्राकृतिक आपदाओं का खतरा कई गुना बढ़ गया है।

अमरीकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने अपनी तय ब्याज दर बरकरार रखी

ट्रम्प ने भी पिछले महीने प्रमुख ब्याज दर बढ़ाने के लिए फेड की आलोचना की थी

वाशिंगटन

अमरीकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने अपनी तय ब्याज दर को 3.75 फीसदी से 4 फीसदी की लक्ष्य सीमा पर अपरिवर्तित रखा है। इससे उच्च मुद्रास्फीति के बावजूद औसत प्रभावी दर करीब 3 दशमलव 0-9 फीसदी पर बनी हुई है। केंद्रीय बैंक ने अपनी दो दिवसीय नीतिगत बैठक के बाद एक बयान जारी किया है। इसके मुताबिक मुद्रास्फीति उच्च बनी हुई है और ब्याज दरों में वृद्धि न होने से ज्यादा जानकारी एकत्रित करने का अवसर मिलेगा। इससे यह तय करने में भी मदद मिलेगी कि मुद्रास्फीति को केंद्रीय बैंक के 2 फीसदी के लक्ष्य तक वापस लाने के लिए कौन सी नीति अपनानी चाहिए।

यह फैसला मध्यावधि चुनाव से ठीक छह दिन पहले आया है। इसमें जीवन यापन की लागत और वहनीयता से सम्बंधित चिंताओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। केंद्रीय बैंक के अधिकारियों ने कल के फैसले से असहमति जताई है। इसके लिए फेड गवर्नर लिसा कुक और फेडरल रिजर्व बैंक आफ क्लीवलैंड की अध्यक्ष बेथ हैमक ने ब्याज दरों में एक चौथाई अंक की वृद्धि के पक्ष में मतदान किया था।

रिपोर्ट के मुताबिक पेट्रोल, किराने का सामान और कपड़े जैसी अन्य वस्तुओं की कीमतें बढ़ने के कारण उपभोक्ताओं का आम तौर पर अर्थव्यवस्था से मोहभंग हो गया है। फिर भी वार्श को मुद्रास्फीति को लक्ष्य स्तर पर लाने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अर्थव्यवस्था के अन्य हिस्से पहले से ही उच्च ब्याज दरों से प्रभावित हो रहे हैं। उपभोक्ता मूल्य एक साल पहले की तुलना में 3 दशमलव 0-7 फीसदी बढ़ने से सितंबर में मुद्रास्फीति में तेजी आई। यह वृद्धि फरवरी में ईरान युद्ध से ठीक पहले की 2 दशमलव 0-4 फीसदी की दर से कहीं ज्यादा थी।

चेयरमैन केविन वार्श के नेतृत्व में फेड ने पिछले महीने तीन साल में पहली बार अपनी बेंचमार्क दर बढ़ाई। इस फैसले में राष्ट्रपति ट्रम्प की ब्याज दरों में कटौती की मांगों को नजरअंदाज किया गया। ट्रम्प ने भी पिछले महीने प्रमुख ब्याज दर बढ़ाने के लिए फेड की आलोचना की है। उन्होंने इसके लिए वार्श के बजाय केंद्रीय बैंक की दर-निर्धारण समिति को जिम्मेदार ठहराया। कई अर्थशास्त्री का तर्क हैं कि मजबूत विकास इस बात का प्रमाण है कि ब्याज दरें विशेष रूप से अधिक नहीं हैं और अर्थव्यवस्था मुद्रास्फीति से निपटने के लिए उच्च दरों का सामना कर सकती है।

जापान का अनोखा द्वीप मियाके-जिमा: जहां गले में गैस मास्क लेकर चलते हैं लोग, सायरन बजते ही थम जाती है जिंदगी

टोक्यो

दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं, जहां प्राकृतिक खूबसूरती के साथ खतरनाक परिस्थितियां भी मौजूद हैं। जापान का मियाके-जिमा द्वीप इसका अनोखा उदाहरण है। प्रशांत महासागर में स्थित द्वीप पर रहने वाले लोग अपने साथ मोबाइल, चाबी और बटुए की तरह गैस मास्क रखते हैं। यहां ज्वालामुखी से निकलने वाली जहरीली गैस के खतरे के कारण लोगों को हर समय सतर्क रहना होता है। सायरन बजते ही लोग मास्क पहनने और सुरक्षित स्थान पर जाने की तैयारी करते हैं।

टोक्यो से करीब 180 किलोमीटर दक्षिण में मौजूद मियाके-जिमा दूर से बेहद खूबसूरत दिखाई देता है। हरी पहाड़ियों और नीले समुद्र से घिरे द्वीप के बीच माउंट ओयामा नाम का सक्रिय ज्वालामुखी है। इससे निकलने वाली सल्फर डाइआक्साइड गैस लोगों के लिए गंभीर खतरा बनी रहती है। इस गैस की अधिक सांद्रता आंखों और श्वसन तंत्र में जलन पैदा कर सकती है तथा सांस लेने में परेशानी बढ़ा सकती है।

वर्ष 2000 में माउंट ओयामा में कई बड़े विस्फोट हुए, जिसके बाद जहरीली गैस का उत्सर्जन काफी बढ़ गया। स्थिति गंभीर होने पर सितंबर 2000 में द्वीप के करीब 3,600 निवासियों को वहां से हटाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। कई वर्षों तक लोगों को अपने घरों से दूर रहना पड़ा। बाद में गैस उत्सर्जन की स्थिति का आकलन करने के बाद निवासियों को चरणबद्ध तरीके से लौटने की अनुमति दी गई। द्वीप पर वापसी के बाद भी खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ। यहां हवा में सल्फर डाइआक्साइड की मात्रा पर नजर रखने के लिए निगरानी व्यवस्था विकसित की गई। गैस का स्तर बढ़ने पर चेतावनी जारी की जाती है, ताकि लोग आवश्यक सुरक्षा उपाय अपना सकें। गैस मास्क और सुरक्षित स्थानों की उपलब्धता यहां की जीवनशैली का अहम हिस्सा बन गई है।

मियाके-जिमा में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक को गैस से बचाव के उपायों की जानकारी दी जाती है। स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर आपात स्थिति से निपटने की तैयारी पर जोर दिया जाता है। घरों और इमारतों में वायु की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए विशेष व्यवस्थाएं भी की जाती हैं। इस द्वीप की अनोखी परिस्थितियां वैज्ञानिकों, भूवैज्ञानिकों और रोमांच पसंद पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। हालांकि, यहां की यात्रा से पहले स्थानीय प्रशासन की सुरक्षा संबंधी सलाह और मौजूदा चेतावनियों की जानकारी लेना जरूरी है। मियाके-जिमा की कहानी बताती है कि प्राकृतिक आपदाओं के बीच जीवन को सुरक्षित बनाए रखने के लिए सतर्कता, वैज्ञानिक निगरानी और अनुशासन कितने महत्वपूर्ण हैं। यहां गले में लटका गैस मास्क केवल एक उपकरण नहीं, बल्कि प्रकृति के खतरे के बीच सामान्य जीवन बनाए रखने की जरूरत का प्रतीक है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। अपने बॉस को घर पर बुलाने के लिए अच्छा दिन नहीं है। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने बच्चे का प्रदर्शन आपको बहुत ख़ुशी देगा। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। अपने दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा न उठाने दें। अपने प्रिय की नाराज़गी के बावजूद अपना प्यार ज़ाहिर करते रहें। सहकर्मी आपको काफ़ी सहयोग देंगे और कार्यक्षेत्र में विश्वास की नींव पर नए रिश्तों की शुरुआत होगी। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। आज आपका जीवनसाथी आपकी सेहत के प्रति असंवेदनशील हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

अपनी बीमारी के बारे में चर्चा करने से बचें। ख़राब तबियत से ध्यान हटाने के लिए कोई और दिलचस्प काम करें। क्योंकि इस बारे में आप जितनी ज़्यादा बातें करेंगे, उतनी ही ज़्यादा तकलीफ़ आपको होगी। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। वैवाहिक जीवन में चीज़ें हाथ से निकलती हुई मालूम होंगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौक़े का फ़ायदा उठाएँ और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर पर जाएँ। दूसरों की कमियाँ ढूंढने का ग़ैर–ज़रूरी काम रिश्तेदारों की आलोचना का रुख़ आपकी ओर मोड़ सकता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरुर जान लें कि कहीं वो शख्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

दोस्त आपका परिचय किसी ख़ास इंसान से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। अपने परिवार को बताकर और अपने कामों से जताकर महसूस कराते रहें कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं। इससे उन्हें ख़ुशी मिलेगी और इस ख़ुशी को दोगुना करने के लिए उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ। आज प्यार की मदहोशी में हक़ीक़त और फ़साना मिलकर एक होते मालूम होंगे। इसे महसूस करें। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दुःख के भागीदार बनें दूसरों को ऐसा काम करने के लिए बाध्य न करें, जो आप स्वयं न करना चाहें। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। जीवनसाथी और बच्चों से अतिरिक्त स्नेह और सहयोग मिलेगा। अपने प्रिय से दूर होने के बावजूद आप उसकी मौजूदगी महसूस करेंगे। साझीदारी की परियोजनाएँ सकारात्मक परिणाम से ज़्यादा परेशानियाँ देंगी। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दोस्तों के साथ शाम अच्छी रहेगी लेकिन ज़्यादा खाने से बचें जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। अपने प्रेम–प्रसंग के बारे में इधर–उधर ज़्यादा बातें न करें। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। आपको और आपके जीवनसाथी को वैवाहिक जीवन में कुछ निजता की ज़रूरत हे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। तनाव का दौर बरक़रार रहेगा, लेकिन पारिवारिक सहयोग मदद देगा। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। उन सहकर्मियों का ख़ास ध्यान रखें, जो उम्मीद के मुताबिक़ चीज़ न मिलने पर जल्दी ही बुरा मान जाते हैं। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। अपने चारों ओर होने वाली गतिविधियों का ध्यान रखें, क्योंकि आपके काम का श्रेय कोई दूसरा ले सकता है। बढ़िया खाने, महक और ख़ुशी के साथ आप अपने जीवनसाथी के साथ बेहतरीन समय बिता सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जिन लोगों ने जमीन खरीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं उन्हें आज कोई अच्छा खरीदार मिल सकता है और जमीन बेचकर उन्हें अच्छा धन लाभ हो सकता है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। आज आपको निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि मुमकिन है कि आप अपने प्रिय के साथ सैर–सपाटे पर न जा पाएँ। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बेकार की बात पर बहस करके अपकी ऊर्जा ज़ाया न करें। बिना बताये आज कोई देनदार आपके अकाउंट में पैसे डाल सकता है जिसके बारे में जानकर आपको अचंभा भी होगा और खुशी भी। बच्चों को पढ़ाई पर ध्यान लगाने और भविष्य के लिए योजना बनाने की ज़रूरत है। आज आपको प्यार का जवाब प्यार और रोमांस से मिलेगा। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते है।

आज का पंचांग

दिनांक : 31 अक्टूबर 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : कार्तिक कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी सायं 04:59 तक
नक्षत्र : आर्द्रा प्रातः 07:12 तक
योग : सिद्ध सायं 05:31 तक
करण : वणिज सायं 04:59 तक
चन्द्रराशि : मिथुन रात्रि 12:01 तक
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 05:45 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:13, सूर्यास्त 05:53 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:06 सूर्यास्त 05:45 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 05:37 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उड़द खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : स्कन्द षष्ठी , भद्रा सायं 04:59 से रात्रि 03:53 तक , सरदार पटेल पुण्यतिथि, इन्दिरा गांधी पुण्यतिथि

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हिन्दी विभाग ने आचार्य रामचन्द्र शुक्ल को दी श्रद्धांजलि

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में जयंती पर विशेष परिचर्चा, साहित्यिक योगदानों को किया याद

जम्मू, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जयंती के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. संजीव जैन की प्रेरणा तथा भाषा विद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. भारत भूषण के सहयोग से विभाग की शोध समन्वय समिति द्वारा आयोजित इस विद्यार्थी एवं शोधार्थी केंद्रित परिचर्चा में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के साहित्यिक अवदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत विभागाध्यक्ष डॉ. शशिकांत मिश्र, कार्यक्रम संयोजक डॉ. रत्नेश कुमार यादव, डॉ. वंदना शर्मा, डॉ. अरविन्द कुमार यादव तथा डॉ. अनिता देवी द्वारा आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई।

अपने संबोधन में विभागाध्यक्ष डॉ. शशिकांत मिश्र ने हिन्दी साहित्य की श्रीवृद्धि में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के विशेष योगदानों को रेखांकित करते हुए कहा कि उनका जीवन एक खुली किताब है, जिससे हमें प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. रत्नेश कुमार यादव ने कहा कि साहित्य मनीषी आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की लेखनी ने जनचेतना को झकझोरने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि तत्कालीन समय से लेकर वर्तमान तक हिन्दी साहित्य जगत में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और प्रेमचंद की सृजनशीलता ने नई चेतना और साहित्यिक क्रांति का मार्ग प्रशस्त किया।

कार्यक्रम में शोधार्थी हर्षित तिवारी ने आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के साहित्य के आदर्शात्मक पक्ष की समीक्षा प्रस्तुत करते हुए कहा कि वह ऐसे कालजयी रचनाकार हैं, जिनकी लेखनी ने हिन्दी साहित्य की अनेक विधाओं को उदात्त स्वरूप प्रदान किया। उन्होंने आचार्य शुक्ल के काव्यशास्त्रीय चिंतन पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

इसी क्रम में शोधार्थी अंशु कुमारी, शिवम और हर्ष भारद्वाज ने आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के प्रसिद्ध निबंध ‘कविता क्या है’ तथा ‘श्रद्धा–भक्ति’ विषय पर विशेष चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में सभी शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने आचार्य रामचन्द्र शुक्ल को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

सीयूएसबी में युवा संसद 2 नवंबर को

‘विकसित भारत युवा संसद 2027’ में युवा रखेंगे अपने विचार

पटना, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) में सोमवार, 2 नवंबर को ‘विकसित भारत युवा संसद 2027’ का भव्य आयोजन किया जाएगा। ‘मेरा युवा भारत, गयाजी’ के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में लोकतांत्रिक सहभागिता, सार्वजनिक नीतियों की समझ और नेतृत्व क्षमता विकसित करना है।

कार्यक्रम के प्रचार–प्रसार के लिए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने अपने कार्यालय में प्रचार पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी पवन कुमार, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिल कुमार तथा छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मिश्रा उपस्थित रहे। कुलपति ने कहा कि यह पहल युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से जोड़ने और विकसित भारत के निर्माण में उनकी रचनात्मक भूमिका को सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने बताया कि इस वर्ष युवा संसद को ‘विकसित भारत युवा नेतृत्व विकास’ रूपरेखा से जोड़ा गया है। इसका उद्देश्य युवाओं में संवैधानिक मूल्यों, सक्रिय नागरिकता, तार्किक चिंतन और सामूहिक समस्या समाधान की क्षमता विकसित करना है।

प्रतिभागी ‘मेरा युवा भारत’ के आधिकारिक पोर्टल पर 31 अक्टूबर तक पंजीकरण कर सकते हैं। जिला स्तरीय प्रतियोगिता का विषय ‘एक राष्ट्र, एक चुनाव’ निर्धारित किया गया है।

प्रतियोगिता देश के 36 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के सभी 786 जिलों में आयोजित होगी। प्रत्येक प्रतिभागी को विचार प्रस्तुत करने के लिए तीन मिनट मिलेंगे। प्रत्येक जिले के तीन सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पहुंचेंगे।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं में होंगी। प्रत्येक राज्य से चयनित तीन प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर पर अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस प्रकार कुल 108 प्रतिभागी राष्ट्रीय चरण में शामिल होंगे। राष्ट्रीय समापन समारोह 9 एवं 10 जनवरी 2027 को नई दिल्ली स्थित भारतीय संसद के ऐतिहासिक केंद्रीय कक्ष में आयोजित किया जाएगा।

निस्वार्थ सेवा से मिलता है आत्मिक आनंद : रवि पटवारी

हैदराबाद। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में शुक्रवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए रवि पटवारी ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा की जा रही निस्वार्थ सेवा गतिविधियों को देखकर उनका मन अत्यंत प्रफुल्लित हुआ। उन्होंने कहा कि समाज के जरूरतमंद लोगों की सेवा करना केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवता के प्रति सच्ची संवेदना और ईश्वर के प्रति समर्पण का भाव है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में जब अधिकांश लोग अपने व्यक्तिगत जीवन में व्यस्त हैं, ऐसे में राधे–राधे ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से समय निकालकर जरूरतमंदों की सेवा कर रहे हैं। यह कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक है।

अन्नसेवा के माध्यम से किसी जरूरतमंद की भूख मिटाना सबसे बड़ा पुण्य है। सेवा का वास्तविक आनंद तभी मिलता है, जब कार्य बिना किसी स्वार्थ, भेदभाव और दिखावे के किया जाए।

उन्होंने ग्रुप के सभी सदस्यों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के सेवा कार्य समाज में सहयोग, संवेदना और मानवीय मूल्यों को मजबूत करते हैं। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे भी अपनी सामर्थ्य के अनुसार सेवा कार्यों में सहभागी बनें।

कार्यक्रम में सुभाष अग्रवाल, कमल मूंदड़ा, भंवरलालजी गुप्ता, रोहित पटवारी, अदिति पटवारी, संजय गुप्ता, कमल अग्रवाल एवं बजरंग लाल शर्मा सहित राधे–राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

बांसवाड़ा में दिव्यांग प्रमाणपत्र शिविर आयोजित

बांसवाड़ा, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिव्यांगों को सदाराम प्रमाणपत्र एवं विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र (यूडीआईडी) जारी करने के लिए शुक्रवार को बांसवाड़ा एरिया अस्पताल में विशेष शिविर आयोजित किया गया। शिविर में अस्थि, शारीरिक एवं लकवाग्रस्त समस्याओं से पीड़ित 35 लोगों ने भाग लिया।

इस दौरान चिकित्सकों ने आ–वेदकों की जांच एवं आवश्यक सत्यापन कर परामर्श दिया तथा प्रमाणपत्र और यूडीआईडी कार्ड जारी करने की प्रक्रिया शुरू की। शिविर में डॉ. प्रवीण कुमार, सैलू, डीआरडीए सदाराम शिविर के अधिकारी शरबानी, राजेशम, पोचय्या, संतोष कुमार सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

बोरलाम में ग्राम देवता उत्सव का शुभारंभ

बांसवाड़ा, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा मंडल के बोरलाम गांव में पीढ़ियों से चली आ रही परंपरा के अनुसार ग्राम देवता उत्सव का श्रद्धा एवं उत्साह के साथ शुभारंभ हुआ। गांव के सरपंच, उपसरपंच, पूर्व सरपंच, पूर्व मंडल प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र (एमपीटीसी) सदस्य, बुजुर्गों, महिलाओं एवं ग्रामीणों ने विधिवत पूजा–अर्चना की। ढोल–नगाड़ों और भजनों के बीच ग्राम देवताओं की विशेष पूजा की गई। इस अवसर पर ग्रामीणों ने अच्छी फसल, किसानों की समृद्धि, सुख–शांति, उत्तम स्वास्थ्य और गांव की निरंतर प्रगति की कामना की। उत्सव में ग्रामीण एकता, आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं की झलक देखने को मिली।

पेद्दापल्ली में रेलवे विकास की मांग तेज

16 रेलवे ओवरब्रिज का काम तत्काल शुरू करने की अपील

पेद्दापल्ली, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली के सांसद गड्डम वमसी कृष्णा ने संसदीय क्षेत्र में वर्षों से लंबित रेलवे परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने की मांग की है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, राज्य मंत्री गड्डम विवेक वेंकटस्वामी एवं अन्य सांसदों के साथ उन्होंने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर रेलवे समस्याओं के समाधान के लिए ज्ञापन सौंपा।

सांसद ने लगभग 1,000 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत 16 रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का निर्माण तत्काल शुरू करने तथा ओडेला, कोलानूर, कोन्नाराम, कन्नाला और कुंदनपल्ली सहित विभिन्न क्षेत्रों में लंबित कार्यों को समयबद्ध पूरा करने की मांग की।

उन्होंने मंचेरियल जिले में रेलवे अंडरब्रिज (आरयूबी), सबवे और फुट ओवरब्रिज (एफओबी) के निर्माण तथा मंचेरियल और पेद्दापल्ली रेलवे स्टेशनों पर अतिरिक्त ट्रेनों के ठहराव की भी मांग रखी। भगत की कोठी सुपरफास्ट, केरल एक्सप्रेस, तिरुपति जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों को मंचेरियल तथा तेलंगाना सुपरफास्ट और नवजीवन सुपरफास्ट को पेद्दापल्ली में ठहराव देने का अनुरोध किया।

वामसी कृष्णा ने मंथनी क्षेत्र को पिछले तीन दशकों से रेलवे कनेक्टिविटी नहीं मिलने पर नाराजगी जताई। उन्होंने 207.8 किलोमीटर लंबी रामागुंडम–मनुगुरु रेलवे लाइन परियोजना, जिसकी अनुमानित लागत 5,818 करोड़ रुपये बताई गई है, का निर्माण तत्काल शुरू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे मंथनी, मुथाराम, कमानपुर और मल्हार मंडलों में परिवहन, औद्योगिक विकास एवं रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने परियोजना में यात्री रेलवे स्टेशनों को भी शामिल करने पर जोर दिया।

सांसद ने कहा कि पेद्दापल्ली संसदीय क्षेत्र के सभी सात विधानसभा क्षेत्रों की रेलवे जरूरतों को समान प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से सभी लंबित परियोजनाओं के लिए निश्चित समय–सीमा घोषित कर निर्माण कार्य तेजी से पूरा करने की अपील की।

पुलिस शिविर में रक्तदान, 1,000 दाताओं की पहचान का लक्ष्य

पेद्दापल्ली, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुलिस शहीद सप्ताह के तहत सुल्तानाबाद सर्कल पुलिस की ओर से शुक्रवार को एसवीआर गार्डन में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। डीसीपी भुक्या राम रेड्डी एवं एसीपी गज्जी कृष्णा ने शिविर का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर डीसीपी ने कहा कि रक्तदान महादान है और एक व्यक्ति का रक्तदान तीन जरूरतमंदों की जान बचाने में सहायक हो सकता है। उन्होंने युवाओं से रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इसे सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाने की अपील की। उन्होंने सुल्तानाबाद सर्कल में लगभग 1,000 रक्तदाताओं की पहचान कर प्रत्येक पुलिस स्टेशन में रक्तदाता दल गठित करने के निर्देश दिए, ताकि आपात स्थिति में जरूरतमंदों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके। शिविर में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ रेडक्रॉस सोसाइटी, लायंस क्लब के सदस्यों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया।

मंचेरियल–दांडेपल्ली घटनाओं की जांच के लिए विशेष टीम गठित

मंचेरियाल, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियल और दांडेपल्ली पुलिस थाना क्षेत्रों में हाल ही में हुई घटनाओं की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच के लिए रामागुंडम पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा के आदेश पर विशेष जांच टीम गठित की गई है। सीसीएस एसीपी के नेतृत्व में गठित टीम घटनास्थलों का निरीक्षण करने, संबंधित व्यक्तियों एवं गवाहों से पूछताछ करने तथा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच करेगी।

पुलिस कमिश्नर ने कहा कि आम जनता की सुरक्षा और कानून–व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सोशल मीडिया पर प्रसारित अपुष्ट एवं भ्रामक खबरों पर विश्वास नहीं करने और केवल पुलिस विभाग की आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने की अपील की।

एसआईआर से मतदाता सूची का शुद्धिकरण जरूरी : कस्तूरी

मंचेरियाल, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाजपा जिला प्रवक्ता कस्तूरी नागराजू ने कहा कि मतदाता सूची को पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए चुनाव आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया जरूरी है। इसका उद्देश्य मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित और दोहरे पंजीकरण वाले मतदाताओं के नाम हटाकर पात्र मतदाताओं की सही सूची तैयार करना है।

उन्होंने बताया कि तेलंगाना में प्रारंभिक मतदाता सूची से 73.39 लाख नाम हटाए जाने में 57.47 लाख स्थानांतरित या अनुपलब्ध, 9.22 लाख मृत तथा 6.70 लाख दोहरे पंजीकरण वाले मतदाता शामिल हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि नाम हटने का अर्थ मतदान के अधिकार की समाप्ति नहीं है। पात्र नागरिकों को आपत्ति दर्ज कराने और आवश्यक दस्तावेजों के साथ नाम दोबारा जुड़वाने का अवसर मिलेगा।

कस्तूरी नागराजू ने विपक्ष पर बिना ठोस प्रमाण के एसआईआर को राजनीतिक मुद्दा बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने नागरिकों से अपने परिवार के सभी सदस्यों के मतदाता विवरण जांचने और किसी भी त्रुटि पर संबंधित चुनाव अधिकारियों से संपर्क करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पात्र मतदाताओं का नाम नहीं कटना चाहिए तथा फर्जी और दोहरे नाम हटाए जाने चाहिए।

क्या आप जानते हैं, घर के मुख्यद्वार के सामने कौन से पेड हो कौनसे नहीं

वास्तु और फेंगशुई के अनुसार घर में छोटे-छोटे और कुछ विशेष पेड पौधों को लगाना अच्छा माना जाता है तुलसी और बेंबु, मनीप्लांट, अपराजिता, जैसे कई पौधे हैं जिन्हे घर में लगाना बहुत शुभ माना जाता है लेकिन कुछ ऐसे पेड़ या पौधे भी होते है जिसे घर के सामने होना अच्छा नहीं माना जाता है। कई घरों के मुख्य द्वार के सामने कैक्टस के छोटे पौधे लगा देते हैं, चाँदनी बेल या मनीप्लांट लगा देते हैं, जिससे मुख्य द्वार में अवरोध पैदा हो जाता है।

इस प्रकार के घर में भी बाधा का कारण बनता है। मुख्य द्वार के सामने या अंदर की ओर कोई नुकीली चीज हो तो वहाँ रहने वालों को कोई न कोई बाधा आती रहेगी। इसी प्रकार यदि घर के सामने बिजली का खंभा या ट्रांसफार्मर लगा हो तो आपके यहाँ अच्छी ऊर्जा आने के बजाय निगेटिव ऊर्जा आएगी, जिसके कारण उस घर में रहने वाले लोगों को मानसिक तनाव होगा। उनका स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा।

पूर्व में पीपल का पेड नहीं होना चाहिए। अकारण भय व धन की हानि होती है। आग्नेय में अनार का पेड अति शुभ परिणाम देने वाला होता है। दक्षिण में गुलर का पेड शुभ रहेगा। नैऋत्य में इमली शुभ रहती है। दक्षिण नैऋत्य में जामुन और कदंब का पेड शुभ रहता है। उत्तर में पाकड का पेड लगाना ठीक रहेगा। ईशान में आँवला का पेड अति फलदायी रहता है। ईशान-पूर्व में आम का पेड शुभ रहता है। इस प्रकार हम पेड लगाकर शुभाशुभ फल प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्य द्वार के सामने कोई रास्ता द्वार की ओर जा रहा हो तब भी बाधा का कारण बनता है। ग्रह स्वामी की अकाल मृत्यु हो सकती है। घर के सामने बडा वृक्ष रहे तो वहाँ रहने वालों की प्रगति में बाधा का कारण बनता है। यदि उस वृक्ष की छाँव घर पर पडती हो तो नुकसानप्रद रहता है। जबकि उसकी छाया कहीं से भी मकान पर नहीं पडती हो तो हानि नहीं होगी। कई जगह बंगलों में या घरों के सामने लंबे अशोक वृक्ष लगा दिए जाते हैं, जिससे घर में आड सी हो जाती है। यहाँ भी घर में रहने वालों की प्रगति के मार्ग में बाधा का कारण बनता है। जहाँ तक हो सके मुख्य द्वार को बाधा से रहित ही रखना चाहिए।

जब किस्मत साथ न दे तो सुख सौभाग्य प्राप्ति को करें यह उपाय

घर में स्थापित देवी- देवताओं को रोज फूलों से श्रृंगारित करना चाहिए। इस बात का ध्यान रखें कि फूल ताजे ही हो। सच्चे मन से देवी-देवताओं को फूल आदि अर्पित करने से वे प्रसन्न होते हैं व साधक का भाग्य चमका देते हैं।

घर को साफ-स्वच्छ रखें- प्रतिदिन सुबह झाड़ू-पोछा करें। शाम के समय घर में झाड़ू-पोछा न करें। ऐसा करने से मां लक्ष्मी रूठ जाती हैं और साधक को आर्थिक हानि का सामना करना पड सकता है।

कोशिशों के बाद भी आप किसी काम में बार-बार असफल हो रहे हैं या मेहनत के अनुसार सफलता नहीं मिल पा रही है। ऐसे में किस्मत या भाग्य का साथ न होने की बात कही जाती है। ज्यादा धन या पैसा कमाने के लिए किस्मत का साथ होना बहुत जरुरी है अन्यथा इस मनोकामना की पूर्ति होना असंभव सा ही है। ज्योतिष में कई ऐसे उपाय बताए गए हैं जिन्हें अपनाने से दुर्भाग्य पीछा छोड देता है और भाग्य साथ देने लगता है। जब किस्मत साथ न दे तो करें यह उपाय इस छोटे से उपाय द्वारा बदकिस्मत लोगों की भी किस्मत साथ देने लगेगी ।

यदि आपको भी पूरी मेहनत के बाद उचित सफलता प्राप्त नहीं हो रही है तो प्रतिदिन सूखे आटे में थोडी सी हल्दी मिलाकर गाय को खिलाएं। ऐसा नियमित रूप से प्रतिदिन करें। गाय को सभी शास्त्रों के अनुसार पूजनीय एवं पवित्र माना गया है। गाय में ही सभी देवी-देवताओं का वास है और इसकी पूजा करने से भक्त को भाग्य का साथ मिलता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार गौमाता को संतुष्ट करनेपरवे सेवक को सेवाके प्रतिफल में आशीर्वादस्वरूपसभी मनोकामनाओं को पूर्ण करती हैं। गाय को सूखे आटे में हल्दी मिलाकर खिलाने से वे अतिप्रसन्न होती हैं। हमेशा अच्छे कर्म करो, अपने धर्म का पालन करो किस्मत के बारे मे तो मे हर मनुष्य थोडी बहुत जानकारी रखता है, कहते हैं जब हम कडे परिश्रम करने के बाद सफलता प्राप्त करते है तो वह हमारे कर्म है लेकिन जब हम बिना मेहनत के बावजूद सफलता प्राप्त करते हैं उसे किस्मत कहते है। ब्रहम बेला में उठ कर इश्वर का नाम, ध्यान, योग और पूजा करने से अकस्मात् लाभ होता है। सूर्योदय से पूर्व ब्रहमा बेला में उठे, और अपने दोनों हांथो की हंथेली को रगरे और हंथेली को देख कर अपने मुंह पर फेरे, क्योंकि :- शास्त्रों में कहा गया है की कराग्रे वसते लक्ष्मी, करमध्ये सरस्वती। करमूले स्थिता गौरी, मंगलं करदर्शनम् ॥ हमारे हाथ के अग्र भाग में लक्ष्मी, तथा हाथ के मूल मे सरस्वती का वास है अर्थात भगवान ने हमारे हाथों में इतनी ताकत दे रखी है, जिसके बल पर हम धन अर्थात लक्ष्मी अर्जित करतें हैं। जिसके बल पर हम विद्या सरस्वती प्राप्त करतें हैं।इतना ही नहीं सरस्वती तथा लक्ष्मी जो हम अर्जित करते हैं, उनका समन्वय स्थापित करने के लिए प्रभू स्वयं हाथ के मध्य में बैठे हैं। ऐसे में क्यों न सुबह अपनें हाथ के दर्शन कर प्रभू की दी हुई ताकत का लाभ उठायें।। भोजन के लिए बनाई जा रही रोटी में से पहली रोटी गाय को दें। धर्म ग्रंथों के अनुसार गाय में सभी देवताओं का निवास माना गया है। अगर प्रतिदिन गाय को रोटी दी जाए तो सभी देवता प्रसन्न होते हैं और सभी मनोकामना पूरी करते हैं। प्रतिदिन चीटियों को शक्कर मिला हुआ आटा खिलाएं। ऐसा करने से आपके पाप कर्मों का क्षय होगा और पुण्य कर्म उदय होंगे। यही पुण्य कर्म आपकी मनोकामना पूर्ति में सहायक होंगे।

नवग्रहों की अद्भुत शक्तियां

नवग्रहों में अद्भुत शक्तियां है जिसके कारण इसे देवताओं के समान आदर दिया गया है। यह दवा की भांति व्यक्तियों को पीडा से उबारने में सक्षम होता है। इनमें कमजोर ग्रहों को बलवान बनाने की क्षमता होती है जिससे असंभव को भी संभव करने में भी राशि रत्न कारगर होते हैं।

पुखराज की ज्योतिषीय विशेषता

बृहस्पति ग्रह का रत्न पुखराज पीली आभा लिये होता है। यह गहरा पीला, हल्का पीला एवं सफेद भी होता है। छूने में ठोस, चिकना, चमकीला, दाग धब्बा रहित पुखराज उत्तम होता है। दूध में रात भर रखने से असली पुखराज क्षीण नहीं होता है और न ही इसका रंग फीका होता है। पुखराज धारण करने से पहले अच्छी तरह जांच परख लेना चाहिए कि रत्न दोष रहित हो।

पुखराज धारण करने से लाभ

जिस व्यक्ति की कुण्डली में बृहस्पति नीच का होता है अथवा कमजोर होता है उनके लिए पुखराज धारण करना लाभप्रद होता है। पुखराज अध्यात्म, सत्यता, लनशीलता और सजगता का प्रतीक होता है। प्रेमियो के लिए यह भाग्यशाली रत्न माना जाता है। मानसिक शांति एवं आत्मिक शांति के लिए भी यह रत्न लाभकारी होता है। इस रत्न को धारण करने से वाणी सम्बन्धी दोष एवं गले की पीडा से राहत मिलती है। प्राचीन यूनान में इसे अपोलो देवता द्वारा प्रदान किया गया माना जाता था जिसका उपयोग कई प्रकार के रोगों के ईलाज के लिए किया जाता था। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार जिस कन्या की शादी में बार बार बाधा आ रही हो वह अगर पुखराज धारण करती हैं तो विवाह में बाधक तत्व का अंत होता है और जल्दी शादी होती है।

हीरा की ज्योतिषीय विशेषता हीरा संसार का सबसे कठोर रत्न है। इसे किसी भी अन्य रत्न से खरोंचा नहीं जा सकता। हीरा जितना कठोर व चमकीला होता है उतना ही अच्छा माना जाता है। यह मुख्यत: सफेद, पीला , लाल, गुलाबी और काला होता है। मान्यताओं के अनुसार संतान की इच्छा रखने वाली महिलाओं को हीरा धारण नहीं करना चाहिए। ज्योतिषशास्त्र इस मान्यता को नही स्वीकार करता है। ज्योतिषशास्त्र के नियमानुसार जो स्त्री त्रिकोण हीरा धारण करती हैं उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है।

हीरा धारण करने से लाभ

हीरा शुक्र का रत्न है। तुला और वृषभ राशि वाले अगर इस रत्न को धारण करते हैं तो उनका शुक्र मजबूत होता है फलत: शुक्र से सम्बन्धित सभी क्षेत्रो में उन्हें लाभ मिलता है। जिनकी कुण्डली में शुक्र कमजोर अथवा मंदा है उन्हें भी हीरा धारण करने से लाभ मिलता है। हीरा की विशेषता है कि इसे धारण करने वाला व्यक्ति साहसी, बुद्धिमान और उत्साही होता है। हीरा कई प्रकार के मानसिक रोगों में लाभकारी होता है। यह जहर काटने में भी सक्षम होता है। हीरा धारण करने वाले पर जादू टोने का प्रभाव नहीं होता है। रंग के अनुसार हीरा का अलग अलग प्रभाव होता है जैसे लाल और पीला हीरा राजनीति और प्रशासन से सम्बन्धित व्यक्तियो के लिए लाभप्रद होता है। सामाजिक, धार्मिक और आध्यात्मिक क्षेत्र से जुडे हुए लोगों के लिए सफेद हीरा उत्तम होता है।

मनोवांछित फल की प्राप्ति के लिए कीजिए यह व्रत

मां ललिता

महाविद्याओं में से एक हैं। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन मां ललिता का व्रत किया जाता है। इस व्रत को उपांग ललिता व्रत कहा जाता है। यह व्रत करने पर मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। इस वर्ष उपांग ललिता व्रत 17 अक्टूबर यानी शनिवार के दिन है।

मां ललिता की उत्पतिः

उपांग ललिता मां शक्ति का स्वरूप हैं। मां ललिता की उत्पत्ति तब हुई जब ब्रहमा जी द्वारा छोडे गये चक्र से पाताल समाप्त होने लगा तब इस स्थिति से विचलित होकर ऋषि-मुनि भी परेशान हो गए और संपूर्ण पृथ्वी धीरे-धीरे जलमग्न होने लगी है।तब सभी ऋषि माता ललिता देवी की उपासना की। उनकी प्रार्थना से प्रसन्न होकर देवी जी प्रकट होती हैं तथा इस विनाशकारी चक्र को थाम लेती हैं। सृष्टि पुन: नवजीवन को पाती है।

मां ललिता का स्वरूपः

कालिकापुराण के अनुसार देवी की दो भुजाएं हैं, यह गौर वर्ण की, रक्तिम कमल पर विराजित हैं। ललिता देवी की पूजा से समृद्धि की प्राप्त होती है। दक्षिणमार्गी शाक्तों के मतानुसार देवी ललिता को चण्डी का स्थान प्राप्त है। इनकी पूजा पद्धति देवीचण्डी के समान ही की जाती है।

व्रत का महत्वः

उपांग ललिता व्रत करने से मां उपांग ललिता का आशीर्वाद मिलता है। पौराणिक मान्यतानुसारइसदिन देवीललिता ने एक दानव लियाथा ।इसदिन भक्तगण षोडषोपचार विधि से मां ललिता का पूजन करते है। इस दिन मां ललिता के साथ साथ स्कंदमाता और शिव शंकर की भी शास्त्रानुसार पूजा की जाती है। ऐसे करें पूजन: शक्तिस्वरूपा देवी ललिता को समर्पित उपांग ललिता पंचमी आश्विन मास के शुक्ल पक्ष को पंचम नवरात्र के दिन मनाई जाती है। इस शुभ दिन भक्तगण व्रत एवं उपवास का पालन करते हैं, यह दिन उपांग ललिता व्रत के नाम से जाना जाता है।

क्यों लेना पडा भगवान विष्णु को वामन रूप में जन्म

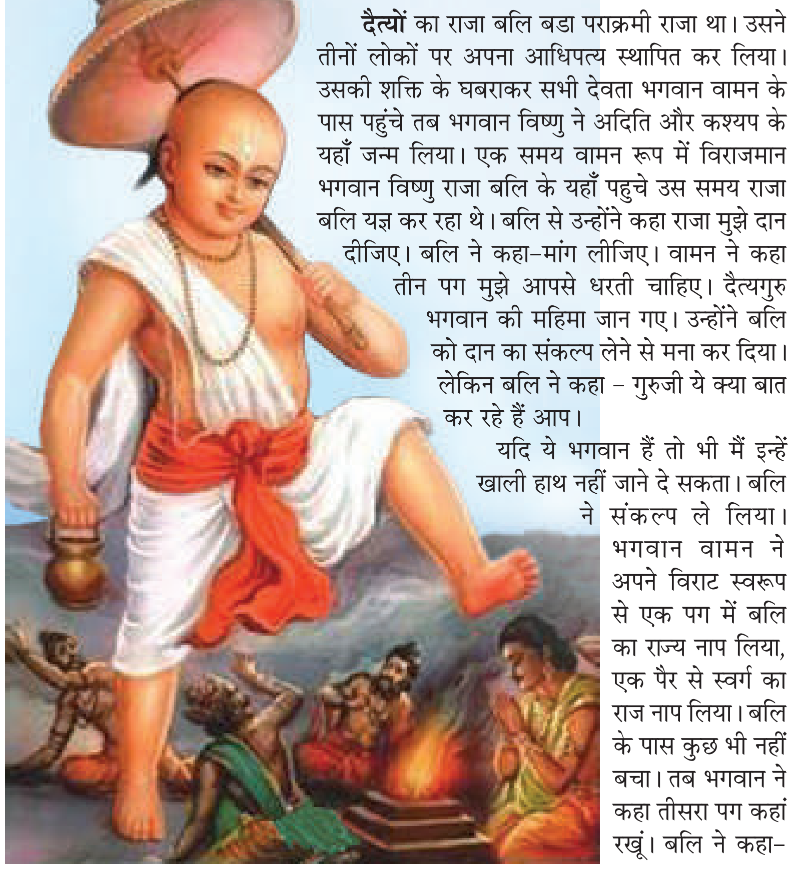

दैत्यों का राजा बलि बडा पराक्रमी राजा था। उसने तीनों लोकों पर अपना आधिपत्य स्थापित कर लिया। उसकी शक्ति के घबराकर सभी देवता भगवान वामन के पास पहुंचे तब भगवान विष्णु ने अदिति और कश्यप के यहाँ जन्म लिया। एक समय वामन रूप में विराजमान भगवान विष्णु राजा बलि के यहाँ पहुचे उस समय राजा बलि यज्ञ कर रहा थे। बलि से उन्होंने कहा राजा मुझे दान दीजिए। बलि ने कहा-मांग लीजिए। वामन ने कहा तीन पग मुझे आपसे धरती चाहिए। दैत्यगुरु भगवान की महिमा जान गए। उन्होंने बलि को दान का संकल्प लेने से मना कर दिया। लेकिन बलि ने कहा - गुरुजी ये क्या बात कर रहे हैं आप।

यदि ये भगवान हैं तो भी मैं इन्हें खाली हाथ नहीं जाने दे सकता। बलि ने संकल्प ले लिया। भगवान वामन ने अपने विराट स्वरूप से एक पग में बलि का राज्य नाप लिया, एक पैर से स्वर्ग का राज नाप लिया। बलि के पास कुछ भी नहीं बचा। तब भगवान ने कहा तीसरा पग कहां रखूं। बलि ने कहा--मेरे मस्तक पर रख दीजिए। जैसे ही भगवान ने उसके ऊपर पग धरा राजा बलि पाताल में चले गए। भगवान ने बलि को पाताल का राजा बना दिया। सतयुग में दैत्यराज प्रहाद के पोत्र बलि ने स्वर्ग में अधिकार कर लिया था। सभी देवता इस विपत्ति से मुक्ति पाने के लिए भगवान विष्णु के पास गए।

तब भगवान विष्णु ने देवताओ से कहा की में स्वयं देवमाता अदिति के गर्भ से जन्म लेकर तुम्हे स्वर्ग का राज्य दिलाऊंगा। कुछ समय पश्चात भाद्रपद शुक्ल द्वादशी को भगवान विष्णु ने वामन अवतार के रूप में जन्म लिया। इधर दैत्यराज बलि ने अपने गुरु शुक्रचार्य और मुनियो के साथ दीर्घकाल तक चलने वाले यज्ञ का आयोजन किया।

बलि के इस महायज्ञ में ब्रहमचारी वामन जी भी गए। वे अपनी मुस्कान से सब लोगो के मन मोह लेते थे। दैत्य गुरु शुक्राचार्य ने अपने तपो बल से वामन के रूप में अवतरित भगवान विष्णु को पहचान लिया। उन्होंने बलि को बताया की तुम्हारी राजलक्ष्मी का अपरहण करने भगवान विष्णु वामनरूपी अवतार में आये है। गुरुदेव की बातो को सुन कर राजा बलि ने कहा हे गुरुदेव आप क्यों धर्म विरोधी वचन कह रहे है, भगवान विष्णु स्वयं मुझ से दान मांगने आये है इस से बढकर और क्या हो सकता है। मैं तो केवल भगवान विष्णु की प्रसन्नता के लिए यह यज्ञ कर रहा हुँ। यदि भगवान विष्णु स्वयं पधारे है तो में कृतार्थ हो गया। तभी वामनजी बलि के यज्ञशाला में पधारे, उन्हें देख राजा बलि अपने दोनों हाथ जोड के उनके सामने खडे हो गए और कहा, हे प्रभु मुझे अपनी सेवा का अवसर दीजिये ।तब वामन भगवान ने उनसे तीन पग भूमि मांगी और कहा भूमिदान का महात्म्य महान है।

राजा बलि के गुरु शुक्राचार्य भगवान विष्णु की लीला समझ गए और उन्होंने राजा बलि को दान देने से मना किया। लेकिन फिर भी बलि ने भूमि दान के संकल्प के लिए कलश उठाया परन्तु गुरु शुक्राचार्य उस कलश में घुस गए। भगवान विष्णु यह जान गए की गुरु शुक्राचार्य कलश में घुसकर जल की धारा को रोक रहे है .अत: उन्होंने कुश के अग्र भाग को कलश के मुख में घुसेड दिया जिसने गुरु शुक्राचार्य की एक आँख को नष्ट कर दिया। पीडा से व्याकुल होकर गुरु शुक्राचार्य उस कलश से बाहर निकले।

तब बलिं ने तीन पग दान का संकल्प लिया। भगवान विष्णु ने विशाल रूप धारण कर पहले एक पग पूरी धरती को नाप लिया तथा अपने दूसरे पग में उन्होंने पुरे स्वर्गलोक को नापा। जब तीसरे पग के रखने के लिए कोई जगह नही बची तो बलि के सामने संकट उत्पन्न हो गया। वामन भगवान ने उन्हें भय दिखाया की यदि तुमने अपना संकल्प पूरा नही किया तो ये अधर्म होगा। तब तीसरे पग के लिए अपने आप को समर्पित करते हुए राजा बलि ने अपना सर उनके पग के निचे रख लिया। वामन भगवान के तीसरा पग रखते ही बलि पाताललोक पहुंच गया। बलि की दानवीरता को देख वामनरूप भगवान विष्णु ने उन्हें पाताल का राजा बना दिया और इस तरह भगवान विष्णु ने इंद्र को स्वर्गलोक सोपा।

कुछ ऐसी चीजें जिन्हें घर में रखने से कभी नहीं होती पैसों की कमी

अगर आप धन संबंधी परेशानियों को लेकर चिंतित रहते हैं तो इसका कारण आपके घर में मौजूद वास्तुदोष हो सकता है। इस दोष से मुक्ति और धन-सुख के लिए वास्तुशास्त्र में कुछ चीजें ऐसी बताई गई हैं जिन्हें घर में रखने से धन संबंधी सभी परेशानियां अपने आप खत्म हो जाती हैं और घर में हमेशा धन-धान्य बना रहता है।

धातु के बने कछुए और मछली को घर में रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर से जुडी सभी समस्याएं खत्म होने लगती हैं। घर के जिस हिस्से में परिवार के सदस्य सबसे ज्यादा समय विताते हैं, वहां पर चांदी, पीतल या तांबे का पिरामिड रखें। यह घर के सदस्यों की आय में वृद्धि करता है। घर की उत्तर दिशा में पानी से भरी सुराही रखनी चाहिए। इससे घर में धन की कमी नहीं होती। सुराही न हो तो मिट्टी का घडा रखा जा सकता है। ये कभी भी खाली न रहे, पानी खत्म हो जाने पर इसे फिर से भर दें। घर की द्क्षिण-पश्चिम दिशा में भगवान हनुमान की पंचस्वरूप वाली मूर्ति या तस्वीर लगाएं। नियमित रूप से उनकी पूजा करें। घर के मेन गेट पर देवी लक्ष्मी, भगवान कुबेर या स्वास्तिक का चिन्ह या फोटो लगाने से घर में कभी पैसों की कमी नहीं होती। घर में वास्तु भगवान की मूर्ति या तस्वीर रखने से घर के सभी वास्तु दोष खत्म हो जाते हैं और घर में कभी पैसों की कमी नहीं आती।

नए वॉल डेकोर ट्रेंड्स...

यदि आप घर को रिनोवेट करवाने की सोच रहे हैं, तो कुछ नया ट्राय कर सकते हैं। इन दिनों होम डेकोर के न्यू ट्रेंड्स देखने को मिल रहे हैं, जो न सिर्फ इंटीरियर को खास बनाते हैं, बल्कि घर को न्यू लुक भी देते हैं। खासकर वॉल डेकोरेशन में काफी नए ट्रेंड्स देखे जा रहे हैं। इन्हें पहले से ज्यादा आर्टिस्टिक बनाया जा रहा है। साथ ही इको फ्रैंडली इंटीरियर से भी जोड़ा जा रहा है।

स्टोन आर्ट वर्क

दीवारों पर स्टोन का आर्ट वर्क भी काफी पसंद किया जा रहा है। इन्हें टीवी वॉल या फिर सेंटर वॉल पर ट्राई किया जा सकता है। दूसरी ओर, मार्केट में डिफरेंट तरह के स्टोन देखे जा रहे हैं, जो दीवारों के लिए काफी पसंद किए जाते हैं, इनमें कलर फुल स्टोन काफी डिफरेंट एंड ट्रेंडी लुक देते हैं।

वर्टिकल गार्डन

वर्टिकल गार्डन का कॉन्सेप्ट काफी पसंद किया जा रहा है। बाहर के साथ-साथ इस तरह के गार्डन को घर के अंदर भी लगाया जा सकता है। ड्रॉइंग रूम के अलावा वॉशरूम में भी वर्टिकल गार्डन काफी अच्छे लगते हैं। वॉशरूम की वॉल पर यह गार्डन फ्रेशनेस का अहसास देंगे। वॉशरूम में मॉस वॉल भी लगवाई जा सकती है।

डिफरेंट म्यूरल्स

दीवारों पर म्यूरल्स लगवाना काफी कॉमन है। इसमें भी अब डिफरेंट वैराइटीज नजर आ रही हैं, जिनमें डिजिटल और 3डी भी शामिल हैं। डिजाइनर्स की मानें तो वॉल से लेकर फ्लोर तक अट्रैक्टिव पेपर एंड म्यूरल्स देखे जा रहे हैं। वॉल पर कॉज्मिक और सी लाइफ काफी पसंद की जा रही है, इसके तहत दीवार पर नैचुरल कलर्स उभरते हैं।

खतरनाक है घर का सामान...

हर इंसान का इस दुनिया में एक छोटा सा आशियाना बनाने का एक सपना होता है जिसे पूरा करने के लिए वो दिन रात कड़ी मेहनत करता है। अपनी सुख सुविधाओं की तमाम चीजों को वो इस घर में जुटाता है लेकिन तब क्या हो जब जरूरतों का सामान ही उसकी सेहत के लिए भारी पड़ जाए? हाल ही में हुए रिसर्च से यह बात सामने आई है कि घरों में इस्तेमाल किए जाने वाले घरेलु उपकरण जैसे फर्नीचर, इलेक्ट्रानिक उत्पाद जैसे टीवी और कम्प्यूटर, घरों में लगे परदे, एयर फ्रेशनर और यहां तक कि साबुन भी कई तरह की बीमारियों को न्यौता दे सकते हैं। जार्ज वांशिगटन यूनिवर्सिटी के मिल्केन इंस्टीट्यूट स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के शोधकर्ताओं ने रिसर्च में बताया कि फर्नीचर,टीवी, कम्प्यूटर, परदे, एयर फ्रेशनर और साबुन में भारी मात्रा में केमिकल जैसे पैथलेट्स, फिनॉल, फ्लोरीन युक्त रसायन मिले होते हैं। ये रसायन धूल के कणों में मिलकर हवा के रास्ते हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं जिससे हमारे शरीर पर बहुत बुरा असर पड़ता है। बच्चों और गर्भवती महिलाओं पर इसका सबसे बुरा असर पड़ता है। कई बार मां और बच्चे के शरीर में इन सामानों की वजह से कई सारे कैमिकल चले जाते हैं जिसका शरीर पर बहुत बुरा असर पड़ता है। टीसीईपी नामक कैमिकल जो कि गद्दों में पाया जाता है के कारण बच्चों के स्वास्थ्य पर बहुत ही बुरा असर पड़ता है। यह कैमिकल बच्चों के खेलते वक्त उनके हाथों से मुंह तक पहुंच जाता है जिससे बच्चों की सेहत बहुत खराब प्रभाव पड़ता है। विश्व के कई इलाकों में इस कैमिकल का इस्तेमाल प्रतिबंधित है। ड्यूक यूनिवर्सिटी के एन्वायरमेंट वर्किंग ग्रुप टीम ने एक नई रिसर्च प्रकाशित की है जिसमें कैमिकल्स के वर्तमान इस्तेमाल पर प्रकाश डाला गया है। स्टडी में पाया गया कि बच्चों के हाथ में अपशिष्ट कणों के रह जाने के कारण उन्हें कई बीमारियां होने का खतरा रहता है। कुछ भी खाने से पहले बच्चों के हाथ जरूर धुलवाएं। संभव हो तो बच्चों के हाथ ऐसे साबुन से धुलवाएं जो खुशबू से रहित हैं क्योंकि उनमें कैमिकल नहीं होते। कैमिलक वाले साबुन से हाथ धोना भी बीमारी को दावत देना है।

हमें टर्मरिक पिल्स की जरूरत नहीं...

आज कल पूरे विश्व में लोग हल्दी से मिलने वाले फायदों को पाने के लिए टर्मरिक पिल्स का सेवन कर रहे हैं। हल्दी से मिलने वाले फायदों से हम सभी भलीभांति परिचित हैं लेकिन आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि आज कल बाजार में हल्दी की गोलियां भी मिलती हैं। ये दवाइयां आज कल पूरे विश्व में बहुत ज्यादा प्रचलित हैं और इसे टर्मरिक सप्लीमेंट के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। भारतीय बाजार में भी हल्दी की ये गोलियां उपलब्ध हैं और आप इसे ऑनलाइन भी मंगा सकते हैं। इसे कर्कुमिन सप्लीमेंट के रूप में जाना जाता है। हालांकि भारतीय लोगों को आयरन या कैल्शियम सप्लीमेंट की तरह इस हल्दी सप्लीमेंट को लेने की जरूरत नहीं है क्योंकि अधिकतर भारतीय व्यंजनों में हल्दी पाउडर या कच्ची हल्दी का इस्तेमाल किया जाता है जिससे आपको जरूरी हल्दी की मात्रा आसानी से मिल जाती है। हल्दी में कर्कुमिन नामक यौगिक पाया जाता है जिसकी एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी क्षमताओं के कारण ही हल्दी इतनी ज्यादा फायदेमंद होती है। अगर आप यह जानना चाहते हैं कि एक दिन में हल्दी की कितनी मात्रा उपयोग में लानी चाहिए तो यह बताना थोड़ा मुश्किल है। चूंकि हल्दी की तासीर गर्म होती है इसलिए यह अलग अलग लोगों पर निर्भर करता है की उसके उसे कितनी हल्दी खानी चाहिए। आमतौर पर डिशेज में एक या दो चम्मच हल्दी मिलाना उपयुक्त माना जाता है और इतने से ही आपको इससे मिलने वाले सारे फायदे मिल जाते हैं। पूरे उत्तर भारत में खाने में हल्दी का उपयोग किया जाता है खासतौर पर पंजाब और राजस्थान की अधिकतर कई मशहूर डिशेज में इसका भरपूर उपयोग होता है।

भारतीय पकवानों और स्वाद की समृद्ध विरासत असीम है। यह सीमाओं को लांघ कर सुदूर, वैश्विक स्तर पर लोकप्रियता बटोर रही है। भारतीय व्यंजनों में हर वो बात है, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के व्यंजनों के मामले में सबसे आगे रख रही है। पूरी दुनिया के व्यंजनों के शौकीन लोगों को भारतीय जायका काफी भा रहा है और यही वजह है कि भारतीय व्यंजन चीनी व्यंजनों की तुलना में लगातार लोकप्रिय हो रहे हैं। सीएनएन ट्रेवल के एक सर्वेक्षण के अनुसार, भारतीय व्यंजन विश्व के 50 शीर्ष व्यंजनों में शुमार किए जाते हैं। वास्तव में यह एक बहुत ही सुखद समाचार है।

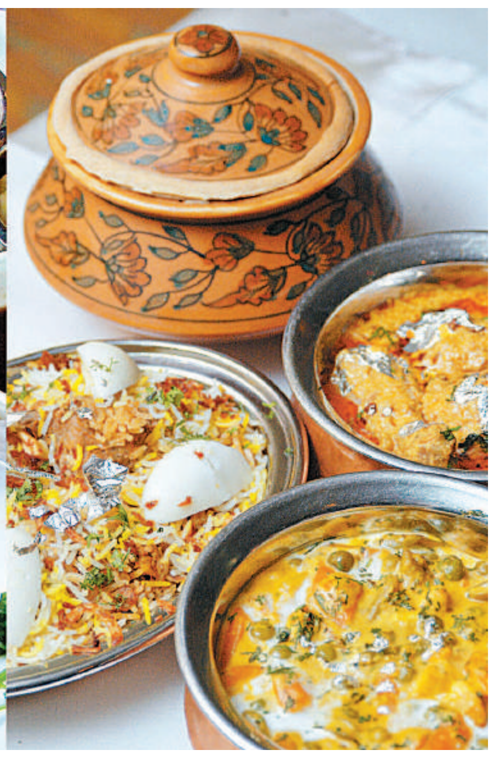

चीनी नहीं अब इंडियन फूड...

भले ही चीनी व्यंजन दुनिया भर में लगातार लोकप्रिय हो रहे हैं, लेकिन भारतीय खाने से इसे टक्कर मिल रही है। भारतीय व्यंजन भी लोगों की थालियों में विश्वभर में जगह बना रहे है। विश्व के नक्शे पर अपनी छाप छोड़ रहे हैं। विश्व भर में चीनी भोजन स्थानीय खाने के बाद दूसरे स्थान पर है लेकिन भारतीय व्यंजन काफी लोकप्रिय हो चुके हैं और यह चीन को पीछे छोड़ रहे हैं। पूरी दुनिया में ही खाना बनाने के शौकीन लोग बहुत प्यार और धैर्य से खाना पकाते हैं। खाना बनाने की तकनीक ज्यादातर देशों में लगभग एक जैसी है। उत्तर भारत और दक्षिण भारत के व्यंजनों की बात करें तो हर जगह का खाना वहां के लोगों के व्यक्तित्व को दर्शाता है। उत्तर भारत के लोग जहां खाने में मक्खन, स्थानीय मसाले, मीट और चिकन का प्रयोग ज्यादा करते हैं, वहीं दक्षिण में नारियल, करी पत्ता, कई तरह के मिर्च और मसाले का प्रयोग ज्यादा होता है।

सैलानियों की पसंद

विदेशी सैलानियों के पसंदीदा व्यंजनों में भारतीय व्यंजन शामिल हैं। ऑस्ट्रेलियावासी, अंग्रेज, डच और न्यू जीलैंड के पर्यटक भारतीय व्यंजनों का छक कर लुत्फ उठाते हैं। फ्रांसीसी लोग चीन, जापान, स्पेन और यहां तक की यूनान के व्यंजनों के मुकाबले भारतीय व्यंजन को ज्यादा तरजीह दे रहे हैं। यही बात आस्ट्रेलिया के लोगों के संबंध में भी देखी जा रही है। ऑस्ट्रेलियावासियों ने भारतीय व्यंजनों को दुनिया के सबसे स्वादिष्ट व्यंजनों में रखा है।

निफ्टम की पहल

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फूड टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट निफ्टम ने देशभर से ऐसे 15 उत्पाद चिन्हित किए हैं, जो पीजा और बर्गर की तरह विश्व के बाजार में भारतीय व्यंजन के रूप में उतारे जाएंगे। इनमें हरियाणा का घेवर और बिहार का लिट्टी चौखा भी शामिल है। विदेशों में भारत के पारंपरिक भोजन की बढ़ती मांग के चलते निकट भविष्य में भारत विश्व के सबसे बड़े खाद्य बाजार के रूप में स्थापित होने जा रहा है। इसी को देखते हुए हरियाणा के घेवर और बिहार के लिट्टी चौखा जैसे उत्पादों को विश्व स्तर के लिए तैयार किया जा रहा है।

ये व्यंजन होंगे शामिल

निफ्टम जिन भारतीय पारंपरिक खाद्यों को विश्व स्तर पर लांच करने की तैयारी में है, उनमें कश्मीर का गुस्तावा, पंजाब की चिकन करी, गुजरात का खाकरा, दक्षिण भारत का बैंबू स्टीम फिश, साउथ का वड़ा, बिहार का खाजा, उत्तर भारत का अनारसा, कवाब, बिहार का लिट्टी चौखा, गुजरात का खांडवी, महाराष्ट्र की पूरन पोली, हरियाणा का घेवर, सत्तु और चावल का मुरमुरा है। निफ्टम ने देश के 18 राज्यों में 39 गांव गोद लिए हैं।

रूस में भारतीय व्यंजन

रूस के मास्को में करीब 10 ऐसे रेस्टोरेंट हैं जहां उत्तर भारतीय से लेकर दक्षिण भारतीय व्यंजन तक परोसे जाते हैं। भारतीय रेस्टोरेंट में परोसे जाने वाले तंदूरी चिकन से लेकर मटन बर्रा, पनीर मलाई कोफ्ता से लेकर सरसो दा साग तक के जायके स्थानीय लोगों के साथ-साथ वहां जाने वाले दूसरे देशों के लोगों को खूब लुभा रहे हैं और इन रेस्टोरेंट के संचालक आश्वस्त हैं कि आने वाले दिनों में भारत के मसालेदार व्यंजनों की मांग और बढ़ेगी। मास्को में जय हिंद, दरबार, खजुराहो, देवी कैफे, जगन्नाथ जैसे कुछ लोकप्रिय भारतीय रेस्टोरेंट हैं। भारतीय व्यंजन मास्को ही नहीं बल्कि रूस के अन्य शहरों में भी लोकप्रिय हैं। मसालेदार भारतीय खाना रूस में सभी आयु वर्ग के लोगों में पसंद किया जा रहा है। वहां के देवी कैफे रेस्टोरेंट के एक अधिकारी के मुताबिक वे लोग भारतीय और चीनी खाना परोसते हैं लेकिन लोगों द्वारा भारतीय खाना सबसे अधिक पसंद किया जाता है। रूसी लोग भारतीय व्यंजनों को पसंद करते हैं। वहां भारतीय रेस्टोरेंट में आने वाले 60-70 प्रतिशत लोग रूसी होते हैं। केवल 25-30 प्रतिशत विदेशी और भारतीय आते हैं।

अमेरिका में भारतीय भोजन

एक दशक पहले, यूएस के भारतीय रेस्तरां तैलीय, क्रीमी, गरिष्ट व्यंजन जैसे पालक पनीर, मलाई कोफ्ता, बटर नान, पनीर बटर मसाला और तंदूर में बनी अन्य चीजों से इतर ज्यादा कुछ प्रस्तुत नहीं करते थे। यह वास्तव में घर का बना मौलिक भोजन नहीं हैं। अब, भारतीय शेफ अपनी किस्म के पारखी होने का सम्मान हासिल कर रहे हैं, वे ज्यादा सजातीय भारतीय खाने को लोकप्रिय बना रहे हैं, जो घर पर बने भोजन के ज्यादा निकट है, और साथ-साथ वे इनके जायकों के विभिन्न संस्करणों का प्रयोग भी कर रहे हैं। खाने का कोई भी शौकीन सुवीर सरन और फ्लॉयड कार्डोज जैसे शेफों के नामों से परिचित होगा। पद्मा लक्ष्मी जैसी महिलाएं इसमें ग्लैमर का तड़का लगा रही हैं, विकास खन्ना, जिन्होंने यूएस राष्ट्रपति बराक ओबामा के लिए खाना बनाया की प्रशंसा की जाती है। इनके अलावा कई फूड नेटवर्क शो में हिस्सा लेने वाले और अकसर जज बनने वाले मनीत चौहान, अंतर्राष्ट्रीय खाद्य श्रंखला ऑ बोन पेन के मेन्यू में सुधार करने वाली टीम के प्रमुख थॉमस जॉन और सचिन चोपड़ा, जिन्हें एसक्वायर मैगजीन ने संभावनापूर्ण घोषित किया, सराहे जाते हैं। ये कुछ भारतीय शेफ हैं, जिन्होंने अमेरिकी पाक परिदृश्य में नए चलन स्थापित किए।

50 शीर्ष व्यंजनों में शुमार

भारतीय पकवानों और स्वाद की समृद्ध विरासत असीम है। यह सीमाओं को लांघ कर सुदूर, वैश्विक स्तर पर लोकप्रियता बटोर रही है। कुछ भारतीय पकवान बेहद लोकप्रिय हैं और ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा और अन्य मध्य-पूर्वी देशों में भी उपलब्ध हैं। द समाचार है। सीएनएन ट्रेवल के एक सर्वेक्षण के अनुसार, भारतीय व्यंजन विश्व के 50 शीर्ष व्यंजनों में शुमार किए जाते हैं। वास्तव में यह एक बहुत ही सुखद समाचार है। अंतर्राष्ट्रीय शेफ लोकप्रिय भारतीय व्यंजनों को एक नए अंदाज में पेश करने की कोशिश करते हैं जिससे बहुत सारे अंतर्राष्ट्रीय पकवान प्रभावित हुए हैं। भारतीय व्यंजनों को इस शीर्ष स्तर पर ले जाने का श्रेय उसकी सरलता, स्वादिष्टता एवं मितव्ययता को जाता है।

इन व्यंजनों ने बनाई अलग पहचान

मसाला-डोसा

मसाला-डोसा भारत के सर्वश्रेष्ठ व्यंजनों में से एक है और उन पकवानों में शुमार है जिन्हें एक वैश्विक नागरिक को अपने जीवन में कम से कम एक बार अवश्य चखना चाहिए।

आलू चाट

सड़क एवं गलियों से निकलकर भारत का प्रसिद्ध मजेदार स्नैक आलू चाट विदेशों में भी प्रसिद्धि हासिल कर रहा है। यह क्षुधावर्धक विभिन्न महाद्वीपों में व्यापक रूप से उपलब्ध है।

लिट्टी चोखा

जी हां, आपने बिल्कुल सही पढ़ा। यह बिहारी स्वादिष्ट पकवान अब वैश्विक व्यंजन-सूचि में सम्मिलित हो चुका है। यह व्यंजन कम मात्रा में कैलोरी के साथ रेशे से भरपूर होने के कारण प्रसिद्ध है।

उपमा

उपमा, वैश्विक स्तर पर एक बहुत ही बढ़िया और प्रसिद्ध पकवान है। सिंगापुर में आयोजित वर्ल्ड स्ट्रीट फूड कांग्रेस से इसने अपनी पहचान बनाई। यह पकवान, विशेषतः उन लोगों के लिए है जो लजीज एवं स्वास्थ्यवर्धक खाने के शौकीन हैं।

आम की लस्सी

आम की लस्सी का स्वाद तो हम सब जानते ही हैं पर अब विभिन्न देशों के लोग भी इस तरोताजा अहसास प्रदान करने वाले पेय का लुत्फ लेना पसंद करते हैं। अफवाह तो यहां तक है कि एंड्राइड के अगले संस्करण का नाम भी 'मैंगो लस्सी' ही होगा ।

एम्स के इंडियन काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्च विभाग ने योग पर एक रिसर्च किया है जिसके मुताबिक योग कैंसर जैसी लाइलाज बीमारी रोकने में भी मददगार है। कैंसर को लाइलाज बीमारी के तौर पर जाना जाता है और ऐसे में एम्स की रिपोर्ट का आना आशा की एक किरण की तरह है।

योग से कैंसर की रोकथाम...

एम्स के इंडियन काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्च विभाग की रिसर्च के मुताबिक लगातार योग करने से शरीर में ऐसे केमिकल बनते हैं जिससे कैंसर बनाने वाली कोशिकाओं पर दबाव पड़ता है। इसके लिए इंडियन काउंसिल ने 150 कैंसर मरीजों पर रिसर्च की और उन्हें लगातार तीन महीने तक प्रणायाम, सुदर्शन क्रिया और ध्यान करवाया गया। तीन महीने बाद ब्लड टेस्ट कराए गए और उसके जो नतीजे समाने आए वो चौंकाने वाले थे। कैंसर मरीजों के शरीर में कार्टिसो लेवल कम पाया गया और डब्ल्यूएचओ स्तर के मुताबिक उन सभी की क्वालिटी आफ लाइफ में सुधार पाया गया।

तीसरी और चौथी स्टेज

अमूनन कैंसर की तीसरी और चौथी स्टेज में मरीज को असहनीय दर्द होता है। ऐसे में मरीजों को मार्फिन की दवा दी जाती है ताकि उन्हें दर्द से निजात मिल सके। एम्स के कैंसर विभाग में प्रोफेसर सुषमा ऐसे ही मरीजों का इलाज करती हैं। उनका कहना है कि जब हमने रिसर्च की तो पाया कि योग करने वाले मरीजों में दर्द सहने की क्षमता काफी बढ़ गई थी। एम्स के निदेशक डॉ. एम. सी मिश्रा इस रिसर्च से बेहद उत्साहित हैं और कहते हैं मैं रोज योगा करता हूं इसलिए 62 साल की उम्र में भी पूरी तरह फिट हूं। निश्चित तौर पर योग से कैंसर की रोकथाम में मदद मिल सकती है।

योग प्रणाली में कैंसर

योग प्रणाली में कैंसर कोशिकाओं को समाज में क्रिमनल के तौर पर देखा जाता है। कोशिकाओं के यह समूह खतरनाक साबित होते हैं क्योंकि यह बड़ी दिक्कत पैदा कर सकते हैं। इसी तरह कैंसर कोशिकाएं हमारे सारे शरीर में मौजूद रहती हैं, लेकिन उनमें से कुछ हमारे जीवन या शरीर को उस तरह प्रभावित नहीं करती। जब तक वे अकेली हों तो कोई समस्या नहीं। हालांकि यही कोशिकाएं जब बढ़ने लगती हैं, तो उनका हमारी सेहत पर बुरा असर दिखाई देने लगता है। योग में आमतौर पर हम इसे इस तरह देखते हैं जैसे इंसान के व्यवहार, खान-पान, जीवनशैली या किन्हीं दूसरी वजहों से जब ऊर्जा में कुछ खास किस्म का खालीपन पैदा हो जाता है तो शरीर में कैंसर कोशिकाओं के बढ़ने का खतरा बनता है। अगर शरीर के किसी खास हिस्से में ऊर्जा का प्रवाह ठीक नहीं हो तो कैंसर कोशिकाएं उस जगह को छुपने और फलने-फूलने के लिए चुन लेती हैं। कैंसर कोई बीमारी नहीं, बल्कि इसमें कुछ कोशिकाएं आपके खिलाफ हो जाती हैं और इससे आपका शरीर ही आपके खिलाफ काम करने लग जाता है।

सबसे आसान तरीका

शरीर में कैंसर संक्रमित कोशिकाओं की रोकथाम का हमारे पास सबसे आसान तरीका समय से उपवास रखना है। इन कोशिकाओं को सामान्य कोशिकाओं से ज्यादा पोषक तत्वों की जरूरत होती है और कुछ खास दिन खुद को भोजन से दूर रख कर आप शरीर में कैंसर संक्रमित उन कोशिकाओं की संख्याओं को कम कर सकते हैं। आप रोजाना नीम और हल्दी के पेस्ट से बनी गोलियां भी ले सकते हैं। यह कैंसर पीड़ित व्यक्ति के लिए भले एक उपचार न हो, लेकिन यह शरीर में कैंसर कोशिकाओं की संख्या को काबू में रखते हैं, जिससे वे शरीर के खिलाफ एकजुट नहीं हो पाती हैं। जब शरीर में इनका स्तर बढ़ता है, तो यह कोशिकाओं में ऊर्जा के प्रवाह को रोकते हैं और शरीर के वे हिस्से जहां ऊर्जा का प्रवाह नहीं हो पाता उनमें कैंसर कोशिकाओं के बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है।

आध्यात्मिक तरीके

योग में कुछ खास किस्म के आध्यात्मिक तरीके भी हैं, जो शरीर प्रणाली को सुधारने और संतुलन बनाने में मदद कर सकते हैं। कई ऐसे मरीजों को देखा गया है कि जो इन उपायों की बदौलत पूरी तरह ठीक हो गए हैं। कई मरीज ऐसे भी हैं जो योग के जरिए कीमोथेरेपी के बाद बड़ी ही तेजी से उससे उबर गए। उन मरीजों का इलाज कर रहे डॉक्टर भी उन्हें देख कर दंग रह गए। यहां यह पक्के तौर पर तो नहीं कहा जा सकता कि योग की वजह से उनका कैंसर ठीक हो गया, लेकिन चिकित्सीय उपचार के साथ योग करने से कैंसर के मरीजों को फायदा जरूर मिला है।

वजन बढ़ाने के लिए करें इस प्रकार का भोजन

- वजन बढ़ाने के लिए सबसे पहले तो आपका फिट रहना जरूरी है। आप वजन बढाना चाहते हैं इसका ये अर्थ नहीं कि आप शारीरिक रूप से बिल्कुल भी सक्रिय नहीं होंगे।
- वजन बढ़ाने के लिए नियमित व्यायाम बहुत जरूरी है, इसके लिए आप फिटनेस सेंटर ज्वॉइन कर सकते हैं।
- वजन बढ़ाने के लिए सबसे बढ़िया उपाय है आप हाई कैलोरी का खाना खाएं। लेकिन इसका ये अर्थ नहीं कि आप जंकफूड भारी मात्रा में खाने लगे।
- जंक फूड और फास्ट फूड की तुलना में स्वस्थ और अधिक कैलोरीयुक्त खाद्य-पदार्थों को प्राथमिकता दीजिए।
- अगर आप वजन हेल्दी रूप से बढ़ाना चाहते हैं तो आपको सुबह का नाश्ता हेवी करना होगा। सुबह का नाश्ता करने आप दिनभर ऊर्जावान बने रहते हैं।
- वजन बढ़ाने के लिए प्रोटीन शेक भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इससे हड्डियां भी मजबूत होती है।
- चिकन, चावल, फिश, अंडा इत्यादि भी वजन बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं। इन सभी खाद्य पदार्थों में भारी मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है।
- दूध या दूध से बनी चीजों में भी प्रोटीन पाया जाता है या फिर आप सोया मिल्क या पाउडर के सेवन से भी अपना वजन बढ़ा सकते हैं।
- अंकुरित अनाज में प्रोटीन अच्छी मात्रा में मौजूद होती है। आप अंकुरित चने, मोंठ इत्यादि के सेवन से अपना वजन बढ़ा सकते हैं।
- पनीर, मक्खन, घी, तेल, तैलीय भोजन सभी को खाने से मोटापा बढ़ाने में मदद मिलती हैं।
- वजन बढ़ाने के लिए फुलक्रीम दूध में रात को चने भिगोकर सुबह खाने चाहिए। इस तरह के खाद्य पदार्थों में प्रोटीन अच्छी मात्रा में मौजूद होता है।
- फलियां, मेवा, बींस इत्यादि में भरपूर प्रोटीन मौजूद होता हैं। इनके सेवन से आप आसानी से अपना वजन बढ़ा सकते हैं।
- बहुत अधिक तैलीय पदार्थों के सेवन और तरल पदार्थों की कमी से भी वजन बढ़ता है।
- अधिक वसा इत्यादि का सेवन या फिर अधिक मात्रा में कैलोरी लेना लेकिन उस अनुसार व्यायाम ना करने से भी मोटापा बढ़ता है।

इसके अलावा आप हरी सब्जियां, फल, सूप इत्यादि के सेवन से भी आसानी से अपना वजन बढ़ा सकते हैं। इन टिप्स से आप प्रोटीन की कमी को दूर कर अपना वजन बढ़ा सकते हैं।

संपादकीय

सीमित चुनावों के बड़े संकेत

विधान परिषद के चुनावों में कांग्रेस 'बड़े शून्य' के धब्बे से बच गई। बुधवार देर रात उसने नागपुर स्नातक सीट जीत कर सभी को चौंका दिया। नागपुर की जीत 'प्रतीकात्मक' है, क्योंकि यहां आरएसएस का मुख्यालय है और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी यहां से सांसद हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस भी नागपुर की एक सीट से विधायक हैं। क्या नागपुर में स्नातक युवाओं पर संघ परिवार का मानसिक और नैतिक प्रभाव कम हुआ है? उप्र में प्रधानमंत्री मोदी के चुनाव क्षेत्र वाराणसी में शिक्षक और स्नातक सीटें समाजवादी पार्टी ने जीती हैं। इस सीट पर प्रधानमंत्री की सांसद के तौर पर जीत का अंतर भी काफी कम हुआ था, लिहाजा यह भाजपा की नई चिंता होनी चाहिए कि शिक्षक और स्नातक जैसा शिक्षित वर्ग क्या भाजपा से विमुख हो रहा है? छिटक रहा है? लखनऊ केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का चुनाव क्षेत्र है और गोरखपुर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गृह-गढ़ है। लखनऊ में भाजपा की पराजय हुई है और गोरखपुर में 'दूसरी वरीयता' के स्तर पर मात्र 307 मतों से जीत पाई है। इलाहाबाद (अब प्रयागराज) भी भाजपा का गढ़ है। वहां से भी सपा ने जीत हासिल की है। उप्र में मार्च, 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। बेशक विधान परिषद के चुनाव 'सीमित' होते हैं, फिर भी हजारों मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। यह भी जनादेश से कमतर नहीं माना जा सकता। कमोबेश इनके नतीजों से स्पष्ट संकेत मिलते हैं, लिहाजा दल सबक भी ले सकते हैं। उप्र में आम विधानसभा चुनाव से पहले ही समीकरण बदलने लग रहे हैं। यदि सपा-कांग्रेस ने वाकई गठबंधन में चुनाव लड़ा, तो नतीजे 'अप्रत्याशित' भी हो सकते हैं! अलबत्ता विधान परिषद की कुल 28 में से 16 सीटें भाजपा ने जीती हैं, लिहाजा संतोष किया जा सकता है। यह जीत भाजपा-एनडीए की साझा जीत है। उप्र में कुल 11 सीटों में से भाजपा के हिस्से 6 और सपा के हिस्से 5 सीटें आई हैं। भाजपा पिछले चुनाव की तरह ही है, लेकिन सपा ने 2 सीटों की बढ़त बनाई है, लिहाजा संकेत स्पष्ट हैं कि भाजपा के सामने चुनावी चुनौतियां हैं। जनादेश इतना आसान, सहज, सरल नहीं होगा। सबसे चौंकाऊ नतीजा यह रहा है कि कर्नाटक में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है। सभी चारों सीटों पर भाजपा-जद (एस) का कब्जा हो गया है। कर्नाटक में कांग्रेस सत्तारूढ़ है। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार 'चुनावी सियासत' के चाणक्य माने जाते रहे हैं। बेंगलुरु में पुट्टन्ना परिषद की शिक्षक वर्ग सीट से 5 बार निर्वाचित हो चुके हैं और परिषद के उपाध्यक्ष भी रहे हैं, लेकिन इस बार वह सीट जद-एस ने छीन ली है। शेष तीनों सीटों पर भाजपा विजयी रही है। यह 2028 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर 'बदलाव का संकेत' है। महाराष्ट्र में भाजपा-महायुति दावा कर रहे थे कि वे पांचों सीटों पर 'क्लीन स्वीप' करेंगे, लेकिन 'बुजुर्ग चाणक्य' शरद पवार और कांग्रेस ने तीन सीट जीत कर तमाम समीकरण बदल दिए और सत्ता के दावे ध्वस्त कर दिए। भाजपा-शिवसेना (शिंदे) के हिस्से 1-1 सीट ही आई। बिहार में एनडीए ने अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन वे प्रशांत किशोर की 'जनसुराज पार्टी' की एक सीट पर जीत को रोक नहीं पाए। बहरहाल सबसे संवेदनशील राज्य उप्र रहा, जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सनातन, श्रीराम, माफिया, बुलडोजर आदि के जरिए आक्रामक प्रचार करने में जुटे हैं। विपक्ष में सपा-कांग्रेस की सीटें अभी तय नहीं हो पाई हैं। तीसरे पक्ष के तौर पर ओवैसी मुसलमानों को लामबंद करके अपनी पार्टी का खाता खोलने में जुटे हैं। उप्र विधानसभा में कुल 403 सीटें हैं। यह चुनाव भी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता की ही सरपरस्ती में हुआ है। जो परिणाम सामने हैं और जिस तरह विपक्ष ने जीत हासिल की है, उससे 'वोट चोरी' का जुमला अब छोड़ देना चाहिए। यदि मनमर्जी की मतदाता सूची बनाई जा सकती है, तो कर्नाटक सरकार भी कर सकती थी और कुछ सीटें जीत सकती थी, लेकिन ऐसा संभव नहीं होता। 'वोट चोरी' का मुद्दा उछालने के बाद विपक्ष और खासकर कांग्रेस सभी चुनाव हारी है, लेकिन अप्रत्याशित जीत भी दर्ज की गई हैं।

नागपुर की जीत 'प्रतीकात्मक' है, क्योंकि यहां आरएसएस का मुख्यालय है और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी यहां से सांसद हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस भी नागपुर की एक सीट से विधायक हैं। क्या नागपुर में स्नातक युवाओं पर संघ परिवार का मानसिक और नैतिक प्रभाव कम हुआ है? उप्र में प्रधानमंत्री मोदी के चुनाव क्षेत्र वाराणसी में शिक्षक और स्नातक सीटें समाजवादी पार्टी ने जीती हैं। इस सीट पर प्रधानमंत्री की सांसद के तौर पर जीत का अंतर भी काफी कम हुआ था, लिहाजा यह भाजपा की नई चिंता होनी चाहिए कि शिक्षक और स्नातक जैसा शिक्षित वर्ग क्या भाजपा से विमुख हो रहा है? छिटक रहा है? लखनऊ केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का चुनाव क्षेत्र है और गोरखपुर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गृह-गढ़ है। लखनऊ में भाजपा की पराजय हुई है और गोरखपुर में 'दूसरी वरीयता' के स्तर पर मात्र 307 मतों से जीत पाई है। इलाहाबाद (अब प्रयागराज) भी भाजपा का गढ़ है। वहां से भी सपा ने जीत हासिल की है। उप्र में मार्च, 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। बेशक विधान परिषद के चुनाव 'सीमित' होते हैं, फिर भी हजारों मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। यह भी जनादेश से कमतर नहीं माना जा सकता। कमोबेश इनके नतीजों से स्पष्ट संकेत मिलते हैं, लिहाजा दल सबक भी ले सकते हैं। उप्र में आम विधानसभा चुनाव से पहले ही समीकरण बदलते लग रहे हैं। यदि सपा-कांग्रेस ने वाकई गठबंधन में चुनाव लड़ा, तो नतीजे 'अप्रत्याशित' भी हो सकते हैं! अलबत्ता विधान परिषद की कुल 28 में से 16 सीटें भाजपा ने जीती हैं, लिहाजा संतोष किया जा सकता है। यह जीत भाजपा-एनडीए की साझा जीत है। उप्र में कुल 11 सीटों में से भाजपा के हिस्से 6 और सपा के हिस्से 5 सीटें आई हैं। भाजपा पिछले चुनाव की तरह ही है, लेकिन सपा ने 2 सीटों की बढ़त बनाई है, लिहाजा संकेत स्पष्ट हैं कि भाजपा के सामने चुनावी चुनौतियां हैं।

व्यापक बदलाव लाने और डिजिटल गतिविधियों को आम नागरिक तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

जियो की छलांग और विकसित भारत की नई आर्थिक गाथा

किसी राष्ट्र की प्रगति केवल ऊँची इमारतों, चमचमाती सड़कों और बढ़ते सकल घरेलू उत्पाद के आँकड़ों से नहीं आंकी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि उसकी उद्यमशीलता कितने लोगों के जीवन को बदलती है, तकनीक कितनी दूर तक पहुँचती है और आर्थिक शक्ति किस सीमा तक जनसामान्य की आकांक्षाओं को पंख देती है। भारत की विकास यात्रा में रिलायंस समूह और जियो की कहानी इसी व्यापक परिवर्तन की ओर ध्यान आकर्षित करती है। भारत के औद्योगिक इतिहास में टाटा समूह ने विश्वास, संस्थागत मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और दीर्घकालीन दृष्टि की मजबूत विरासत निर्मित की है। दूसरी ओर, रिलायंस समूह ने बड़े पैमाने पर निवेश, बाजार की नब्ज पहचानने, तकनीक को जनसुलभ बनाने और नए क्षेत्रों में निर्णायक प्रवेश करने की क्षमता से अपनी अलग पहचान बनाई है। दोनों समूह भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। ऐसे में रिलायंस का टाटा समूह से आगे निकलना किसी एक की पराजय और दूसरे की विजय भर नहीं है, इसे भारतीय उद्योग जगत में प्रतिस्पर्धा के नए अध्याय के रूप में देखना अधिक उचित होगा। जियो की यात्रा एक उल्लेखनीय उदाहरण है। भारतीय दूरसंचार क्षेत्र में प्रवेश के बाद उसने इंटरनेट सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने, डेटा की कीमतों में व्यापक बदलाव लाने और डिजिटल गतिविधियों को आम नागरिक तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जियो की असली उपलब्धि केवल बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना नहीं, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था में भागीदारी का दायरा विस्तृत करना है। रिलायंस की सफलता को मुकेश अंबानी के नेतृत्व में विकसित दीर्घकालीन कारोबारी दृष्टि, बड़े निवेश और बदलते समय के अनुरूप व्यवसाय का विस्तार करने की रणनीति के संदर्भ में समझना चाहिए। धीरूभाई अंबानी ने जिस उद्यमशीलता को व्यापक जनभागीदारी और पूँजी बाजार से जोड़ने की नींव रखी, उसे आगे बढ़ाते हुए समूह ने पेट्रोकेमिकल, ऊर्जा, खुदरा व्यापार और दूरसंचार जैसे विविध क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति मजबूत की। जियो ने इस विरासत को डिजिटल युग की आवश्यकताओं से जोड़ा। इस यात्रा का संदेश स्पष्ट है-समय के साथ जो नहीं बदलता, समय उसे पीछे छोड़ देता है, जो समय की आहट पहचान लेता है, वही भविष्य की दिशा तय करने लगता है। 28 अक्टूबर 2026 को जियो प्लेटफॉर्म्स की शेयर बाजार में ऐतिहासिक सूचीबद्धता ने इस यात्रा को नया आयाम दिया। लगभग 30,213 करोड़ रुपये के सार्वजनिक निर्गम के बाद कंपनी का बाजार पूँजीकरण 12.5 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुँच गया और कारोबार के पहले दिन यह देश की दूसरी सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनी बन गई। रिलायंस समूह की सूचीबद्ध कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्य भी टाटा समूह से आगे निकल गया। ये आँकड़े भारतीय पूँजी बाजार के बदलते स्वरूप और डिजिटल अर्थव्यवस्था में निवेशकों के विश्वास को दर्शाते हैं। लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि बाजार पूँजीकरण कंपनियों के मूल्यांकन का पैमाना है, आम नागरिक की समृद्धि का नहीं। शेयर बाजार में ऊँचाई तभी सार्थक है, जब उसका लाभ अर्थव्यवस्था की जड़ों तक पहुँचे। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रदत्त अनंत अंबानी का भावपूर्ण वक्तव्य चर्चाओं में हैं, उन्होंने इस व्यावसायिक उपलब्धि को पारिवारिक संस्कारों और आध्यात्मिक संवेदना से जोड़कर अर्थ के साथ अध्यात्म के महत्व को उजागर किया है। उन्होंने कारोबार की तुलना पूजा से और शेयरों को प्रसाद की तरह देश के साथ साझा करने की भावना से की। उनके शब्दों में कृतज्ञता, पारिवारिक विरासत और लाखों ग्राहकों के योगदान की स्वीकृति थी। मुकेश अंबानी का भावुक होना भी इस बात का प्रतीक था कि किसी बड़ी उपलब्धि के पीछे वर्षों का परिश्रम, संघर्ष, विश्वास और पीढ़ियों के सपने जुड़े होते हैं। यहाँ एक विचार विशेष रूप से उल्लेखनीय है- व्यापार केवल लाभ कमाने की व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास अर्जित करने का माध्यम भी है। जब कोई कंपनी अपनी सफलता में कर्मचारियों, तकनीशियनों, साझेदारों और उपभोक्ताओं के योगदान को स्वीकार करती है, तब उद्यम का मानवीय पक्ष सामने आता है। फलदार वृक्ष जितना ऊँचा होता है, उसकी शाखाओं में उतनी ही विनम्रता होनी चाहिए। यही विनम्रता किसी कारोबारी साम्राज्य को स्थायी प्रतिष्ठा प्रदान करती है। अनंत अंबानी की पशुसेवा और वन्यजीव संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता भी इसी व्यापक सामाजिक उत्तरदायित्व के संदर्भ में देखी जा सकती है। उद्योग की वास्तविक प्रतिष्ठा तब बढ़ती है, जब आर्थिक प्रगति के साथ जीवों के प्रति करुणा और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता भी आगे बढ़े। दूरसंचार क्षेत्र की अग्रणी कम्पनी हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कम्युनिकेशंस लिमिटेड (एचएफसीएल) के संस्थापक एवं उद्योगपति महेंद्र नाहटा ने जियो के ऐतिहासिक लॉन्चिंग समारोह में सहभागिता करते हुए इसे भारतीय आर्थिक शक्ति, तकनीकी प्रगति और आध्यात्मिक संवेदना का अनूठा संगम बताया। उनके अनुसार, जियो की यह उड़ान केवल एक कंपनी की व्यावसायिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल सामर्थ्य, उद्यमशीलता और वैश्विक नेतृत्व की आकांक्षा का प्रतीक है। उनके अनुसार अनंत अंबानी के आशीर्वाद, संस्कार और जनभागीदारी से जुड़े भावपूर्ण उद्बोधन ने इस आयोजन को मानवीय संवेदनाओं की विशिष्ट ऊँचाई प्रदान की। निस्संदेह, जियो की यह उड़ान नए भारत के आत्मविश्वास, नवाचार और विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा देने वाला ऐतिहासिक अध्याय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया, डिजिटल भुगतान, आधारभूत डिजिटल सुविधाओं और उद्यमशीलता को प्रोत्साहन देने वाली पहलों ने देश के तकनीकी परिवर्तन के लिए अनुकूल वातावरण बनाया है। इस विकास में सरकार की नीतियों, निजी क्षेत्र के निवेश, वैज्ञानिक प्रतिभा और करोड़ों नागरिकों की भागीदारी का साझा योगदान है। जियो ने इस वातावरण का उपयोग करते हुए डिजिटल संपर्क का विस्तार किया। भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य भी इसी व्यापक विकास यात्रा का हिस्सा है। परंतु आर्थिक आकार के साथ प्रति व्यक्ति आय, गुणवत्तापूर्ण रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा में सुधार भी उतना ही आवश्यक है। आगे की चुनौती और भी बड़ी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बादल आधारित संगणना, अंतरिक्ष से संपर्क और नई डिजिटल सेवाओं में निवेश भारत के लिए व्यापक अवसर पैदा कर सकता है। मगर तकनीक का लाभ तभी समावेशी होगा, जब ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत संपर्क, डिजिटल साक्षरता, साइबर सुरक्षा और व्यक्तिगत आँकड़ों की गोपनीयता सुनिश्चित की जाएगी। दूरसंचार कंपनियों को सेवा की गुणवत्ता, उचित कीमत और उपभोक्ता हितों के बीच संतुलन बनाना होगा। टाटा, एयरटेल और दूसरे भारतीय उद्यमों की प्रतिस्पर्धा भी इस क्षेत्र को अधिक सक्षम बना सकती है। एक हाथ से ताली नहीं बजती- विकसित भारत के निर्माण में सरकार, उद्योग, निवेशक, श्रमिक और उपभोक्ता सभी की भूमिका है।

भारत की विकास यात्रा में रिलायंस समूह और जियो की कहानी इसी व्यापक परिवर्तन की ओर ध्यान आकर्षित करती है। भारत के औद्योगिक इतिहास में टाटा समूह ने विश्वास, संस्थागत मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और दीर्घकालीन दृष्टि की मजबूत विरासत निर्मित की है। दूसरी ओर, रिलायंस समूह ने बड़े पैमाने पर निवेश, बाजार की नब्ज पहचानने, तकनीक को जनसुलभ बनाने और नए क्षेत्रों में निर्णायक प्रवेश करने की क्षमता से अपनी अलग पहचान बनाई है। दोनों समूह भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। ऐसे में रिलायंस का टाटा समूह से आगे निकलना किसी एक की पराजय और दूसरे की विजय भर नहीं है, इसे भारतीय उद्योग जगत में प्रतिस्पर्धा के नए अध्याय के रूप में देखना अधिक उचित होगा। जियो की यात्रा एक उल्लेखनीय उदाहरण है।

देश दुनिया से

अमेरिकी मतदाताओं की नाराजगी झेलते ट्रंप

अमेरिकी मध्यावधि चुनाव का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। मतदान 3 नवंबर को है। ट्रंप मध्यावधि चुनाव हार भी जाते हैं, फिर भी उनकी कुर्सी आसानी से नहीं जाएगी। ट्रंप ने खुद आशंका जताई है कि यदि डेमोक्रेट्स कांग्रेस पर नियंत्रण हासिल कर लेते हैं, तो वे उन पर महाभियोग चलाने की कोशिश कर सकते हैं। यदि डेमोक्रेटिक पार्टी प्रतिनिधि सभा या सीनेट में बहुमत पा लेती है, तो ट्रंप के लिए बजट या नीतियां पास कराना बेहद मुश्किल हो जाएगा। हालांकि, उनके पास वीटो की शक्ति होगी, जिसका इस्तेमाल वे किसी भी बिल को रोकने के लिए कर सकते हैं। बहुमत खोने की स्थिति में विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ट्रंप प्रशासन की नीतियों की संसदीय जांच शुरू कर सकती है, जिससे उनकी राजनीतिक मुश्किलें बढ़ सकती हैं। आज भी ऑर्थोडॉक्स यहूदी समुदाय के लगभग 70 प्रतिशत से अधिक मतदाता डोनाल्ड ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी का खुलकर समर्थन करते हैं। इनका मिजाज बदलता नहीं दिख रहा। लेकिन जो बदल रहे हैं, वे हैं ब्लैक, हिस्पैनिक, यहूदी, मुस्लिम, व्हाइट वर्किंग-क्लास और इवेंजेलिकल मतदाता। 2024 में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चुनने में इनका बड़ा योगदान था। 'स्विचर वोटर्स' का अब ट्रंप प्रशासन से मोहभंग हुआ है। ट्रंप अमूमन 'अमेरिका फर्स्ट' और 'नेशनल इंटरेस्ट' जैसे शब्द इस्तेमाल करते रहे। लेकिन जब परिवार के बजट पर दबाव पड़ता है, तो ये टोटके बकवास लगने लगते हैं। ट्रंप यदि मध्यावधि चुनाव जीत गए, तब तो मानकर चलिए, तेहरान की खैर नहीं होगी। अगले दो वर्षों में ट्रंप ईरान में गाजा जैसे युद्ध वाले इलाके सृजित कर लेंगे। सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी का संसद के दोनों सदनों (प्रतिनिधि सभा और सीनेट) पर नियंत्रण बना रहेगा, जिससे ट्रंप अपने एजेंडे, टैक्स सुधारों और नीतियों को आसानी से आगे बढ़ा सकेंगे। ट्रंप पर महाभियोग चलाने की संभावना काफी कम हो जाएगी। जीत गए तो वादे के अनुसार, 27 करोड़ 15 लाख अमेरिकी वयस्कों को 5,000 डॉलर का चेक देना पड़ेगा। इससे सरकारी खजाने पर अतिरिक्त बोझ पड़ना तय है। हालिया सर्वेक्षणों पर यकीन करें तो लगभग 87 प्रतिशत डेमोक्रेटिक मतदाता ट्रंप के कामकाज और उनकी आर्थिक नीतियों से असंतुष्ट हैं। करीब 72 प्रतिशत अश्वेत मतदाता ट्रंप के कुल कामकाज को नापसंद करते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर स्वतंत्र मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा ट्रंप से निराश है। लगभग 68 प्रतिशत स्वतंत्र मतदाता ट्रंप के कामकाज से और 71 प्रतिशत उनकी आर्थिक नीतियों से असंतुष्ट हैं। जेन-ज़ी श्रेणी के युवा वर्ग और विभिन्न जातीय अल्पसंख्यकों में ट्रंप के प्रति कड़ी नाराजगी देखी गई है। अमेरिका का मध्यवर्ग पेट्रोलियम पदार्थों, गैस, भोजन और जीवन-यापन की बढ़ती लागत को लेकर ट्रंप को कोसना शुरू कर चुका है। एशियाई अमेरिकी और पैसिफिक आइलैंडर (एएपीआई) मतदाता अमेरिकी मतदाताओं के सबसे विविध समूहों में से एक हैं। 'आपी' मतदाताओं का वर्ग सबसे तेजी से बढ़ रहा है। एएपीआई (आपी) समुदाय में लगभग 1.7 करोड़ योग्य मतदाता हैं, जिनमें से 56 प्रतिशत ने 2024 में अपना वोट डाला था। द एसोसिएटेड प्रेस-नॉर्क सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स रिसर्च (एपी-नॉर्क-एएपीआई) के एक नए पोल के अनुसार, 3 नवंबर के मध्यावधि चुनावों के करीब आते-आते एशियाई अमेरिकी, मूल हवाईयन और प्रशांत द्वीपवासी रिपब्लिकन पार्टी से और अधिक निराश हो गए हैं। एपी-नॉर्क-एएपीआई द्वारा 8 से 15 सितंबर 2026 के बीच किए गए सर्वेक्षण से पता चलता है कि ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान अर्थव्यवस्था को लेकर उनकी छवि खराब हुई है। इन वयस्कों में से लगभग एक-चौथाई लोग ही राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप के कामकाज को पसंद करते हैं। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर उनके प्रदर्शन को केवल 10 में से 2 लोग ही सही मानते हैं, जबकि एएपीआई समूह के अधिकांश वयस्क इसे आगामी चुनाव के सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक मानते हैं। आयोवा के कॉर्निंग में रहने वाली 45 वर्षीय कोरियाई अमेरिकी रेबेका लारोको ने 2016 में ट्रंप को वोट दिया था, लेकिन अर्थव्यवस्था को संभालने के उनके तरीके को लेकर आश्वस्त नहीं हैं, खासकर ऐसे समय में जब ईरान युद्ध के कारण पेट्रोल-डीजल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। पिछले तीन प्रेसिडेंशियल साइकिल में लगभग 6,20,000 नए मतदाता बने, जिनमें कैलिफ़ोर्निया, हवाई, इलिनोइस, मैसाचुसेट्स, मिनेसोटा, न्यू जर्सी, न्यूयॉर्क, नेवादा, ओरेगन, वर्जीनिया, टेक्सास और वाशिंगटन जैसे राज्यों में इनकी ताकत बढ़ी। या यूं कहें कि पांच फीसद नए आपी मतदाता नई ताकत बने। ट्रंप ने शुरू में अपने स्तर पर कुछ प्रमुख पदों पर आपी समूह के व्यक्तियों (जैसे—तुलसी गबार्ड, काश पटेल) को नियुक्त किया था। लेकिन यह बहुत टिकाऊ साबित नहीं हुआ। तुलसी गबार्ड ने स्वयं 22 मई, 2026 को राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के पद से इस्तीफा दिया था। उन्होंने इस्तीफे की मुख्य वजह अपने पति अब्राहम विलियम्स का बोन कैंसर से पीड़ित होना बताई थी, जिसके चलते वह अपने परिवार के साथ रहना चाहती थीं। रिपोर्टों में यह भी कहा गया था कि ईरान नीति और विदेशी मामलों पर उनके डोनाल्ड ट्रंप से मतभेद थे और उन्हें बड़े फैसलों से दरकिनार किया जा रहा था। काश पटेल अभी भी एफबीआई के निदेशक के पद पर बने हुए हैं। हालांकि, अप्रैल 2026 में उनकी कार्यशैली, शराब की लत और अनुपस्थिति को लेकर द अटलांटिक की एक रिपोर्ट के बाद उनके इस्तीफे या हटाए जाने की अटकलें जरूर तेज हुई थीं।

कुछ अलग

कमीशन का कंबल

लाल रामदीन इस बात से बेहद क्षुब्ध थे कि उनके सुपुत्र दीनबन्धु ने एक खरीद में लाखों रुपया कमीशन खा लिया है तथा सारी जनता उन पर अंगुली उठा रही है। रामदीन ने लाख सफाई दी कि उनका बच्चा ऐसा नहीं कर सकता। वह कमीशन खाना जानता ही नहीं। परन्तु लोगों ने ऐसे-ऐसे दस्तावेज जुटा दिए जिससे इस बात की पुष्टि होती थी कि दीनबन्धु महाशय कमीशन खा गए थे। तमाम घर वालों ने दुलारकर पुचारकर समझा-बुझाकर दीनबन्धु से पूछा भी कि वह बता दे, यदि उसने कमीशन जैसी कोई चीज खायी हो तो। दीनबन्धु ने साफ इंकार कर दिया कि मैंने कमीशन नहीं खाया है। एक दिन सुबह-सुबह रामदीन मेरे यहां आए तो बड़े क्षुब्ध व उदास थे। मैंने भी चेहरा लटका लिया और बोला- 'छोड़ो रामदीन हुआ सो हुआ। बच्चे हैं खा लिया होगा कमीशन। तुम्हें तो पता है भगवान श्री कृष्ण माखन चुराकर खा लेते थे और जब उनकी माता उन्हें मारती थी तो वे सदैव यही कहते थे कि 'मैया मोरी मैं नहीं माखन खायो।'

आप का नज़रिया

सफाई में सभी के फर्ज की रूह

हिमाचल के शहरी क्षेत्र धीरे-धीरे कूड़े की गुल्लक बनते जा रहे हैं। आधुनिक जीवन शैली में प्रवेश करते हिमाचल के नागरिक दबाव पूरी योजनाओं के विरुद्ध टिप्पणी कर रहे हैं, जबकि राज्य की तस्वीर में वही पुरानी कहानी चल रही है। कूड़ा निष्पादन के तमाम दावों के बीच हकीकत यह है कि शहरी निकाय अपनी जरूरतों के मुताबिक सोच ही नहीं पा रहे हैं। शिमला में कार्यक्रम के दौरान शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने आने वाले समय में कुछ परिवर्तन करते हुए, व्यवस्था सुधारने का कार्यक्रम बनाया है। विडंबना यह है कि जिस शिमला के रहन-सहन में स्वच्छता का सामर्थ्य आजादी से पूर्व से हो रहा है, वह भी अब कई कारणों से राष्ट्रीय रैंकिंग में पिछड़ गया है। चुनौती शिमला से चंबा तक एक जैसी है। अगर कायदे से सभी शहरों की डंपिंग साइट्स का ही मुआयना किया जाए, तो मालूम हो जाएगा कि इस दिशा में न प्रयास मुकम्मल हैं और न ही जिम्मेदारी का कोई एहसास पुख्ता हो रहा है। अगर आठ शहरी क्षेत्रों को नगर निगम का दर्जा दिया भी है, तो इसकी समीक्षा नहीं होती। कुछ साल पहले तक मध्यप्रदेश का इंदौर शहर अपनी गंदगी, बदइंतजामी और नागरिक समाज के व्यवहार के कारण बदहाल था, लेकिन नगर निगम के एक कमिश्नर ने सफाई व्यवस्था में फर्ज की रूह डाल दी, नतीजतन जहां कूड़े का ढेर था, वहां आज गार्डन महक रहा है। विडंबना यह है कि हिमाचल के छोटे-छोटे शहर व कस्बे आज गंदगी के ढेर पर बैठ गए। धर्मशाला शहर की डंपिंग साइट पर हर दिन सफाई का जनाजा निकलता है। वर्षों बाद कोशिशों के बावजूद भी अगर कचरा पूरे परिवेश को गंध से भर रहा है, तो शहरी विकास मंत्रालय के सारे ओहदे सिर्फ कबाड़ हैं। पूरे हिमाचल में डंपिंग साइट्स का निरीक्षण करें, तो सारी व्यवस्था लाचार तथा अक्षम दिखाई देती है। गंदगी को लेकर भले ही बदलती जीवन शैली, बाजार का प्रभाव तथा सामाजिक जीवन का उदासीन रवैया रहा हो, लेकिन सबसे पहले स्थानीय निकायों की सिमटती भूमिका है। हर साल दो करोड़ पर्यटक आकर्षित करने वाले हिमाचल के पास ऐसा अध्ययन व सहूलियत नहीं, कि इसके माध्यम से जमा होते अतिरिक्त बोझ का कैसे समाधान करें। क्या विभाग के पास डाटा है कि पर्यटक आगमन से मनाली, धर्मशाला, शिमला या धार्मिक स्थलों में कितनी गंदगी बढ़ जाती है। क्या ऐसा कोई अध्ययन है जो बता सके कि आवारा पशुओं व बंदरों के कारण शहरों में कितनी गंदगी फैल रही है। जल निकासी का सही प्रबंधन न होने से नालियों में कितना कचरा फंस रहा है। प्रमुख बाजारों या हाईवे टूरिज्म के जरिए कितना कचरा फैल रहा है। परवाणू से शिमला, नेरचौक से मनाली, पठानकोट से धर्मशाला, कांगड़ा या मंडी तक सडक़ों के किनारे विकसित हुए ढाबों या फूड चेन के आउटलेट्स के जरिए फैलता पैकिंग मैटेरियल तथा बोतलों का भंडार इकट्ठा हो रहा है। बेशक हिमाचल की मौजूदा सरकार ने आते ही टैक्सियों में डस्टबिन रखने की अनिवार्यता जोड़ दी थी, लेकिन न तो इस व्यवस्था का निरीक्षण हुआ और न ही इसे पूरी तरह अमलीजामा पहनाया गया, नतीजतन हिमाचल में हर दिन पर्यटक वाहन डेस्टिनेशन स्थलों पर टनों कूड़ा उंडेल देते हैं। इसी तरह प्रदेश में तीव्रता से हो रहा नवनिर्माण तथा निर्माण सामग्री की ढुलाई का असर धूल के कणों को बढ़ा रहा है। प्रदेश में बढ़ती सब्जी मंडियां तथा खाद्य वस्तुओं की आपूर्ति के कारण भी जो कूड़ा पैदा हो रहा है, उसके निष्पादन की कोई स्पष्ट नीति नहीं। ऐसे में कचरा प्रबंधन केवल स्थानीय निकायों तक ही सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि विकास, परिवहन, निर्माण तथा नागरिक समाज की जिम्मेदारी से भी जोडऩा होगा। कूड़े की मॉनिटरिंग केवल डंपिंग स्थल तक नहीं, बल्कि भविष्य की योजनाओं में प्रदर्शित होनी चाहिएं।

शिमला में कार्यक्रम के दौरान शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने आने वाले समय में कुछ परिवर्तन करते हुए, व्यवस्था सुधारने का कार्यक्रम बनाया है। विडंबना यह है कि जिस शिमला के रहन-सहन में स्वच्छता का सामर्थ्य आजादी से पूर्व से हो रहा है, वह भी अब कई कारणों से राष्ट्रीय रैंकिंग में पिछड़ गया है। चुनौती शिमला से चंबा तक एक जैसी है। अगर कायदे से सभी शहरों की डंपिंग साइट्स का ही मुआयना किया जाए, तो मालूम हो जाएगा कि इस दिशा में न प्रयास मुकम्मल हैं और न ही जिम्मेदारी का कोई एहसास पुख्ता हो रहा है। अगर आठ शहरी क्षेत्रों को नगर निगम का दर्जा दिया भी है, तो इसकी समीक्षा नहीं होती। कुछ साल पहले तक मध्यप्रदेश का इंदौर शहर अपनी गंदगी, बदइंतजामी और नागरिक समाज के व्यवहार के कारण बदहाल था, लेकिन नगर निगम के एक कमिश्नर ने सफाई व्यवस्था में फर्ज की रूह डाल दी, नतीजतन जहां कूड़े का ढेर था, वहां आज गार्डन महक रहा है। विडंबना यह है कि हिमाचल के छोटे-छोटे शहर व कस्बे आज गंदगी के ढेर पर बैठ गए। धर्मशाला शहर की डंपिंग साइट पर हर दिन सफाई का जनाजा निकलता है। वर्षों बाद कोशिशों के बावजूद भी अगर कचरा पूरे परिवेश को गंध से भर रहा है, तो शहरी विकास मंत्रालय के सारे ओहदे सिर्फ कबाड़ हैं। पूरे हिमाचल में डंपिंग साइट्स का निरीक्षण करें, तो सारी व्यवस्था लाचार तथा अक्षम दिखाई देती है। गंदगी को लेकर भले ही बदलती जीवन शैली, बाजार का प्रभाव तथा सामाजिक जीवन का उदासीन रवैया रहा हो, लेकिन सबसे पहले स्थानीय निकायों की सिमटती भूमिका है। हर साल दो करोड़ पर्यटक आकर्षित करने वाले हिमाचल के पास ऐसा अध्ययन व सहूलियत नहीं, कि इसके माध्यम से जमा होते अतिरिक्त बोझ का कैसे समाधान करें।

दृष्टि कोण

बंदा बहादुर व साथियों पर सन्नाटा क्यों?

तीन दिन पहले उन बंदा बहादुर जी की जयंती थी जिसने सैकड़ों साल बाद भारत में मुगलों का सामना करने की सन् 1000 से चली आ रही रणनीति बदल दी थी और इसमें उन्हें अभूतपूर्व सफलता मिली थी। देश के विभिन्न हिस्सों में उनकी जयंती अत्यन्त उत्साह पूर्वक मनाई गई। लेकिन देश के विश्वविद्यालयों के डिफेंस स्टडीज विभागों में कहीं बन्दा बहादुर को लेकर चर्चा या कोई सेमिनार हुआ हो, ऐसी सूचना कम से कम मेरे पास नहीं है। मैंने कुछ स्थानों पर फोन कर यह सूचना एकत्रित करने की कोशिश भी की। बंदा बहादुर जम्मू कश्मीर के पुंछ क्षेत्र के रहने वाले थे। जम्मू कश्मीर सुरक्षा के लिहाज से भी और सुरक्षात्मक रणनीति के हिसाब से भी बहुत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। एक ओर चीन और दूसरी ओर पाकिस्तान। वहां के विश्वविद्यालयों या महाविद्यालयों ने बन्दा बहादुर का नोटिस लिया हो, ऐसी कोई सूचना नहीं है। अरबों, तुर्कों व मुगलों के आक्रमण काल से भारत ने आक्रमणकारियों का मुकाबला ही किया है, कभी दुश्मन के घर जाकर लड़ाई लड़ी हो, ऐसे उदाहरण कम ही मिलते हैं। भारत सुरक्षात्मक रणनीति ही अपनाता रहा। लेकिन एक हजार सन् से चली आ रही इस सुरक्षात्मक सैनिक रणनीति को सन् 1700 के पहले दशक में बन्दा सिंह बहादुर ने पहली बार बदला। महाराष्ट्र में यह रणनीति शिवाजी मराठा ने अपनाई थी और पश्चिमोत्तर/सप्त सिन्धु में बन्दा बहादुर ने मुगलों के खिलाफ यह आक्रामक रणनीति अपनाई। सामान्य जनता की ओर से इसको जबरदस्त समर्थन मिला। यहां तक कि इस क्षेत्र के देसी मुसलमान, जिनके पुरखे कभी मुगलों के अत्याचारों से डर कर इस्लाम पंथ या शिया पंथ में चले गए थे, वे भी मुगलों के खिलाफ बन्दा बहादुर के साथ मिल गए थे। इस नई युद्ध नीति का परिणाम भी मिला। बन्दा बहादुर ने वर्तमान पंजाब, हरियाणा और हिमाचल का बहुत बड़ा भाग मुगल सत्ता व आक्रमणकारियों से स्वतंत्र करवा लिया। नई राज्य व्यवस्था लागू की। पहली बार 'जमीन जोतने वाले की' का सिद्धान्त व्यावहारिक स्तर पर लागू किया गया। राज्य किसी भी व्यक्ति के मजहब में दखलन्दाजी नहीं करेगा, यह पंथ निरपेक्षता को जमीनी धरातल पर लागू किया। बन्दा बहादुर बदले की राजनीति नहीं कर रहा था, बल्कि वह तो विदेशी अन्यायी शासन व्यवस्था को हटा कर न्याय पर आधारित नया निजाम स्थापित करने का प्रयास कर रहा था। लेकिन बन्दा बहादुर पूरे सप्त सिन्धु क्षेत्र की सांस्कृतिक राजधानी लाहौर को जीतने के कगार पर ही था कि अपने लोगों ने ही धोखा दे दिया। विनोद सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों योद्धा गुरदास नंगल की गढ़ी में लड़ाई के बीच में ही अलग हो गए। मुगल शासकों से जागीरें हासिल कर लीं। आज भी इतिहास बन्दा बहादुर की सेना और खालसा के बीच विवाद के कारणों को लेकर माथापच्ची होती रहती है, लेकिन इस पर सभी सहमत हैं कि यदि विनोद सिंह और उसके सैकड़ों साथी रणभूमि के बिल्कुल बीच में से बन्दा बहादुर को छोड़ कर न जाते तो शायद भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की कहानी उसी दिन से शुरू हो गई थी। बन्दा बहादुर ने लाहौर तक तो धावा बोल ही दिया था। वहां हलचल होने लगी थी। मुगल सत्ता का सिंहासन दिल्ली तक हिल गया था। मुगल बादशाह फर्रुखसियार को खुद मार्च करने के लिए मजबूर होना पड़ा था। लेकिन यह भारत माता का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि यहां घर को आग घर के ही कुछ लोग लगा देते हैं। गुरदास नंगल की गढ़ी में जब उसके सैकड़ों साथी इतिहास के उस मोड़ पर उसे छोड़ कर चले गए तो बन्दा बहादुर के पास भी विकल्प बचता था। वह भी वहां से पलायन कर सकता था। लेकिन उसने दशम गुरु गोविन्द सिंह जी को वचन दिया था कि वह अत्याचारी मुगल सत्ता को उखाड़ फेंकेगा।

पिता के निधन के बाद भी नहीं टूटा हौसला, मनीषा ने रचा कुश्ती में इतिहास

वजन घटाने के लिए शुरू की थी कुश्ती, अब विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनीं

नई दिल्ली। भारतीय महिला कुश्ती के इतिहास में मनीषा भानवाला ने एक नया और स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया है। 29 वर्षीय भारतीय पहलवान मनीषा ने अस्ताना में आयोजित विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के 59 किलोग्राम भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की पहली महिला पहलवान बन गई हैं। सुशील कुमार के बाद विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली वह दूसरी भारतीय पहलवान हैं। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि से भारतीय कुश्ती को विश्व पटल पर नई पहचान मिली है।

0–6 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी

मनीषा के लिए फाइनल मुकाबला आसान नहीं था। पैन अमेरिकी चैंपियन अमेरिका की एबिगेल एलिजाबेथ नेटे के खिलाफ खिताबी मुकाबले में वह एक समय 0–6 से पिछड़ रही थीं। हालांकि, भारतीय पहलवान ने हार नहीं मानी और जबरदस्त जज्बा दिखाते हुए मुकाबले में वापसी की। लगातार अंक हासिल करते हुए मनीषा ने अमेरिकी पहलवान को 8–6 से शिकस्त देकर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया।

इससे पहले सेमीफाइनल में भी मनीषा ने शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने कजाकिस्तान की अल्तिन शगायेवा को 10–0 से करारी शिकस्त दी और पिनफॉल के जरिए फाइनल में जगह बनाई थी।

टूर्नामेंट में भारत ने जीते कई पदक

मनीषा भानवाला के ऐतिहासिक प्रदर्शन से पहले भारत को इस चैंपियनशिप में नीलम सिरोही (50 किलोग्राम) और काजल ढोचक (76 किलोग्राम) के रूप में दो रजत पदक मिल चुके थे। इसके अलावा तनु ने महिलाओं के 72 किलोग्राम भारवर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में अमेरिका की प्रेसिअस रोजाना बेल को 9–5 से हराकर भारत की झोली में एक और पदक डाला।

मनीषा के स्वर्ण पदक के साथ ही भारत ने विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के इतिहास में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ पदक अभियान दर्ज किया है।

महिला कुश्ती को पहली बार मिला स्वर्ण

अंशु मलिक वर्ष 2021 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनी थीं। इस बार अस्ताना में आयोजित प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारत की ओर से नीलम सिरोही (50 किलोग्राम) और काजल ढोचक (76 किलोग्राम) ने भी स्वर्ण पदक मुकाबले में जगह बनाई थी। हालांकि, दोनों को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। वहीं, मनीषा भानवाला ने अपने तीसरे प्रयास में देश के लिए इतिहास रचते हुए स्वर्ण पदक जीतने का लंबा इंतजार खत्म कर दिया।

आखिरी तीन मिनट में पलट दिया मुकाबला

29 वर्षीय हरियाणा की इस धाकड़ पहलवान का सफर चुनौतियों से भरा रहा है। फाइनल मुकाबले के पहले चरण के अंत तक वह अपनी अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ 1–5 से पिछड़ रही थीं। इसके बावजूद उन्होंने धैर्य नहीं खोया। मुकाबले के आखिरी तीन मिनट में मनीषा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार सात अंक हासिल किए और मुकाबले का रुख पलट दिया। उनका यह प्रदर्शन उनके आत्मविश्वास, मेहनत और संघर्ष का परिचायक रहा।

कौन हैं मनीषा भानवाला?

मनीषा भानवाला 29 वर्ष की अनुभवी पहलवान हैं और पिछले एक दशक से कुश्ती के क्षेत्र में सक्रिय हैं। वह हरियाणा के जींद जिले के सिवाहा गांव की रहने वाली हैं। मनीषा रोहतक के छोटू राम अखाड़े में प्रशिक्षण लेती हैं। फिलहाल उन्हें इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स से भी सहयोग मिल रहा है।

कुश्ती में उनका सफर वर्ष 2013 में शुरू हुआ था। उनके पिता सुरेश ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। दिलचस्प बात यह है कि मनीषा ने शुरुआत में अपनी फिटनेस सुधारने और वजन कम करने के उद्देश्य से कुश्ती को चुना था। बाद में उनके बड़े भाई रिंकू, जो स्वयं पूर्व कबड्डी खिलाड़ी हैं, ने उन्हें सर छोटू राम अकादमी में दाखिला दिलाया।

वर्ष 2016 में उन्होंने पेशेवर कुश्ती में अपनी पहचान बनाई। इसी वर्ष उन्होंने कैडेट विश्व चैंपियनशिप और दक्षिण एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीते। इसके बाद राष्ट्रमंडल कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक हासिल किया और अगले वर्ष इसी प्रतियोगिता में रजत पदक अपने नाम किया।

उनकी इन उपलब्धियों के आधार पर उन्हें अर्धसैनिक बल में नौकरी मिली। उन्होंने वर्ष 2018 के विश्व सैन्य खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता। हालांकि, कोविड–19 महामारी के दौरान अपने पिता से चर्चा करने के बाद उन्होंने नौकरी छोड़ने का फैसला किया, क्योंकि वहां उन्हें प्रशिक्षण के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पा रहे थे।

साक्षी मलिक को तीन बार दी मात

वर्ष 2022 में मनीषा उस समय सुर्खियों में आईं, जब उन्होंने वर्ष 2016 के रियो डी जेनेरियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साक्षी मलिक को तीन बार हराया। इनमें से एक जीत वर्ष 2022 के राष्ट्रीय खेलों में मिली, जहां उन्होंने स्वर्ण पदक हासिल किया। इसके एक वर्ष बाद उन्होंने अपने इस खिताब का सफलतापूर्वक बचाव भी किया।

इसके बाद उन्होंने महाद्वीपीय स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने वर्ष 2022, 2023 और 2024 में तीन कांस्य पदक जीते, जबकि वर्ष 2025 में स्वर्ण पदक हासिल किया।

पिता के निधन का गहरा सदमा, फिर भी नहीं मानी हार

मनीषा के जीवन में वर्ष 2022 की एक घटना बेहद दुखद रही। उनका पहला पदक एक गहरे पारिवारिक सदमे के बाद आया था। प्रतियोगिता के लिए जाते समय उन्हें रास्ते में ही सूचना मिली कि उनके पिता सुरेश का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया है। दुखद बात यह थी कि कुछ घंटे पहले ही उनके पिता ने उन्हें नई दिल्ली हवाई अड्डे पर छोड़ा था।

पिता के अचानक निधन की खबर ने उन्हें अंदर तक झकझोर दिया, लेकिन उन्होंने अपने हौसले को टूटने नहीं दिया।

न्यूज़ ब्रीफ

हायलो ओपन: सिंधु और अनमोल खरब क्वार्टर फाइनल में

सारब्रुकेन। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने हायलो ओपन 2026 के महिला एकल मुकाबले में

शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। खेले गए प्री–क्वार्टर फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने फ्रांस की रोसी ओक्टाविया पंकासारी को सीधे गेमों में 21–9, 21–6 से हराया। यह मुकाबला 30 मिनट से भी कम समय में समाप्त हो गया। क्वार्टर फाइनल में सिंधु का सामना डेनमार्क की अमाली शुल्ज से होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु इस सुपर 500 प्रतियोगिता में फ्रेंच ओपन सुपर 750 में उपविजेता रहने के बाद उतरी हैं। फ्रेंच ओपन के फाइनल में उन्हें विश्व की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की आन से यंग से हार का सामना करना पड़ा था। इस बीच युवा भारतीय खिलाड़ी अनमोल खरब ने भी शानदार वापसी करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। 19 वर्षीय अनमोल ने प्री–क्वार्टर फाइनल में उच्च वरीयता प्राप्त डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसन को एक घंटे तीन मिनट तक चले मुकाबले में 11–21, 21–18, 25–23 से हराया। पहला गेम गंवाने के बाद अनमोल ने दूसरे गेम में वापसी की और मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचाया। तीसरे गेम में उन्होंने धैर्य बनाए रखते हुए 25–23 से जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए अब उनका सामना भारत की ही उन्नति हुड्डा से होगा। हालांकि, मालविका बंसोड़ को महिला एकल के प्री–क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें कनाडा की वेन यू झांग ने 21–11, 21–17 से हराकर प्रतियोगिता से बाहर कर दिया ।

कपिल से प्रेरित होकर क्रिकेट खेलना शुरू किया था : हरभजन

चंडीगढ़। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने हाल ही में एक कार्यक्रम में अपने करियर के शुरुआती दिनों के

संघर्षों और निजी चुनौतियों को याद किया। हरभजन ने कहा कि तब महान आलराउंडरों में से एक कपिल देव से प्रेरित होकर उन्होंने क्रिकेट खेलना शुरू किया था और उन्हीं की तरह देश के लिए कुछ करने का सपना देखा था। मात्र 17 साल की उम्र में राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के बाद, उन्हें जल्द ही अपने एक्शन को लेकर विवाद का सामना करना पड़ा और टीम से बाहर कर दिया गया। यह उनके लिए एक बड़ा झटका था, जिसने वह बेहद निराश हुए थे। तब उन्हें लगा था कि उनका क्रिकेट करियर शुरू होने से पहले ही शायद खत्म हो गया

न्यूज़ीलैंड के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी हार, 87 रन से हारी टीम इंडिया

260 रन के लक्ष्य के सामने भारतीय बल्लेबाजों ने टेके घुटने, ग्लेन फिलिप्स का तूफानी शतक

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी–20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारतीय टीम को 87 रन से करारी हार का सामना करना पड़ा। यह टी–20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की अब तक की सबसे बड़ी हार है। इससे पहले वर्ष 2019 में वेलिंग्टन में न्यूजीलैंड ने भारत को 80 रन से हराया था। ऑकलैंड में शुक्रवार को 260 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 172 रन ही बना सकी। भारतीय टीम का कोई भी बल्लेबाज अर्धशतक तक नहीं पहुंच सका। तिलक वर्मा ने सर्वाधिक 35 रन बनाए, जबकि न्यूजीलैंड के गेंदबाज जैकब डफी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार विकेट हासिल किए।

इससे पहले टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 259 रन बनाए। यह टी–20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में न्यूजीलैंड का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। ग्लेन फिलिप्स ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए मात्र 49 गेंदों में 107 रन बनाए। माइकल ब्रेसवेल ने भी 25 गेंदों पर 65 रन की विस्फोटक पारी खेली। शानदार शतकीय पारी के लिए फिलिप्स को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

सीरीज में भारत 3–1 से आगे

इस करारी हार के बावजूद भारतीय टीम पांच मैचों की टी–20 सीरीज में 3–1 से आगे है। सीरीज का पांचवां और अंतिम मुकाबला एक नवंबर को हेमिल्टन में खेला जाएगा।

भारत के नाम दर्ज हुए पांच निराशाजनक रिकॉर्ड

न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी–20 मुकाबले में भारतीय टीम को सिर्फ हार का सामना नहीं करना पड़ा, बल्कि इस मैच में कई निराशाजनक रिकॉर्ड भी बने। कीवी बल्लेबाजों के आक्रामक प्रदर्शन और भारतीय गेंदबाजों तथा बल्लेबाजों की नाकामी ने रिकॉर्ड बुक में कई नए आंकड़े दर्ज करा दिए।

1. रनों के अंतर से भारत की दूसरी सबसे बड़ी हार

चौथे टी–20 मुकाबले में 87 रन की शिकस्त भारतीय टी–20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास की रनों के अंतर से दूसरी सबसे बड़ी हार है। भारत की सबसे बड़ी हार का रिकॉर्ड इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ नॉटिंघम में बना था, जहां टीम को 125 रन से हार मिली थी। इससे पहले वर्ष 2019 में न्यूजीलैंड ने वेलिंग्टन में भारत को 80 रन से हराया था।

2. न्यूजीलैंड की धरती पर जीत का सिलसिला टूटा

इस हार के साथ ही न्यूजीलैंड की धरती पर कीवी टीम के खिलाफ भारत का लगातार 10 मैचों से चला आ रहा अजेय अभियान समाप्त हो गया। वर्ष 2020 से 2026 तक भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को उसके घरेलू मैदान पर लगातार चुनौती दी थी, लेकिन चौथे टी–20 में मिली हार से यह सिलसिला टूट गया।

3. एक कैलेंडर वर्ष में 2075 रन देने का रिकॉर्ड

वर्ष 2026 में भारतीय गेंदबाजों ने न्यूजीलैंड के खिलाफ बेहद महंगे साबित होते हुए एक ही कैलेंडर वर्ष में 2075 रन खर्च कर दिए। पूर्ण सदस्य देशों के बीच एक वर्ष में किसी एक विपक्षी टीम के खिलाफ इतने रन देने का यह बेहद निराशाजनक आंकड़ा है।

4. भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड का सबसे बड़ा स्कोर

ऑकलैंड में न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 259 रन बनाकर टी–20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के खिलाफ अपना अब तक का सबसे बड़ा टीम स्कोर खड़ा किया। इस दौरान कीवी टीम ने इंग्लैंड के 257 रन के पिछले रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया।

5. ग्लेन फिलिप्स ने बनाया सीरीज का रिकॉर्ड

न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स ने पूरी सीरीज में भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। चौथे मुकाबले में शतक लगाने के साथ ही उन्होंने भारत के खिलाफ एक टी–20 सीरीज में सर्वाधिक 276 रन बनाने का रिकॉर्ड कायम किया। उन्होंने वेस्टइंडीज के शाई होप के 261 रन के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

हार के बीच अर्शदीप सिंह ने रचा इतिहास

भारतीय टीम भले ही मुकाबला हार गई, लेकिन तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने अपने शानदार प्रदर्शन से इतिहास रच दिया। उन्होंने शुक्रवार को ईडन पार्क में न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी–20 मुकाबले के दौरान अंतरराष्ट्रीय टी–20 क्रिकेट में अपने 150 विकेट पूरे किए। वह इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले भारत के पहले गेंदबाज बन गए हैं।अर्शदीप ने न्यूजीलैंड की पारी के 19वें ओवर में कप्तान मिशेल सेंटनर को आउट करके यह उपलब्धि हासिल की।

अर्शदीप सिंह ने टी–20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद सबसे कम दिनों में 150 विकेट पूरे करने का रिकॉर्ड भी बनाया। नवंबर 2022 में अपना पहला टी–20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलने वाले अर्शदीप ने महज 1577 दिनों में यह उपलब्धि हासिल की। इससे पहले यह रिकॉर्ड श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा के नाम था, जिन्होंने 2325 दिनों में 150 विकेट पूरे किए थे।

जापान–भारत खेल आदान–प्रदान कार्यक्रम की पहल

स्पोर्ट्स विलेज ने बढ़ाए कदम, टोक्यो के होटल व्यवसायी अनिल राज ने दिया सहयोग का आश्वासन

हैदराबाद। हैदराबाद स्थित स्पोर्ट्स विलेज ने भारत और जापान के बीच खेल आदान–प्रदान कार्यक्रम शुरू करने की पहल की है। इस प्रस्तावित कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय खिलाड़ियों के लिए खेल छात्रवृत्ति, अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण, कोचिंग आदान–प्रदान तथा जापानी खेल संस्थानों के साथ सहयोग के नए अवसर उपलब्ध कराना है।

इस संबंध में स्पोर्ट्स विलेज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एवं मल्टीस्पोर्ट्स प्रमोटर मोहम्मद शम्सुद्दीन ने हाल ही में हैदराबाद के जुबली हिल्स स्थित स्पोर्ट्स विलेज कार्यालय में टोक्यो, जापान के वाई.के. राज ग्रुप से जुड़े होटल व्यवसायी श्री अनिल राज तथा जापानी भाषा आदान–प्रदान कार्यक्रम के समन्वयक श्री पी. अजय कुमार के साथ बैठक की। बैठक में इस पहल की रूपरेखा और संभावनाओं पर चर्चा की गई। श्री अनिल राज ने स्पोर्ट्स विलेज की इस पहल तथा भारत–जापान के बीच खेल और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य का समर्थन करते हुए सहयोग का आश्वासन दिया।

इस प्रस्ताव की एक प्रमुख विशेषता हैदराबाद में पारंपरिक जापानी सूमो कुश्ती को प्रस्तुत करना है। इसके तहत जापानी पहलवानों और तकनीकी विशेषज्ञों की भागीदारी से एक अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है। इसके अलावा जूडो प्रशिक्षण, जापानी प्रशिक्षकों के विशेष प्रशिक्षण शिविर तथा दोनों देशों के खिलाड़ियों के आदान–प्रदान के अवसर तलाशे जाएंगे।शम्सुद्दीन नवंबर 2026 के अंतिम सप्ताह में टोक्यो जाने की योजना बना रहे हैं।

इस दौरान उन्होंने 30 नवंबर को जापान के शिक्षा, संस्कृति, खेल, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री महामहिम श्री सेकी योशिहिरो से मुलाकात का समय लेने की इच्छा जताई है। इसके साथ ही वे जापान स्पोर्ट्स एजेंसी के आयुक्त श्री जुनिची कवाई तथा जापान स्पोर्ट काउंसिल के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात करना चाहते हैं।इस पहल का लक्ष्य हैदराबाद को भारत–जापान खेल सहयोग के विस्तार के एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करना है।

चेन्नई में आयोजित एशियन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में भारत ने बहरीन को हराकर खिताब अपने नाम किया। फाइनल मैच में जीत के बाद ट्रॉफी के साथ भारतीय खिलाड़ी। प्रतियोगिता में तेलंगाना की ओर से हैदराबाद के संजय सिंह ने भी भाग लिया।

युवराज ने की सूर्यवंशी, अभिषेक और ईशान को वनडे टीम में शामिल करने की पैरवी

नई दिल्ली (। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी युवराज सिंह ने अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और वैभव सूर्यवंशी को भारतीय वनडे टीम में शामिल करने की पैरवी की है। उन्होंने कहा कि जिस तरह ये तीनों खिलाड़ी लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, उसे देखते हुए उन्हें 50 ओवर के क्रिकेट में भी मौका मिलना चाहिए। इन खिलाड़ियों को वनडे टीम से बाहर रखना उनकी प्रतिभा के साथ नाइंसाफी होगी।युवराज सिंह ने कहा, ''जिस तरह ये खिलाड़ी प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें जल्द ही टीम में जगह मिलनी चाहिए।'' हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि शुभमन गिल, रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी में भारतीय टीम के शीर्ष क्रम में जगह बनाना आसान नहीं है।

अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंग्टन में खेले गए टी–20 मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी करते हुए रिकॉर्ड साझेदारी की थी। दोनों बल्लेबाजों ने पावरप्ले के दौरान बिना कोई विकेट गंवाए 118 रन बना दिए। यह टी–20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के पावरप्ले में किसी भी टीम का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है।

आईपीएल 2027 सत्र में विशेषज्ञ बल्लेबाजी कोच के बिना उतरेगी सीएसके : काशी

चेन्नई

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के सीईओ काशी विश्वनाथन ने कहा है कि उनकी टीम आगामी आईपीएल 2027 सत्र में एक बड़े रणनीतिक बदलाव के तहत बिना किसी विशेषज्ञ बैटिंग कोच के मैदान पर उतर सकती है। काशी के अनुसार यह अहम योजना नए मुख्य कोच जहीर खान की है।

साथ ही कहा कि टीम गैरेथ बैटी को बल्लेबाजी मेंटर की जिम्मेदारी दे सकती है। गौरतलब है कि पिछले तीन सत्र के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद सीएसके ने अपने कोचिंग स्टाफ में व्यापक बदलाव किए हैं।विश्वनाथन ने कहा है कि फ्रेंचाइजी ने पूर्व आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज माइकल हसी की जगह किसी नए विशेषज्ञ बैटिंग कोच की नियुक्ति नहीं करने का निश्चय किया है।

उन्होंने कहा, हमारा कोचिंग स्टाफ अब पूरा है। हमने जिन लोगों के नामों की घोषणा की थी, वही हमारी बैक रूम टीम का हिस्सा होंगे। हमारे पास कोई बल्लेबाजी कोच नहीं होगा। उन्होंने आगे बताया कि यह फैसला पूरी तरह से नए हेड कोच जहीर खान का है।

विश्वनाथन ने यह भी बताया कि टीम बल्लेबाजी विभाग में गैरेथ मेंटर की अतिरिक्त जिम्मेदारी देने के विकल्प पर सक्रिय रूप से विचार कर रही है। उनके अनुसार, इस संबंध में बातचीत जारी है।

इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर और सीएसके के दूसरे सहायक कोच बैटी को कोचिंग का अच्छा अनुभव है। वह उस कोचिंग सेटअप का हिस्सा रहे हैं जिसने सरे को लगातार तीन काउंटी चैंपियनशिप खिताब दिलाए हैं।

यदि यह योजना सफल होती है, तो टीम को अलग से बल्लेबाजी कोच की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, जिससे मौजूदा स्टाफ की बहुआयामी क्षमताओं का बेहतर उपयोग हो सकेगा।लंबे समय तक टीम के मुख्य कोच रहे स्टीफन फ्लेमिंग और बल्लेबाजी कोच माइकल हसी के जाने के बाद फ्रेंचाइजी ने एक नया संगठनात्मक ढांचा तैयार किया है। इसमें जहीर को मुख्य कोच की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, और उनके साथ भारतीय तथा विदेशी क्रिकेट का अनुभव रखने वाले कई पूर्व खिलाड़ी कोचिंग स्टाफ में शामिल किए गए हैं।बल्लेबाजी कोच नहीं रखने का यह फैसला चेन्नई सुपर किंग्स के लिए एक नई रणनीतिक दिशा का स्पष्ट संकेत है। टीम अब मौजूदा सहयोगी स्टाफ की सामूहिक विशेषज्ञता और जहीर खान की नई दृष्टि पर भरोसा करना चाहती है, ताकि आगामी सीजन में बेहतर प्रदर्शन किया जा सके।

कला स्पंदन आर्ट फेयर का भव्य शुभारंभ

पद्मश्री यदगिरि राव ने युवा कलाकारों को मौलिकता अपनाने की दी सलाह, 100 से अधिक कलाकारों की 1,000 कलाकृतियां प्रदर्शित

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बंजारा हिल्स स्थित कलिंग कल्चरल सेंटर में शुक्रवार को कला स्पंदन आर्ट फेयर के दूसरे संस्करण का भव्य शुभारंभ हुआ। 1 नवंबर तक चलने वाली इस तीन दिवसीय कला प्रदर्शनी में देशभर के 100 से अधिक कलाकारों की करीब 1,000 कलाकृतियां प्रदर्शित की जा रही हैं।

प्रदर्शनी का उद्घाटन पद्मश्री प्रसिद्ध मूर्तिकार यदगिरि राव और वरिष्ठ मूर्तिकार जी. यदगिरि ने दीप प्रज्वलित कर किया। पद्मश्री यदगिरि राव ने युवा कलाकारों को नकल करने के बजाय अपनी मौलिक कला और रचनात्मक पहचान विकसित करने की सलाह दी। जी. यदगिरि ने भी कलात्मक प्रशिक्षण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि कई सामान्य व्यावसायिक कलाकृतियों की तुलना में एक उत्कृष्ट और रचनात्मक कलाकृति का अधिक महत्व होता है।

इंडियन आर्ट फेयर पहल के संस्थापक सुदीप चक्रवर्ती द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में ऑयल पेंटिंग, वॉटरकलर, ऐक्रेलिक, मिक्स्ड मीडिया, रेजिन आर्ट, केरल म्यूरल, मधुबनी, मंडला, तंजौर पेंटिंग और ओडिशा की पट्टचित्र कला सहित सिरेमिक कलाकृतियां एवं मूर्तियां प्रदर्शित की गई हैं। इसके अलावा डिजाइनर साड़ियां, हस्तनिर्मित बैग और आकर्षक घरेलू सजावटी वस्तुएं भी प्रदर्शनी का हिस्सा हैं। प्रदर्शनी में कलाकारों द्वारा लाइव पेंटिंग का प्रदर्शन भी प्रमुख आकर्षण है। आगंतुक कलाकारों से सीधे बातचीत कर उनकी कलाकृतियां खरीद सकते हैं। प्रदर्शनी प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से रात 9 बजे तक खुली रहेगी। प्रवेश निःशुल्क है तथा वैलेट पार्किंग की सुविधा भी उपलब्ध है।

स्वच्छता और भाईचारे की मिसाल

संजीवैया पार्क की सुंदरता बनाए रखना हर नागरिक की साझा जिम्मेदारी

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीनियर सिटीजन संजीवैया पार्क एसोसिएशन के अध्यक्ष पी. डी. जाकोटिया के नेतृत्व में जैन रत्न रमेश पी. तातेड (सिर-ोही) ने बताया कि संजीवैया पार्क गार्डन प्रतिदिन विभिन्न राज्यों एवं समुदायों के लोगों के बीच आपसी भाईचारे, सद्भाव और मेल-मिलाप का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करता है। यहां प्रतिदिन सुबह बड़ी संख्या में लोग सैर एवं व्यायाम के लिए एकत्रित होते हैं।

पार्क की स्वच्छता एवं सुंदरता बनाए रखने में सुरक्षा कर्मियों और सफाई कर्मचारियों का योगदान सराहनीय है। यह पार्क हैदराबाद की शान है और इसे साफ-सुथरा एवं हरियाली से भरपूर बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि पार्क में कहीं-कहीं खाद्य पदार्थों के पैकेट, बोतलें एवं अन्य कचरा दिखाई देता है। पशु-पक्षियों को भोजन कराने के साथ-साथ आसपास की स्वच्छता का ध्यान रखना भी प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

उन्होंने नागरिकों से दैनिक जीवन में पानी का सदुपयोग करने तथा अनावश्यक जल बर्बादी रोकने की अपील की। साथ ही जल संरक्षण के प्रति जागरूक रहकर पर्यावरण एवं पार्क की सुंदरता बनाए रखने में सहयोग करने का आह्वान किया।

सेवा परमो धर्म संस्था द्वारा पुण्यतिथि पर सेवा कार्य

मांगीलालजी दुग्गड़ की स्मृति में सरकारी विद्यालय को प्रिंटर भेंट

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेवा परमो धर्म संस्था की ओर से स्वर्गीय श्री मांगीलालजी दुग्गड़ की पुण्यतिथि के पावन अवसर पर उनकी स्मृति में सराहनीय सेवा कार्य किया गया। इस अवसर पर एक सरकारी विद्यालय में विद्यार्थियों की शिक्षा एवं विद्यालय के शैक्षणिक कार्यों को सुगम बनाने के उद्देश्य से प्रिंटर भेंट किया गया। इस पहल के माध्यम से संस्था ने स्व. मांगीलालजी दुग्गड़ को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग एवं सामाजिक सेवा का संदेश दिया। संस्था का उद्देश्य सदैव समाज के जरूरतमंद वर्गों की सहायता करना तथा शिक्षा एवं सामाजिक उत्थान से जुड़े कार्यों में अपना योगदान देना है।इस अवसर पर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। ईश्वर उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें।

राजस्थानी जागृति समिति हैदराबाद द्वारा

निलोफर हॉस्पिटल के पास जरूरतमंदों को वस्त्र वितरित

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति हैदराबाद द्वारा संचालित पुराने वस्त्र संग्रहण अभियान के तहत प्राप्त कपड़ों को जरूरतमंदों तक पहुंचाने के क्रम में शुक्रवार को दसवें चरण में सरकारी नीलोफर अस्पताल में जरूरतमंद परिवारों को वस्त्र वितरित किए गए।

समिति द्वारा इससे पूर्व तेलंगाना के महबूबनगर, हनमकोंडा, मंचेरियल, जड़चर्ला, आलेर एवं कामारेड्डी सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों तथा उस्मानिया अस्पताल, जज्बी खाना, पेटलाबुर्ज और गांधी अस्पताल, सिकंदराबाद में भी वस्त्र वितरण किया जा चुका है। इस जनकल्याणकारी अभियान से सैकड़ों जरूरतमंद लाभान्वित हुए हैं।

इस अवसर पर समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी, कोषाध्यक्ष संजय राठी, बाला प्रसाद मोदानी, बाला प्रसाद लाडा, मुकेश उपाध्याय, गोविंद राव बिरादर सहित अन्य स्वयंसेवक एवं सदस्य उपस्थित रहे और वितरण कार्य में सक्रिय सहयोग किया।

हिल रिज स्प्रिंग, गच्चीबोवली की महिलाओं ने गीता अग्रवाल के निवास पर पारंपरिक वेशभूषा में करवा चौथ का पर्व धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर महिलाओं ने पूजा की थाल लेकर करवा चौथ की कथा सुनी, करवे बदले तथा बायना निकालकर सुहाग की वस्तुएं आपस में बांटीं। पूजा के उपरांत गीता अग्रवाल, आशा अग्रवाल, राज माथुर, मंजू शर्मा, रानी रमैयर अग्रवाल, हनी सहित अन्य महिलाओं ने एक-दूसरे को करवा चौथ की शुभकामनाएं दीं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हेलिकॉप्टर...

हेलिकॉप्टर ने दोपहर करीब 1:14 बजे उड़ान भरी थी। जोशीमठ घाटी के ऊपर उड़ान के दौरान उसका संपर्क टूट गया और निगरानी प्रणाली पर भी उसकी लोकेशन मिलनी बंद हो गई। इसके बाद भारतीय सेना, चमोली जिला प्रशासन और एसडीआरएफ की टीमों को खोज एवं बचाव अभियान के लिए रवाना किया गया। एहतियात के तौर पर ट्रांस भारत एविएशन के पूरे हेलिकॉप्टर बेड़े को उड़ान से रोक दिया गया।

अक्टूबर में दो हेलिकॉप्टरों की हुई थी आपात लैंडिंग

अक्टूबर महीने में भी चारधाम यात्रा के दौरान हेलिकॉप्टरों की दो आपात लैंडिंग हुई थीं। इनमें एक घटना रुद्रप्रयाग में खराब मौसम के कारण हुई थी, जबकि दूसरी घटना टिहरी में तकनीकी खराबी के चलते सामने आई थी।

जांच के लिए भेजी गई टीम

उत्तराखंड में हुए हेलिकॉप्टर हादसे की जांच शुरू कर दी गई है। दुर्घटना की जांच के लिए नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की टीम भेजी गई है। वहीं, हादसे की जांच विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) को सौंपने का आदेश दिया गया है। एएआईबी अब दुर्घटना की जांच अपने हाथ में लेगा और इससे जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल करेगा।

बेकाबू इन्नोवा...

दुर्घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें इनोवा क्रिस्टा अनियंत्रित होकर कई बार पलटती दिखाई दे रही है। इसके बाद कार मकान की चारदीवारी से टकरा जाती है।पुलिस के अनुसार, शुक्रवार तक इस मामले में किसी ने शिकायत दर्ज नहीं कराई थी।

इसी वजह से उस समय तक कोई मामला भी दर्ज नहीं किया गया था। फिलहाल दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई और चालक ने वाहन से नियंत्रण कैसे खोया, इसकी सटीक वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है।

रस्सी से बाँध...

वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। पशु प्रेमियों और स्थानीय नागरिकों ने घटना की कड़ी निंदा की। लोगों का कहना है कि किसी बेजुबान जीव को जानबूझकर इस तरह पीड़ा पहुंचाना बेहद क्रूर और संवेदनहीन कृत्य है। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की।

अलग-अलग सोशल मीडिया मंचों पर वीडियो वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया। लोगों के आक्रोश के बीच घटना पुलिस के संज्ञान में पहुंची। इसके बाद कोतवाली पुलिस ने वायरल वीडियो की जानकारी जुटाते हुए कार्रवाई शुरू की।

चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

नगर पुलिस अधीक्षक (सीओ सिटी) प्रिया सिंह के मुताबिक, सोशल मीडिया के माध्यम से पुलिस को एक वीडियो मिला था। इसमें एक जिंदा चूहे पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर उसे जलाने की घटना दिखाई दे रही थी। पुलिस ने तत्काल संज्ञान लेते हुए कोतवाली थाने में मुकदमा अपराध संख्या 319/26 दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, इस मामले में जुनैद कुरैशी, जीशान कुरैशी, आशिक कुरैशी और शफीक को नामजद किया गया है। चारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

इस घटना के बाद बेजुबान जीवों के साथ क्रूरता करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठ रही है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

फेरबदल से...

नेशनल कॉन्फ्रेंस की ओर से जारी बयान के मुताबिक, पार्टी अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने आदेश दिया है कि हाजी अली मोहम्मद सागर अगले आदेश तक पार्टी के महासचिव के रूप में काम करते रहेंगे। इस संबंध में डॉ. फारूक अब्दुल्ला की ओर से आदेश जारी किया गया है, जिसमें सागर के इस महत्वपूर्ण संगठनात्मक पद पर बने रहने की पुष्टि की गई है।

मुबारक गुल को मंत्री पद नहीं मिलने से नाराजगी

इससे पहले कैबिनेट फेरबदल के तुरंत बाद वरिष्ठ नेता मुबारक गुल को पार्टी का महासचिव नियुक्त किया गया था। इस फैसले को उन्हें मनाने की कोशिश के तौर पर देखा गया था, क्योंकि मुबारक गुल को मंत्री पद नहीं दिया गया था।

कैबिनेट विस्तार के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के श्रीनगर मुख्यालय में मुबारक गुल के समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन भी किया था। प्रदर्शनकारी पार्टी कार्यालय पहुंचे और नवनियुक्त मंत्री अली मोहम्मद सागर के खिलाफ नारे लगाए। इस दौरान 'गुल गुल शेर गुल' और 'पार्टी का फैसला नामंजूर' जैसे नारे लगाए गए थे। मुबारक गुल को मंत्री पद नहीं मिलने के बाद उनके समर्थकों का यह विरोध नेशनल कॉन्फ्रेंस के भीतर सामने आई नाराजगी का संकेत माना गया था।

रूबियो ने ...

ऐसे में जी-20 की बैठक में उनकी मौजूदगी ने पश्चिमी देशों के बीच असहजता बढ़ा दी।

कुछ देशों ने पहले ही रूस को बैठक में बुलाने के अमेरिकी फैसले पर सवाल उठाए थे। खासकर ऐसे समय में जब यूक्रेन पर रूस के हमले तेज हैं और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मॉस्को के प्रति नरम रुख अपनाया है। रूस के विदेश मंत्रालय ने भी बैठक से पहले अपनी परेशानी जाहिर की थी। मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि रूसी प्रतिनिधिमंडल को वीजा हासिल करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा, जो आखिरी वक्त में दूर हुईं। उनके मुताबिक, इससे यह धारणा बनी कि वॉशिंगटन में हर कोई लावरोव की मौजूदगी से खुश नहीं है।

हालांकि, उन्होंने कहा कि रूस इस बैठक का इस्तेमाल वैश्विक आर्थिक संस्थानों में तेजी से सुधार की वकालत करने के लिए करेगा।

दिसंबर में होने वाले शिखर सम्मेलन की तैयारी

अटलांटा में हो रही यह बैठक दिसंबर में होने वाले जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन की तैयारी के लिहाज से अहम है। इस सम्मेलन की मेजबानी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फ्लोरिडा के मियामी स्थित अपने गोल्फ क्लब में करेंगे। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ट्रंप का निमंत्रण स्वीकार करेंगे या नहीं।

फोटो सत्र रद्द होने से इस बात की आशंका नजर आने लगी है कि इस बैठक में विवादित मुद्दों पर शायद ही आम सहमति बन पाए। इन मुद्दों में रूस-यूक्रेन संघर्ष, ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल का युद्ध, अमेरिकी शुल्क और दक्षिण चीन सागर में चीन की गतिविधियां शामिल हैं। इन सभी घटनाक्रमों के कारण वैश्विक स्तर पर ईंधन की कीमतों में भारी उछाल आया है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को लेकर भी अनिश्चितता पैदा हो गई है।

फिर होंगे ...

लेकिन आइजेनकोट और उनके यहूदी सहयोगियों के लिए यह राजनीतिक रूप से जोखिम भरा कदम हो सकता है। इजरायल की आबादी में अरब नागरिकों की हिस्सेदारी करीब 20 प्रतिशत है। इनमें ऐसे फिलस्तीनी परिवारों के वंशज भी शामिल हैं, जो 1948 के युद्ध के दौरान इजरायल के गठन के बाद वहीं रह गए थे। उनके पश्चिमी तट और गाजा के फिलस्तीनियों से करीबी संबंध हैं और वे बड़े पैमाने पर फिलस्तीनी मुद्दे का समर्थन करते हैं। इस वजह से इजरायल के कई यहूदी नागरिक उन्हें संदेह की नजर से देखते हैं।

इजरायल के इतिहास में अब तक केवल एक बार, वर्ष 2021 में, किसी अरब पार्टी ने सरकार में हिस्सा लिया था। वह सरकार करीब 18 महीने ही चल सकी थी। नेतन्याहू पहले ही ऐसे किसी गठबंधन को इजरायल की यहूदी पहचान के साथ विश्वासघात और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बता रहे हैं।

एकता सरकार का विकल्प भी मौजूद

नेतन्याहू, आइजेनकोट और उनके दक्षिणपंथी सहयोगियों को अपने साथ लाकर एकता सरकार बनाने की कोशिश भी कर सकते हैं। इस राजनीतिक समीकरण से 67 सीटों का बहुमत बन सकता है। ऐसी सरकार बनने पर अरब नेतृत्व वाली पार्टियों के साथ-साथ अति-राष्ट्रवादी और अति-रूढ़िवादी यहूदी गुट विपक्ष में जा सकते हैं।

इस तरह की सरकार के सामने अति-रूढ़िवादी यहूदियों को सैन्य सेवा से छूट देने जैसे मुद्दों और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की चुनौती होगी। हालांकि, इस विकल्प को अमल में लाना आसान नहीं होगा।आइजेनकोट और उनके सहयोगी पहले ही नेतन्याहू के साथ सरकार बनाने से इनकार कर चुके हैं। उनका आरोप है कि 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले से पहले और उसके दौरान सुरक्षा व्यवस्था में हुई नाकामियों के लिए नेतन्याहू जिम्मेदार हैं। वे उन पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप भी लगाते रहे हैं। इसके अलावा नेतन्याहू के खिलाफ चल रहे भ्रष्टाचार के मुकदमे को भी विपक्ष उनके विरोध की वजह बताता है।

विपक्षी मतदाताओं की प्रमुख मांगों में 7 अक्टूबर के हमले की आधिकारिक जांच भी शामिल है। नेतन्याहू के नेतृत्व वाली सरकार से ऐसी जांच को मंजूरी मिलने की संभावना को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। अतीत में नेतन्याहू के साथ सरकार बनाने वाले कुछ विपक्षी नेताओं को अपने मतदाताओं की नाराजगी का सामना करना पड़ा था। इस गठबंधन के लिए नेतन्याहू को अपने उन दक्षिणपंथी और अति-रूढ़िवादी सहयोगियों से भी दूरी बनानी पड़ सकती है, जिन्होंने हमास के हमले के बाद और कई युद्धों तथा संकटों के दौरान उनका साथ दिया है।

विरोधी खेमे में सेंध लगाने की कोशिश

नेतन्याहू विपक्षी गठबंधन में कमजोर कड़ियां तलाशने की कोशिश कर सकते हैं। इस गठबंधन में इजरायल के अलग-अलग राजनीतिक विचारधाराओं वाले दल शामिल हैं। ऐसे में वह अपने पुराने सहयोगियों, दक्षिणपंथी नेता नफ्ताली बेनेट या एविगडोर लिबरमैन को अपने पाले में लाने का प्रयास कर सकते हैं।

दोनों नेता कब्जे वाले पश्चिमी तट में बस्तियों के विस्तार जैसी राष्ट्रवादी नीतियों का समर्थन करते हैं। अरब पार्टियों के साथ गठबंधन को लेकर उनके लिए भी राजनीतिक मुश्किलें हो सकती हैं। हालांकि, दोनों का नेतन्याहू के साथ लंबे समय से व्यक्तिगत और राजनीतिक टकराव रहा है। वे उनके साथ सरकार बनाने से इनकार भी कर चुके हैं।इसके अलावा, नेतन्याहू के अति-रूढ़िवादी सहयोगियों की सैन्य सेवा से छूट की मांग का भी बेनेट और लिबरमैन विरोध करते रहे हैं। दूसरी ओर, आइजेनकोट के पास नेतन्याहू के खेमे से नेताओं को तोड़ने के विकल्प सीमित हैं। उनकी लिकुड पार्टी और दक्षिणपंथी तथा अति-रूढ़िवादी सहयोगी लंबे समय से उनके साथ बने हुए हैं।

बहुमत नहीं मिला तो फिर होंगे चुनाव

अगर कोई भी पक्ष 61 सीटों का आंकड़ा हासिल नहीं कर पाता है तो इजरायल में अगले साल की शुरुआत में फिर से चुनाव हो सकते हैं। तब तक नेतन्याहू की सरकार कार्यवाहक सरकार के तौर पर बनी रहेगी। यह स्थिति नेतन्याहू के विरोधियों के लिए चुनौती बन सकती है।चुनाव से पहले उनके खेमे को जो समर्थन मिला था, वह दोबारा उसी स्तर पर बना रहेगा या नहीं, यह भी सवाल है। इस बार विदेशों से हजारों इजरायली नागरिक मतदान के लिए पहुंचे थे। दोबारा चुनाव होने पर उनमें से सभी के लौटकर आने की संभावना निश्चित नहीं है। वहीं, नए चुनाव से नेतन्याहू को अपने गठबंधन को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त समय मिल सकता है। इजरायल इससे पहले भी ऐसी राजनीतिक गतिरोध की स्थिति देख चुका है। वर्ष 2019 में इसी तरह की अनिश्चितता के बाद देश में साढ़े तीन साल के भीतर पांच बार चुनाव कराने पड़े थे।

बाप रे ऐसा...

जब भी देश पर कोई संकट आता है, तो उन्हें इसमें आनंद आता है। खाड़ी क्षेत्र में चल रहे संघर्ष का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि जहां पूरा देश युद्ध से पैदा हुई स्थिति से निपटने के लिए एकजुट है, वहीं कुछ लोग अफवाहें फैलाकर लोगों के बीच घबराहट पैदा कर रहे हैं।प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाया, उन्होंने किसानों के मन में यह डर पैदा किया कि खाद मिलना बंद हो जाएगा। उन्होंने जानबूझकर लंबी कतारें लगवाईं और लोगों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बना दिया।

प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वह उन्हें बदनाम करने के लिए पूरे देश में अराजकता फैलाना चाहता है। उन्होंने कहा कि लोगों को यह विश्वास दिलाने की कोशिश की जा रही है कि फरवरी के अंत में शुरू हुए संघर्ष के कारण अब रसोई गैस नहीं मिलेगी।उन्होंने सभा में कहा, उन्होंने महिलाओं को डराने की भी कोशिश की। वे दावा कर रहे थे कि अब खाना पकाने वाली गैस नहीं मिलेगी और पूछ रहे थे, आप खाना कैसे बनाएंगी? आपके बच्चे स्कूल कैसे जाएंगे? उनका मकसद पूरे देश में अफरा-तफरी फैलाना था, ताकि मोदी को बदनाम किया जा सके।

किसानों को खाद की कमी नहीं होने देने का दावा

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा, मैंने वादा किया था कि मोदी हमेशा आपके साथ मजबूती से खड़े रहेंगे। और देखिए, भले ही संघर्ष चल रहा है, लेकिन मोदी ने यह सुनिश्चित किया है कि हमारे किसानों के लिए खाद की कोई कमी न हो।

किसानों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि युद्ध के कारण दुनिया भर में खाद की कीमतें और उसे बनाने में इस्तेमाल होने वाले रसायनों की लागत काफी बढ़ गई है, लेकिन सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि इसका अतिरिक्त बोझ किसानों पर न पड़े।

उन्होंने कहा, दुनिया भर में यूरिया के एक बोरे की कीमत 3,000 रुपये तक है, फिर भी भारतीय किसानों को यह 300 रुपये से भी कम कीमत पर मिल रहा है। सरकार ने यह पूरा बोझ खुद उठा लिया, ताकि किसानों तक यह बोरा सिर्फ 300 रुपये में पहुंच सके।

उन्होंने आगे कहा कि इसी तरह, जहां दुनिया भर में डीएपी खाद के एक बोरे की कीमत 5,000 रुपये के पार चली गई थी, वहीं भारतीय किसानों को यह 1,350 रुपये में मिल रही है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 31 अक्टूबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अ. भा. अग्रवाल सम्मेलन तेलंगाना की कार्यकारिणी सभा संपन्न

1000 नए सदस्य जोड़ने का संकल्प, तेलंगाना के सभी जिलों में संगठन विस्तार पर जोर

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, तेलंगाना की सत्र 2026–2031 की द्वितीय कार्यकारिणी सभा शुक्रवार, 30 अक्टूबर 2026 को शाम 6 बजे प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुरेश कुमार सिंघल के बरकतपुरा स्थित कार्यालय में सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

बैठक में संगठनात्मक विस्तार, सदस्यता अभियान, जिला इकाइयों को सक्रिय करने तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक का शुभारंभ प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुरेश कुमार सिंघल ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का स्वागत करते हुए किया। इसके बाद प्रदेश महामंत्री श्री मुकुंदलाल अग्रवाल ने पिछली बैठक का कार्यवृत्त (मिनट्स) पढ़कर सुनाया, जिसे उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित किया।

बैठक के दौरान सम्मेलन के चेयरमैन श्री योगेश जैन एवं पूर्व कोषाध्यक्ष सीए श्री विनोद कुमार जैन ने पिछले कार्यकाल का लेखा–जोखा प्रस्तुत किया। साथ ही वित्तीय अभिलेख एवं कार्यभार नए कोषाध्यक्ष श्री सुनील कुमार अग्रवाल को सौंपा। इसके पश्चात कोषाध्यक्ष श्री सुनील कुमार अग्रवाल ने हाल ही में आयोजित महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह का आय–व्यय विवरण सभा के समक्ष प्रस्तुत किया, जिसे सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित किया।

सभा में सम्मेलन के संगठनात्मक विस्तार एवं सदस्यता अभियान को लेकर विशेष चर्चा हुई। सदस्यता अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने की जिम्मेदारी उपाध्यक्ष श्री राजकुमार रिटोलिया, डॉ. अजय अग्रवाल एवं श्री विपिन अग्रवाल को सौंपी गई।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुरेश कुमार सिंघल ने प्रथम चरण में 1000 नए सदस्यों को सम्मेलन से जोड़ने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों से संगठन को मजबूत बनाने, समाज के अधिक से अधिक बंधुओं को सम्मेलन से जोड़ने तथा एकजुट होकर समाजहित में कार्य करने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय सह प्रवक्ता श्री अशोक बंसल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सम्मेलन का संगठनात्मक विस्तार केवल हैदराबाद तक सीमित न रहकर तेलंगाना राज्य के सभी जिलों तक होना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि राज्य की सभी जिला इकाइयों को सक्रिय एवं सशक्त बनाकर वहां सम्मेलन की गतिविधियों को गति प्रदान की जाए।

उन्होंने प्रत्येक जिले में विशेष सदस्यता अभियान चलाकर अधिक से अधिक अग्रवाल बंधुओं को सम्मेलन से जोड़ने तथा जिला स्तर के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को संगठन की मुख्यधारा में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जब जिले मजबूत होंगे, तभी प्रदेश संगठन और अधिक सशक्त होगा। सम्मेलन की पहचान एवं गतिविधियों को पूरे तेलंगाना में विस्तार देने के लिए सभी जिलों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

इस अवसर पर समन्वयक श्री विनय जैन ने सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को आगामी दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने सम्मेलन के तत्वावधान में शीघ्र ही एक विशेष कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने बताया कि दीपावली के पश्चात कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर उसे अंतिम रूप दिया जाएगा तथा इसकी विस्तृत जानकारी सभी सदस्यों तक पहुंचाई जाएगी।

बैठक में अध्यक्ष डॉ. सुरेश कुमार सिंघल, उपाध्यक्ष श्री विपिन अग्रवाल, महामंत्री श्री मुकुंद लाल अग्रवाल, उप महामंत्री श्री जगत नारायण अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री सुनील कुमार अग्रवाल, समन्वयकर्ता श्री विनय जैन, महिला अध्यक्ष श्रीमती निर्मला संघी, महिला मंत्री श्रीमती कविता संघी, कार्यकारिणी सदस्य श्री डी.पी. अग्रवाल, एडवोकेट श्री सुरेश कुमार अग्रवाल, श्री शिवकुमार भालवाले, श्री विनोद जैन, श्री महेंद्र कुमार गुप्ता, निवर्तमान अध्यक्ष (चेयरमैन) श्री योगेश जैन, परामर्शदाता श्री सुरेंद्र कुमार अग्रवाल तथा राष्ट्रीय सह प्रवक्ता श्री अशोक बंसल सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने सम्मेलन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने, तेलंगाना के सभी जिलों में संगठन का विस्तार करने तथा समाज की एकता, सेवा एवं सहयोग की भावना को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

अग्रवाल समाज श्याम मंदिर शाखा की बैठक और करवाचौथ मिलन समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज श्याम मंदिर शाखा की ओर से कार्यकारिणी बैठक, किटी सदस्यों का युगल मिलन समारोह तथा अग्रसेन जयंती के अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं का सम्मान समारोह संपन्न हुआ। करवाचौथ से एक दिन पूर्व आयोजित इस कार्यक्रम में सभी सदस्य पारंपरिक वेशभूषा में उपस्थित हुए, जिससे समारोह में भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं की सुंदर झलक देखने को मिली।

अग्रसेन जयंती के अवसर पर आयोजित नृत्य, बैडमिंटन, रंगोली एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में भाग लेकर विजयी हुए शाखा के लगभग 17 प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उनकी उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया गया।

समारोह के दौरान दंपतियों के लिए मनोरंजक खेलों एवं युगल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। युगल प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सौरभ एवं कोमल अग्रवाल, द्वितीय पुरस्कार सुनील एवं सीमा मोदी तथा तृतीय पुरस्कार महेश जी एवं रूपा गोयल को प्राप्त हुआ।

कार्यकारिणी बैठक में आगामी दीपावली के अवसर पर सेवा कार्य करने का निर्णय लिया गया। इसके तहत 1 नवंबर को शाखा के सदस्य हैदराबाद स्थित देवनार नेत्रहीन विद्यालय जाएंगे तथा वहां बच्चों को मिठाई एवं फल वितरित करेंगे। इस पहल का उद्देश्य त्योहार की खुशियां जरूरतमंद बच्चों के साथ साझा करना है।कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने सामूहिक रात्रिभोज किया तथा संगीत के साथ आनंदपूर्वक समय बिताया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष श्रीमती सीमा मोदी, सचिव श्री सतीश गुप्ता, संयुक्त सचिव श्री संजय मोदी एवं कोषाध्यक्ष श्री सौरभ अग्रवाल सहित केंद्रीय समिति के सदस्य श्री रमेश गुप्ता एवं श्री शिव शंकर बगड़िया उपस्थित रहे।

इनके अलावा श्री सुनील मोदी, श्री भगवती प्रसाद, श्री सुरेश सिंघल, श्री नवीन जी, श्रीमती कविता गोयल तथा अन्य समाजबंधुओं की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह ने समाज में आपसी सौहार्द, पारिवारिक एकता, सांस्कृतिक परंपराओं एवं सामाजिक सेवा की भावना को और अधिक मजबूत किया।

उप निदेशक (कार्यान्वयन–दक्षिण), राजभाषा विभाग–गृह मंत्रालय द्वारा

राजभाषा कार्यान्वयन पर जागरूकता सत्र का आयोजन

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के उप निदेशक (कार्यान्वयन–दक्षिण) श्री निर्मल कुमार दुबे द्वारा पावरग्रिड दक्षिणी क्षेत्र–1 क्षेत्रीय मुख्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन पर जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर श्री दुबे ने राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी की प्रगति एवं प्रचार–प्रसार के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने 'कंठस्थ 2.0', 'शब्द सिंधु' एवं 'भारतीय भाषा विभाग' सहित विभिन्न पहलों पर प्रकाश डालते हुए अपने ज्ञानवर्धक विचार कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ साझा किए।

कार्यक्रम में पावरग्रिड कार्यालय की ओर से श्री टी.वी.एस. प्रवीण कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (सं.प्र.), श्री अशोक रॉय, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक (मा.सं.), वरिष्ठ अधिकारीगण एवं कर्मचारी गरिमामय रूप से उपस्थित रहे।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर कल

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल मानव सेवा मंच, एकल अभियान तेलंगाना एवं लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद ग्रीनलैंड के संयुक्त तत्वावधान में 201वां नि:शुल्क विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर 1 नवंबर, रविवार को लिंगाला ग्राम एवं मंडल, जिला नागरकर्नूल स्थित जिला परिषद हाई स्कूल में आयोजित किया जाएगा।

मंच के प्रचार–प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल ने बताया कि शिविर में किम्स अस्पताल, सिकंदराबाद के चिकित्सकों द्वारा रक्तचाप, मधुमेह, ईसीजी, द्वि–आयामी इको सहित हृदय, हड्डी, सामान्य, महिला एवं बाल रोगों की जांच की जाएगी। एल.वी. प्रसाद नेत्र अस्पताल, टूडूकुर्थी के विशेषज्ञ आंखों की जांच करेंगे तथा चयनित मोतियाबिंद मरीजों का नि:शुल्क ऑपरेशन किया जाएगा। इसके अलावा दंत चिकित्सा, नि:शुल्क दवा वितरण तथा दिव्यांगों के कृत्रिम अंगों के लिए नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर द्वारा पंजीकरण की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

शिविर के प्रायोजक मंगतराम कुमार पर्ल डीलर्स (राधेश्याम गुप्ता), पत्थरगट्टी, हैदराबाद हैं। एकल आरोग्य प्रकल्प शिविर के संयोजक मधुकर स्वामी ने क्षेत्र के नागरिकों से शिविर में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की।

सेवा से मिलती है आत्मसंतुष्टि, मानव सेवा ही सच्चा धर्म : शर्मिला अग्रवाल

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने शुक्रवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए शर्मिला अग्रवाल ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा करना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवता के प्रति सच्ची श्रद्धा है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। उन्होंने कहा कि राधे–राधे ग्रुप के सदस्य निस्वार्थ भाव से सेवा कार्य कर समाज में सहयोग, समर्पण और मानवीय संवेदनाओं की भावना को मजबूत कर रहे हैं। सेवा का वास्तविक आनंद तभी मिलता है, जब हम बिना किसी स्वार्थ और भेदभाव के दूसरों के काम आते हैं।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, अनिल अग्रवाल धरशुवाले, दीपचंद अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल एवं लता गोयल सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सेवा के संकल्प से महक रही मानवता की राह

हैदराबाद। हैदराबाद राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के पिलर नंबर 1265–ए के पास नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्रुप के सदस्यों ने सेवा और समर्पण की भावना के साथ जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानवता का संदेश दिया।इस अवसर पर महेश अग्रवाल, भगत राम गोयल, मनीष अग्रवाल, भाकरराम कुमावत, कमला देवी, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल एवं प्रीतिका अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। ग्रुप का उद्देश्य है कि कोई भी जरूरतमंद भूखा न रहे। निस्वार्थ भाव से की गई अन्नसेवा के माध्यम से समाज में सहयोग, संवेदना और मानवता के संस्कारों को मजबूत करना ही इस अभियान की मूल भावना है।

हैदराबाद में पूर्व से पश्चिम तक बारिश, कई इलाकों में तेज बौछारें

आंधी और गरज-चमक के साथ हुई बारिश से मिली गर्मी और उमस से राहत

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हैदराबाद के विभिन्न हिस्सों में शुक्रवार शाम तेज बारिश और गरज-चमक के साथ आंधी चली। शहर के पूर्वी उपनगरों में भारी बारिश दर्ज की गई, जबकि पश्चिमी और दक्षिणी हिस्सों में भी बारिश फैल गई। लंबे समय से जारी शुष्क मौसम के बाद हुई इस बारिश से लोगों को राहत मिली।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार शाम करीब 4:30 बजे अगले दो घंटों के दौरान हैदराबाद के दक्षिण-पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान जारी किया था। इसके अनुरूप शहर के कई इलाकों में बारिश हुई।

इन इलाकों में हुई बारिश

स्थानीय निवासियों और मौसम संबंधी जानकारी साझा करने वाले ब्लॉगर्स के अनुसार, कपरा, घाटकेसर, कीसरा, अन्नोजीगुड़ा, दम्माइगुड़ा, नगरम, बोडुप्पल, रामपल्ली, पीरजादीगुड़ा, मेडिपल्ली और चारलापल्ली में गरज-चमक के साथ बारिश हुई।

सरोरनगर से एलबी नगर तक के क्षेत्र में भी तेज बारिश दर्ज की गई। इसमें नागोल, सरोरनगर, एलबी नगर, हयातनगर और बीएन रेड्डी नगर शामिल हैं। इसके अलावा उप्पल, दिलसुखनगर, सैदाबाद, मलकपेट, राजेंद्रनगर और चंद्रायनगुट्टा की ओर भी बारिश फैलने की संभावना जताई गई थी। मध्य हैदराबाद के आबिड्स, नामपल्ली, खैरताबाद और हिमायतनगर में भी बारिश की संभावना रही।

पश्चिमी हैदराबाद के नानकरामगुड़ा, मणिकोंडा, शैकपेट, टॉलीचौकी और गाचीबोवली में भारी बारिश हुई। आसपास के क्षेत्रों में भी आगे बारिश होने की संभावना जताई गई।

कई क्षेत्रों में फैली बारिश

शुक्रवार शाम करीब 4:30 बजे प्राप्त मौसम संबंधी अपडेट के अनुसार, शंकरपल्ली, कोल्लूर, तेल्लापुर, गाचीबोवली, नानकरामगुड़ा, एलबी नगर, हस्तिनापुरम, वनस्थलीपुरम और हयातनगर में रुक-रुककर मध्यम बारिश हुई।

इसके बाद के एक घंटे के दौरान उप्पल, बोडुप्पल, नागोल, मेडिपल्ली, नाचाराम, ईसीआईएल, मल्लापुर, नगरम, गोलकोंडा और शमशाबाद में मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना जताई गई।

लंबे शुष्क दौर के बाद शहर के कई हिस्सों में हुई व्यापक बारिश से लोगों को राहत मिली। विभिन्न इलाकों में गरज-चमक और आगे भी बारिश की संभावना को देखते हुए वाहन चालकों और यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना सावधानीपूर्वक बनाने तथा जलभराव वाले रास्तों से गुजरते समय सतर्क रहने की सलाह दी गई।

नहर में गिरे डिलीवरी एजेंट को बचाया

माधापुर में एक डिलीवरी एजेंट मोटरसाइकिल चलाते समय दुर्घटनावश नाले में गिर गया। माधापुर पुलिस के अनुसार, यह घटना गुरुवार शाम करीब 7:30 बजे विट्ठल राव नगर में हुई।

स्थानीय निवासियों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) को बुलाया और घटनास्थल पर पहुंची। ऐप आधारित सेवा में डिलीवरी एग्जीक्यूटिव के रूप में काम करने वाले घंटासाला अर्जुन कुमार को जीवित बचा लिया गया, हालांकि पानी का बहाव तेज होने के कारण उनकी मोटरसाइकिल बरामद नहीं की जा सकी।

3 नवंबर तक बारिश के आसार, सभी जिलों के लिए येलो अलर्ट

आंधी, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की चेतावनी; 2 और 3 नवंबर को कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना

हैदराबाद। तेलंगाना में अगले पांच दिनों तक गरज-चमक, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने हैदराबाद सहित कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा 2 और 3 नवंबर को कुछ अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की भी संभावना जताई गई है।

सात दिनों का मौसम अलर्ट

30 अक्टूबर को जारी आईएमडी की सात दिवसीय मौसम चेतावनी के अनुसार, शुक्रवार को राज्य के 11 जिलों में अलग-अलग स्थानों पर बिजली चमकने, गरज-चमक और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

इन जिलों में मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबूबाबाद, वारंगल, हनुमकोंडा, जंगांव, सिद्दीपेट और यादाद्री भुवनगिरी शामिल हैं।

31 अक्टूबर को मौसम की गतिविधियां हैदराबाद, रंगारेड्डी, मेडचल-मलकाजगिरी और नागरकर्नूल जिलों तक फैलने की संभावना है। इन जिलों के साथ शुक्रवार को चेतावनी वाले जिलों में भी बारिश और आंधी का असर जारी रह सकता है।

मियांपुर की 550 एकड़ जमीन पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला ऐतिहासिक : रेवंत रेड्डी

केसीआर और दामोदर राव पर गोल्डस्टोन के जरिए सरकारी जमीन हथियाने की साजिश का आरोप

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि बीआरएस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और उनके रिश्तेदार दिवाकोंडा दामोदर राव ने 'गोल्डस्टोन' प्रसाद के माध्यम से मियापुर की करीब 50 हजार करोड़ रुपये मूल्य की सरकारी जमीन पर कब्जा करने की साजिश रची थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अतिक्रमणकारियों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में लगातार कानूनी लड़ाई लड़कर मियापुर की 550 एकड़ बहुमूल्य जमीन को सुरक्षित रखा। गुरुवार को आए सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले में राज्य के स्वामित्व के दावे को बरकरार रखा गया है।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि दिसंबर 2023 में सत्ता में आने के बाद से कांग्रेस सरकार ने करीब 1.5 लाख करोड़ रुपये मूल्य की सरकारी जमीन को अवैध कब्जों से सुरक्षित किया है। सरकार सार्वजनिक संपत्तियों को राजनीतिक परिवारों और उनके सहयोगियों की निजी संपत्ति नहीं बनने देगी।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बताया ऐतिहासिक जीत

दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए इसे राज्य की ऐतिहासिक जीत और पिछली बीआरएस सरकार तथा चंद्रशेखर राव के लिए करारा तमाचा बताया। उन्होंने न्याय सुनिश्चित करने और सार्वजनिक संपत्तियों की रक्षा करने के लिए शीर्ष अदालत का आभार जताया। उन्होंने कहा कि अनुकूल फैसला आने के बाद मियापुर की जमीन को वापस सरकारी कब्जे में लेने के लिए अधिकारियों को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए जा चुके हैं।

उन्होंने बताया कि राजस्व विभाग और हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एचएमडीए) के अधिकारी मियापुर की जमीन का सर्वेक्षण कर रहे हैं। इसका उद्देश्य

यह पता लगाना है कि पिछले 23 वर्षों से चल रहे मुकदमे के दौरान वहां कितने अवैध निर्माण हुए और कितनी एकड़ जमीन पर अतिक्रमण किया गया। सर्वेक्षण दो से तीन दिनों में पूरा होने की उम्मीद है। इससे 550 एकड़ में से खाली पड़ी जमीन की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

दामोदर राव को लग्जरी कारें देने का आरोप

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि मियापुर की जमीन हथियाने के लिए दामोदर राव को रिश्वत के रूप में लग्जरी कारें दी गई थीं, जबकि चंद्रशेखर राव को नकद में भारी कमीशन मिला था।

उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री, उनके परिवार के सदस्यों और अन्य बीआरएस नेताओं पर अपने दस वर्षों के शासनकाल में हैदराबाद सहित तेलंगाना के विभिन्न क्षेत्रों में बहुमूल्य सरकारी जमीनों पर कब्जा करने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

चंद्रशेखर राव के परिवार द्वारा कथित जमीन कब्जाने के खिलाफ अपने संघर्ष का उल्लेख करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि उन्होंने विधायक, सांसद और तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) अध्यक्ष के रूप में इस मुद्दे को उठाया था। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन बीआरएस सरकार ने उनके खिलाफ दुर्भावना रखते हुए राजनीतिक प्रतिशोध के कारण उन्हें जेल भेजा था।

हरीश राव और उनके ससुर पर भी लगाए आरोप

मुख्यमंत्री ने पूर्व मंत्री टी. हरीश राव और उनके ससुर हनुमंता राव को निशाने पर लेते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने सिद्दीपेट में अपने परिवार द्वारा कथित रूप से कब्जाई गई जमीन का सर्वेक्षण करने से अधिकारियों को रोका था। उन्होंने कहा कि परिवार के सदस्यों ने अदालत का रुख कर सर्वेक्षण रोकने के लिए स्थगन आदेश प्राप्त कर लिया था।

रेवंत रेड्डी ने यह भी सवाल उठाया कि अविभाजित आंध्र प्रदेश में पद्मालय स्टूडियो और लैंको की जमीन के संबंध में मामले दर्ज कराने वाले चंद्रशेखर राव और हरीश राव ने सत्ता में आने के बाद उन संपत्तियों पर कब्जा क्यों नहीं लिया। इसके बजाय, उन्होंने उन्हीं लोगों के साथ मिलीभगत कर समझौता कर लिया, जिनके खिलाफ पहले लड़ाई लड़ी थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीआरएस नेताओं ने जमीन अतिक्रमण के मुद्दे पर कांग्रेस सरकार के खिलाफ कई झूठे आरोप लगाए, जबकि उनका अपना रिकॉर्ड भी सवालों के घेरे में है।

फार्महाउस के आसपास की जमीन का विवाद

मुख्यमंत्री ने चंद्रशेखर राव पर आरोप लगाया कि उन्होंने अपने फार्महाउस के आसपास कथित रूप से कब्जाई गई जमीनों को बचाने के लिए एर्रावल्ली और शिवर वेंकटपुर के बीच सीमा विवाद का फायदा उठाया। उन्होंने कहा कि सरकार इस सीमा विवाद को सुलझाने, अवैध निर्माण हटाने और एर्रावल्ली में श्रीकांत चारी शहीद स्मारक बनाने के लिए तैयार है।

छठ घाट का निरीक्षण

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
शुक्रवार को बिहार समाज सेवा संघ, हैदराबाद के तत्वावधान में छठ पूजा घाट का निरीक्षण किया गया। इस दौरान ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के प्रमुख पदाधिकारियों के साथ बिहार समाज सेवा संघ के राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा, हैदराबाद के कोषाध्यक्ष दीपक तिवारी, समाज के वरिष्ठ सदस्य शिशिर मिश्रा तथा छठ पूजा घाट के प्रभारी संजीव मिश्रा उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान आम जनता एवं छठ व्रतियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए घाट पर आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने के संबंध में जीएचएमसी कार्यालय के अधिकारियों को सभी जरूरी सुविधाओं की जानकारी दी गई।

बिहार समाज सेवा संघ के राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा ने कहा कि यह घाट अंबरपेट और नालागुंटा जैसे क्षेत्रों के छठ व्रतियों के लिए नजदीक एवं सुविधाजनक रहेगा। इस अवसर पर जीएचएमसी के प्रमुख पदाधिकारियों ने बिहार समाज सेवा संघ के मौजूदा पदाधिकारियों को आश्वासन दिया कि आवश्यक सभी कार्य समय से पहले पूरे कराए जाएंगे।

10 करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा, 83 बैंक खाते बेचने वाला गिरोह पकड़ा

प्रत्येक खाते के लिए 20 से 25 हजार रुपये लेते थे आरोपी, तीन गिरफ्तार; 22 बैंक शाखाओं में मिले खाते

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हैदराबाद में एक गिरोह द्वारा स्थानीय लोगों के बैंक खाते हासिल कर उन्हें साइबर अपराधियों को 20 हजार से 25 हजार रुपये प्रति खाते की कीमत पर बेचने का मामला सामने आया है।

इन खातों का इस्तेमाल ऑनलाइन धोखाधड़ी से प्राप्त रकम को इधर-उधर स्थानांतरित करने के लिए किया जा रहा था।हैदराबाद पुलिस ने 22 बैंक शाखाओं में ऐसे 83 म्यूल बैंक खातों की पहचान की है। इन खातों में लगभग 10.04 करोड़ रुपये के लेनदेन का पता चला है।

तीन आरोपी गिरफ्तार

कमिश्नर की टास्क फोर्स की चारमीनार जोन टीम ने अत्तापुर पुलिस के साथ मिलकर बैंक खाते हासिल कर साइबर ठगों को उपलब्ध कराने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

इस मामले में चार अन्य आरोपियों के नाम भी सामने आए हैं, जिनमें राजस्थान के जयपुर के दो कथित हैंडलर शामिल हैं। ये अभी गिरफ्तार नहीं हुए हैं।

बैंकिंग किट साइबर अपराधियों को बेची

पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने हैदराबाद के स्थानीय लोगों को अलग-अलग बैंकों में खाते खुलवाने के लिए तैयार किया। इसके बाद वे खातों से संबंधित पूरी बैंकिंग किट अपने कब्जे में ले लेते थे। इसमें खाता संख्या, पासबुक, एटीएम कार्ड, एटीएम पिन, खाते से जुड़ा सिम कार्ड और ग्राहक पहचान

संख्या (कस्टमर आईडी) शामिल होती थी।

गिरोह कथित तौर पर प्रत्येक बैंक खाते की पूरी किट जयपुर निवासी विजय और बाबूलाल को 20 हजार से 25 हजार रुपये में बेचता था। इन बैंकिंग किट को कूरियर सेवाओं के माध्यम से भेजा जाता था, जिसके बाद हैदराबाद के आरोपियों को भुगतान मिलता था। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से जब्त मोबाइल फोन में इस नेटवर्क के माध्यम से खोले गए बैंक खातों का विवरण मिला है।

22 बैंक शाखाओं में मिले 83 खाते

जांचकर्ताओं ने हैदराबाद की 22 बैंक शाखाओं में कथित तौर पर खोले गए 83 म्यूल बैंक खातों की पहचान की है।

इनमें तेलंगाना स्टेट को-ऑपरेटिव एपेक्स बैंक के 31 खाते, दारुस्सलाम को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक के 15 खाते, तमिलनाड मर्केंटाइल बैंक (टीएमबी) के छह खाते और एक अन्य बैंक के 15 खाते, शामिल हैं।

शेष खाते हैदराबाद डिस्ट्रिक्ट को-ऑपरेटिव सेंट्रल बैंक, बॉम्बे मर्चेंट बैंक, एसवीसी को-ऑपरेटिव बैंक, डीसीबी बैंक सहित अन्य बैंकों में पाए गए।

11 खातों से जुड़ी 14 साइबर ठगी की वारदातें

राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआर-आरपी) पर इन 83 खातों की जांच करने पर पता चला कि उनमें से 11 खाते देशभर में दर्ज 14 साइबर धोखाधड़ी के लेनदेन से जुड़े हुए थे।

इन लेनदेन की शिकायतें हैदराबाद, तेलंगाना के अन्य हिस्सों, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, केरल, छत्तीसगढ़ और दिल्ली से दर्ज की गई थीं।

पुलिस के अनुसार, साइबर अपराधों के माध्यम से इन 83 चिन्हित खातों में लगभग 10,04,84,094 रुपये जमा किए गए थे। आरोप है कि यह रकम उसी दिन निकाल ली जाती थी।

साइबर अपराधों से जुड़े 11 खातों में से छह तेलंगाना स्टेट को-ऑपरेटिव एपेक्स बैंक, चार अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक और एक एसवीसी को-ऑपरेटिव बैंक का था।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सैयद अब्बास उल्लाह हुसैनी (24), जो वेटर का काम करता है, मोहम्मद तलहा खान (23) और नवाब मोहम्मद रहमुद्दीन खान (20) के रूप में हुई है। तीनों हैदराबाद के हुसैनी आलम स्थित शाहगंज के निवासी हैं।

पुलिस के अनुसार, हुसैनी और तलहा ने रहमुद्दीन खान की मदद से कथित रूप से बैंक खाते हासिल किए और उन्हें राजस्थान स्थित अपने संपर्कों तक पहुंचाया।

मामले में अन्य आरोपियों के रूप में जयपुर के विजय और बाबूलाल, हुसैनी आलम के सलमान तथा मल्लेपल्ली के अन्ना के नाम सामने आए हैं। प्रेस नोट के अनुसार, विजय और बाबूलाल को अभी गिरफ्तार नहीं किया गया है।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से तेलंगाना स्टेट को-ऑपरेटिव एपेक्स बैंक की आठ पासबुक और तीन मोबाइल फोन जब्त किए हैं।

अत्तापुर पुलिस स्टेशन में अपराध संख्या 1163/2026 तथा कलवाकुर्ती पुलिस स्टेशन में अपराध संख्या 321/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं में मामले दर्ज किए गए हैं।

बैंक खाते किराये पर देने या बेचने से बचें

हैदराबाद पुलिस ने आम जनता को चेतावनी दी है कि किसी भी अनजान व्यक्ति को पैसों के लालच में अपने बैंक खाते, एटीएम कार्ड, चेकबुक, सिम कार्ड, यूपीआई आईडी या इंटरनेट बैंकिंग से संबंधित जानकारी किराये पर न दें और न ही बेचें।

पुलिस के अनुसार, साइबर अपराधी ऑनलाइन ठगी से प्राप्त रकम को जमा करने, स्थानांतरित करने और निकालने के लिए अक्सर अनजान लोगों के बैंक खातों का इस्तेमाल म्यूल खातों के रूप में करते हैं।पुलिस ने चेतावनी दी कि कमीशन के बदले किसी अन्य व्यक्ति को अपना बैंक खाता संचालित करने की अनुमति देने पर खाता फ्रीज हो सकता है, पुलिस जांच का सामना करना पड़ सकता है और व्यक्ति की संलिप्तता के आधार पर आपराधिक मुकदमा भी चलाया जा सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.